THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 21 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.5 2082 शुक्रवार, 18 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद में स्थिति नियंत्रण में

कोलकाता, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से स्थिति की जानकारी मांगी थी। जिसके बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने गुरुवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिपोर्ट प्रस्तुत की और दावा किया कि हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में कानून और व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में है। न्यायमूर्ति सौमेन सेन और राजा बसु चौधरी की खंडपीठ राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जिसमें दावा किया गया था कि मुस्लिम बहुल जिले में सांप्रदायिक दंगों के दौरान बम विस्फोट हुए थे और उन्होंने हिंसा की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने का अनुरोध किया था।

वक्फ कानून पर 'सुप्रीम' सुनवाई

सरकार को सात दिन का समय

> अगली तारीख तक यथास्थिति बनी रहेगी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को लेकर दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ से केंद्र की मांग पर सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन का समय दिया। सरकार ने यह भी आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई तक 'उपयोगकर्ता की ओर से वक्फ' या 'दस्तावेजों की ओर से वक्फ' संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यदि किसी वक्फ संपत्ति का पंजीकरण 1995 के अधिनियम के तहत हुआ है, तो उन संपत्तियों को 5 मई को अगली सुनवाई तक गैर-अधिसूचित नहीं किया जा सकता। इसके बाद कोर्ट ने मामले की अगली तारीख 5 मई तय की।

सरकार की दलील :

सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है। सरकार को लाखों-लाखों प्रतिनिधि मिले, गांव-गांव वक्फ में शामिल किए गए। इतनी सारी जमीनों पर वक्फ का दावा किया जाता है। इसे कानून का हिस्सा माना जाता है। अंतरिम रोक की राय पर मेहता ने कहा कि कानून पर रोक लगाना एक कठोर कदम होगा। उन्होंने अदालत के सामने कुछ दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि इस दौरान बोर्ड या काउंसिल की कोई नियुक्ति नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जिस पर इस तरह से विचार किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा :

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसने कहा था कि कानून में कुछ सकारात्मक बातें हैं और इस पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। वह नहीं चाहता कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव हो। कोर्ट ने कहा कि जब मामला कोर्ट में लंबित है, तो हमे यह सुनिश्चित करना होगा कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव न हो। सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल के इस बयान को रिकॉर्ड में लिया कि केंद्र सात दिनों के भीतर जवाब देगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई की तारीख तक, वक्फ (जिसमें पहले से पंजीकृत या अधिसूचना के माध्यम से घोषित वक्फ-बाय-यूजर शामिल है) को न तो डीनोटिफाई किया जाएगा और न ही कलेक्टर इसे लेकर कोई फैसला लेंगे।

धनखड़ बोले-अदालत राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकती

अनुच्छेद-142 न्यूक्लियर मिसाइल बना, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था-राष्ट्रपति 3 महीने में बिल पर फैसला करें

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। संविधान का अनुच्छेद 142 के तहत मिले कोर्ट को विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24x7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। दरअसल, अनुच्छेद 142 भारत के सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता है कि वह पूर्ण न्याय (कम्पलीट जस्टिस) करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फैसला दे सकता है, चाहे वह किसी भी मामले में हो। लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार सबसे अहम होती है और सभी संस्थाओं को अपनी-अपनी सीमाओं में रहकर काम करना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है।

राहुल गांधी जाएंगे अमेरिका

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अगले सप्ताह अमेरिका जाएंगे। इस दौरान वे ब्राउन यूनिवर्सिटी में भाषण देंगे।

वे संकाय सदस्यों और छात्रों से बातचीत भी करेंगे। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 21 और 22 अप्रैल को अमेरिका के रोड आइलैंड में ब्राउन यूनिवर्सिटी जाएंगे। वहां वे भाषण देंगे। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों से कई मुद्दों पर बात करेंगे।

सीआरपीएफ है तो जीत का भरोसा है : शाह

> नीमच में परेड की सलामी ली > देश में नक्सलवाद के सफाए की तारीख भी बताई

नीमच, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुरुवार को मध्यप्रदेश के नीमच में कहा, कहीं अशांति होती है और मुझे पता लगता है कि सीआरपीएफ तैनात है तो जीत का भरोसा रहता है। शाह ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का देश से सफाया हो जाएगा। इसमें सीआरपीएफ जवानों की भी बड़ी भूमिका रहेगी। उन्होंने ये बातें सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस समारोह में कही। इससे पहले शाह ने शहीद स्थल पर वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद खुली जीप में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। समारोह में सीआरपीएफ की 8 टुकड़ियां परेड में शामिल हुई। गृहमंत्री ने परेड की सलामी ली। शाह ने वीरता पदकों के लिए चयनित सीआरपीएफ जवानों को वीरता पदक भी दिए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल हुए। अमित शाह ने कहा कि सीआरपीएफ की स्थापना से अब तक 2264 जवानों ने अलग-अलग मोर्चों पर देश की सुरक्षा के लिए बलिदान दिया है। उन सभी शहीदों के परिवार को मैं कहना चाहता हूं कि 2047 में सर्वोच्च बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसमें आपके परिवारजन के बलिदान का बड़ा योगदान है। सीआरपीएफ ने देश की एकता और अखंडता बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जब भी देश में कहीं भी अशांति होती है।

भारत बोला-पाकिस्तान को पीओके खाली करना पड़ेगा

इस्लामाबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने गुरुवार को कहा- पीओके भारत का अभिन्न अंग है। इस पर पाकिस्तान का अवैध रूप से कब्जा है। पाकिस्तान को पीओके हर हाल में खाली करना पड़ेगा। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ के कश्मीर और टू नेशन थ्योरी वाले बयान पर यह प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। उनके टू नेशन थ्योरी वाले बयान पर जायसवाल ने कहा कि यह थ्योरी 1971 में बांग्लादेश की आजादी के बाद ही खारिज हो चुकी थी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ मुनीर ने बुधवार को कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने कहा है कि पाकिस्तान की नींव कलमे (इस्लाम धर्म का मूल मंत्र) पर रखी गई है। हम हर मामले में हिंदुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है, हमारे रीति-रिवाज अलग हैं। हमारी संस्कृति और सोच अलग है। यही टू-नेशन थ्योरी की नींव थी। इस्लामाबाद में पहले ओवरसीज पाकिस्तानी सम्मेलन में जनरल मुनीर ने कहा था कि पाकिस्तान की कहानी अपने बच्चों को आपको जरूर सुनानी है।

हमारे पूर्वजों ने सोचा कि हम हिंदुओं से अलग हैं। हमारी सोच, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। इसी वजह से हम दो देश हैं, एक देश नहीं हैं। इस देश के लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया है। हम जानते हैं कि इसकी रक्षा कैसे करनी है। जनरल मुनीर ने कहा- आज तक सिर्फ दो रियासतों की बुनियाद कलमे पर पड़ी।

अगर कल छुट्टी नहीं होती तो जन्मदिन भी ईडी दफ्तर में मनाना पड़ता : रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जाने-माने कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा से लगातार तीसरे दिन प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ की। ईडी की पूछताछ के बाद रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि कोई नया सवाल नहीं था, सभी सवाल एक जैसे ही थे। अगर कल सार्वजनिक अवकाश नहीं होता तो मुझे अपना जन्मदिन ईडी दफ्तर में मनाना पड़ता।

इससे पहले दो दिनों में रॉबर्ट वाड्रा से करीब साढ़े 11 घंटे (पहले दिन छह घंटे और दूसरे दिन साढ़े पांच घंटे) तक पूछताछ हो चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय ने 2008 के शिकोहपुर भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ की। बीते दिन वाड्रा प्रियंका के साथ ईडी मुख्यालय पहुंचे थे।

सौ देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा भारत : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में बनाए गए रक्षा उपकरण करीब 100 देशों को निर्यात किए जा रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वदेशी रक्षा उपकरणों के क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए गुरुवार को यह बात कही। राजनाथ सिंह ने बताया कि रक्षा उद्योग के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सशस्त्र बलों द्वारा पांच सूचियां जारी की गई हैं, जिनमें कुल 509 रक्षा उपकरण, हथियार प्रणाली और रक्षा प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इनका उत्पादन अब देश में ही किया जाएगा।

नई दिल्ली में रक्षा तैयारी से जुड़े विषय पर बोलते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि साल 2013-14 में देश का रक्षा निर्यात मात्र 686 करोड़ रुपये का था। वित्त वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 23,622 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। करीब सौ देशों को भारत में बने रक्षा उत्पाद निर्यात किए जा रहे हैं। इस साल रक्षा निर्यात बढ़ाकर 30,000 करोड़ रुपये और साल 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि डिफेंस पीएसयू ने भी पांच सूचियां जारी की हैं। इनमें कुल 5,012 उत्पाद शामिल हैं। इनका भी उत्पादन अब अनिवार्य रूप से भारत में ही किया जाएगा। हम बेहद मजबूती के साथ, नियोजित तरीके से आत्मनिर्भर और मजबूत डिफेंस सेक्टर बनाने की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। 'मेक इन इंडिया' की ओर आगे बढ़ते समय घरेलू कंपनियों के हितों का भी ध्यान रखा गया। इसी कारण सरकार ने डिफेंस कैपिटल प्रोक्योरमेंट करने के लिए रक्षा बजट का 75 प्रतिशत, घरेलू कंपनियों से खरीद के लिए आरक्षित किया हुआ है। यह देश की घरेलू कंपनियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण प्रयास है।

उन्होंने बताया कि इन प्रयासों का ही परिणाम है कि 2014 के आसपास जहां हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन लगभग 40,000 करोड़ रुपये था, वहीं आज यह लगभग एक लाख 27 हजार करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर चुका है। इस साल हमारा लक्ष्य है कि रक्षा उत्पादन 1.60 लाख करोड़ रुपये और 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये को पार कर जाए।

नड्डा की जगह कौन, पीएम आवास पर हुई अहम बैठक

एक हफ्ते में हो सकता है फैसला, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए 8 दावेदार

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम आवास पर पार्टी नेताओं संग अहम बैठक की। सूत्रों के मुताबिक एक हफ्ते के भीतर पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा हो सकती है। बैठक में कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के अध्यक्षों के नामों पर चर्चा हुई है। अगले दो-तीन दिनों में करीब आधा दर्जन राज्यों के अध्यक्षों की घोषणा हो सकती है। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया 20 अप्रैल के बाद कभी भी शुरू हो सकती है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जनवरी में होना था, लेकिन अप्रैल आधा बीत जाने के बाद भी नहीं हो सका है। जेपी नड्डा जनवरी, 2020 से राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं।

पार्टी संविधान के मुताबिक उनका कार्यकाल जनवरी, 2023 में खत्म हो गया, लेकिन लोकसभा चुनाव समेत कई बड़े चुनावों के मद्देनजर उनका कार्यकाल आगे बढ़ा दिया गया। विपक्षी नैरेटिव की काट खोज रही भाजपा भाजपा के एक नेता ने कहा- जो भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा 2029 का लोकसभा चुनाव उसी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। ऐसे में जरूरी है कि कहीं से यह संदेश न जाए कि संगठन में एक वर्ग की नहीं सुनी जाती या फैसला जबरन थोपा गया है। बीते दस सालों में विपक्ष लगातार यह नैरेटिव गढ़ने का प्रयास कर रहा है।

नई टीम में महिलाओं को 337 जगह संभव भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा- नए अध्यक्ष की घोषणा के बाद राष्ट्रीय परिषद व कार्यकारिणी में 337 तक सीटें महिलाओं को दिए जाने का प्लान है। संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। पार्टी के विभिन्न संगठनों में भी महिला भागीदारी बढ़ेगी। आरएसएस चाहता है विचारधारा के लिए समर्पित युवाओं को मौका मिले संघ इस पर सहमति चाहता है कि भाजपा सहित सभी आनुषांगिक संगठनों में विचारधारा के प्रति समर्पित युवाओं को तरजीह मिले।

मिथुन बोले-ममता बनर्जी बंगाली हिंदुओं के लिए खतरा

कोलकाता, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून हिंसा विवाद के बीच भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा- ममता बनर्जी बंगाली हिंदुओं के लिए खतरा बन चुकी हैं। बंगाली हिंदू बेघर हैं, राहत शिविरों में खिचड़ी खाने को मजबूर हैं। उनका क्या दोष है।

साथ ही उन्होंने कहा- राज्य में भाजपा नहीं, ममता बनर्जी ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया है। वो समुदायों के बीच अशांति पैदा कर रही हैं। दरअसल, बुधवार को ममता बनर्जी ने इमामों की सभा में कहा था- मुर्शिदाबाद में हुआ दंगा प्री प्लांड था। इसमें भाजपा, बीएसएफ और सेंट्रल एजेंसीज की मिलीभगत थी। बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश में बुलाकर ये दंगे करवाए गए। साथ ही कहा- यूपी के सीएम योगी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। वह सबसे बड़े भोगी हैं। वहीं, ममता के आरोपों के जवाब में बीएसएफ के एक अधिकारी ने कहा-घुसपैठ कराकर हिंसा कराने की बात गलत है।

अकाली दल का उम्मीदवार घोषित

जाने-माने वकील परुपकर सिंह घुमन को दिया टिकट

चंडीगढ़, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। शिरोमणि अकाली दल ने लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर परुपकर सिंह घुमन को उम्मीदवार घोषित किया है। घुमन एक जाने-माने वकील और लुधियाना बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हैं। वे पंजाब और हरियाणा बार काउंसिल के सदस्य भी रह चुके हैं। सुखबीर बादल ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और लुधियाना के सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ क्षेत्र के सभी मौजूदा और पूर्व नगर पार्षदों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद घुमन का नाम अनाउंस किया।

पार्टी के प्रति उनकी सेवाओं को ध्यान में रखते हुए सभी ने सर्वसम्मति से उनके नाम की सिफारिश की। बादल ने पांच सदस्यीय अभियान समिति की भी घोषणा की जिसमें महेश इंदर सिंह ग्रेवाल, हीरा सिंह गाबड़िया, हरीश राय ढांडा, प्रितपाल सिंह पाली और डॉ। दलजीत सिंह चीमा शामिल हैं, जो समन्वयक के तौर पर काम करेंगे।

बिना तैयारी के रोजाना कैसे चले आते हैं

क्यों एक वकील पर तल्ख हुए जस्टिस पारदीवाला

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कभी-कभी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जजों और वकीलों के बीच एक नोकझोंक या फिर यूं कहें की तकरार भी देखने को मिलती है। अक्सर जज कई मौकों पर कुछ वकीलों की क्लास भी लगा देते हैं। सुप्रीम कोर्ट में आज भी कुछ ऐसा ही हुआ। जस्टिस पारदीवाला एक वकील को सुन रहे थे। इसी बीच उन्होंने वकील से पूछा कि इस सत्र का केस नंबर क्या है। इस पर वकील साहब को जैसे समझ ही नहीं आया कि जस्टिस पारदीवाला क्या पूछ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये क्या होता है। इस पर चुटकी लेते हुए जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि बहुत बढ़िया, चलिए ये बताइये कि इस मामले में आरोप कब तय किया गया था। इस पर वकील साहब आरोप बताने के बजाय बोलने लगें कि चार्जशीट दायर हुआ था।

जब जस्टिस पारदीवाला नाराज हुए!

इस दफा जस्टिस पारदीवाला बेहद सख्त हो गए। बोले – मैं पूछ रहा हूं चार्ज (सीएचएआरजीई) – आरोप कब तय हुआ था। जस्टिस पारदीवाला ने फिर से कहा कि आप ये बताइये कि अपराध कब हुआ। इस पर वकील साहब ने सिवाय हामी भरने के कुछ नहीं कहा। आखिरकार, जस्टिस पारदीवाला बेहद नाराज हुए। कहा कि "बिना किसी तैयारी के वकील रोजाना अदालत में आ कैसे सकते हैं। ये हर दिन हो रहा है। मेरे साथी जज इस मामले में धैर्यवान है। पर इस तरह के रवैये पर मैं चुप नहीं बैठ सकता।" जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि हमे ये देखकर तकलीफ होती है कि ट्रायल साढ़े 6 साल से लंबित है। अब तक महज 23 गवाहों की से पूछताछ हुई है। हमें ये समझ नहीं आता कि किस तरह साढ़े छः बरस में केवल 23 गवाहों की ही पड़ताल हुई। बावजूद इसके कि अपराध गंभीर है, आरोपी के पास भी स्पीडी ट्रायल का अधिकार है। अदालत ने कहा कि ये पहले भी कहा गया है कि अगर किसी मामले में चार्जशीट दायर करने में जरुरत से ज्यादा देरी होती है, और अगर उस देरी की वजह आरोपी नहीं है तो फिर इस स्थिति में आरोपी को हमेशा ही जमानत दी जा सकती है। फिर भी हम इस दफा आरोपी को जमानत नहीं दे रहे हैं, और ट्रायल कोर्ट को एक मौका और देते हैं कि वो 6 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करें। अदालत ने निर्देश दिया कि अगर इस दफा ट्रायल पूरा नहीं होता है तो फिर हम संबंधित अधिकारी से इस मामले में विस्तार से जवाब मांगेंगे। अदालत ने रजिस्ट्री से इस मामले को 6 महीने के बाद दोबारा लिस्ट करने को कहा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा इमिग्रेशन घोटाला

2 लाख रुपये में पासपोर्ट बेचा, दो ट्रिप भी की, एक युवक की पहचान

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तैनात इमिग्रेशन टीम ने एक सनसनीखेज फर्जीवाड़े का खुलासा किया है, जिसने हवाई सुरक्षा व्यवस्था को हिला कर रख दिया है। हांगकांग से डिपोर्ट होकर लौटे एक भारतीय नागरिक के पासपोर्ट में जब एक बार का प्रस्थान और दो बार का आगमन दर्ज मिला, तो इमिग्रेशन अफसर भी चौंक गए। जांच में सामने आया कि युवक का पासपोर्ट 2 लाख रुपये में बेच दिया गया था और उसी पासपोर्ट से किसी और को भारत भेज दिया गया था। हरपाल सिंह 7 अप्रैल को हांगकांग से इमरजेंसी सर्टिफिकेट पर भारत लौटा था।

जांच में सामने आया कि वह 2016 में वैध तरीके से हांगकांग गया था, लेकिन वापसी के कोई रिकॉर्ड नहीं थे, जबकि 2025 में लौटते वक्त उसके पासपोर्ट पर दूसरा 'आगमन' दर्ज मिला इस बार बिना किसी 'प्रस्थान' के! यानि, पासपोर्ट का दुरुपयोग हुआ था। दिल्ली पुलिस को उसने बताया कि गांव के लोगों से प्रेरित होकर वह भी जल्दी पैसा कमाने के चक्कर में हांगकांग जाना चाहता था। एक दोस्त के ज़रिए उसकी पहचान एजेंट सनी उर्फ जोगिंदर पाल से हुई, जिसने 2 लाख रुपये में हांगकांग भेजने का वादा किया। टिकट और बाकी इंतजाम सनी के भाई नीरज पासी ने किए। कुछ ही समय बाद हरपाल ने शरण के लिए आवेदन किया, लेकिन 2024 में उसका आवेदन खारिज कर दिया गया। अवैध प्रवास के चलते वह हांगकांग में गिरफ्तार हुआ

पिछली सरकार ने स्कूलों को मनमानी करने की छूट दी, शिक्षा मंत्री ने केजरीवाल को भी घेरा

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में इन दिनों निजी स्कूलों में बढ़ी हुई फीस को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। अभिभावकों ने स्कूलों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है तो वहीं दिल्ली सरकार ने पिछली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि राजधानी दिल्ली में भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। पिछली सरकारों ने प्राइवेट स्कूलों को खुली छूट दी। आम आदमी पार्टी केवल आरोप लगाकर भगाने का काम करती है। डीपीएस आरके पुरम के बारे में अरविंद केजरीवाल जो आज बयान दे रहे हैं। उस स्कूल के 100 पेज कटिंग के मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पेश किए हैं। आगे कहा कि कल डीपीएस द्वारका के संदर्भ में कोर्ट के द्वारा पास ऑर्डर किया गया। आप सभी के सामने पेश कर रहा हूं। लड़ाई तथ्यों के आधार पर इस तरह से लड़ी जाती है। दिल्ली में शिक्षा इतिहास में पहली बार डीएम की पॉवर का इस्तेमाल करते हुए, स्कूल में कमेटी भेजी। दिल्ली में फीस बढ़ोतरी को लेकर अब तक 600 से ज्यादा निजी स्कूलों का ऑडिट किया जा चुका है। बिना मंजूरी के मनमाने तरीके से फीस बढ़ाने पर स्कूल की मान्यता वापस लेने और स्कूल प्रबंधन को अपने नियंत्रण में लेने के संबंध में दस से ज्यादा स्कूलों को नोटिस जारी किया गया है। शिक्षा निदेशालय की स्कूलों के ऑडिट को लेकर यह कार्रवाई जारी रहेगी। निदेशालय के अनुसार 16 अप्रैल 2025 तक दिल्ली भर में 600 से अधिक निजी स्कूलों का निरीक्षण किया गया। शेष स्कूलों का निरीक्षण भी जल्द पूरा होगा। निदेशालय ने मनमाने तरीके से फीस बढ़ाने के मामले में मुनाफाखोरी और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने वाले स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसमें मामले के आधार पर स्कूल की मान्यता वापस लेने और स्कूल प्रबंधन को अपने नियंत्रण में लेने की कार्रवाई शामिल है। दिल्ली विद्यालय शिक्षा अधिनियम (डीएसईएआर) 1973 की धारा 24(3) के तहत 10 से अधिक ऐसे निजी स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है। इन स्कूलों को तत्काल प्रभाव से मनमानी फीस वृद्धि वापस लेने के निर्देश दिए हैं।

मुंबई में खौफनाक कांड! 6 साल के बच्चे को किडनैप करने के बाद रेप, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के वडाला पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक 6 साल के बच्चे का अपहरण कर उसका रेप किया गया। वडाला रेलवे स्टेशन से सटे बीपीटी रेलवे पटरियों के पास झाड़ियों में एक 22 वर्षीय व्यक्ति ने कथित रूप से बच्चे को किडनैप कर लिया और फिर उसका यौन उत्पीड़न किया। मुंबई के वडाला पुलिस स्टेशन ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 137(2),115(2), 351(3) के साथ-साथ पोक्सो अधिनियम की धारा 4, 6 और 8 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस को जांच में पता लगा है कि आरोपी बिहार के कटिहार का रहने वाला है। उसकी पहचान होते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

उपहार कांडः अंसल बंधुओं के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में 1 अगस्त से अंतिम सुनवाई, पीड़ितों को न्याय की उम्मीद

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने उपहार सिनेमा अग्निकांड से जुड़े सबूतों से छेड़छाड़ के मामले में रियल एस्टेट कारोबारी सुशील और गोपाल अंसल की सजा के खिलाफ दायर याचिकाओं पर अंतिम बहस के लिए 1 अगस्त की तारीख तय की है। दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस गिरीश काठपालिया ने कहा कि उस दिन से मामले की रोज सुनवाई होगी, जब तक बहस पूरी नहीं हो जाती। यह मामला 13 जून, 1997 को उपहार सिनेमा में हुए भीषण अग्निकांड से जुड़ा है, जिसमें 59 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस त्रासदी के बाद सबूतों से छेड़छाड़ का एक अलग मामला दर्ज हुआ, जिसमें अंसल बंधुओं सहित चार लोगों को दोषी ठहराया गया था।

निचली अदालत ने सुनाई थी 7 साल की सजा

मजिस्ट्रेट अदालत ने 8 नवंबर, 2021 को अंसल भाइयों को सात साल की सजा सुनाई थी, लेकिन जिला अदालत ने 19 जुलाई, 2022 को इस सजा को घटाकर पहले से काटी गई सजा के आधार पर उन्हें रिहा कर दिया। हालांकि कोर्ट ने अंसल बंधुओं पर 2.25 करोड़ रुपये जुर्माना और अन्य दोषियों दिनेश चंद्र शर्मा व पीपी। बत्रा पर 3 लाख रुपये जुर्माना बरकरार रखा।

दिल्ली पुलिस ने किया विरोध

अभियोजन पक्ष के वकील कृष्णन ने अदालत में कहा कि अपीलीय अदालत ने विकृत तर्कों के आधार पर सजा घटाई है, जो न्याय की भावना के खिलाफ है। वहीं, उपहार त्रासदी पीड़ित संघ (एवीयूटी) के वकील विकास पहवा ने दलील दी कि सबूतों से छेड़छाड़ न्याय व्यवस्था पर हमला है। और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। चार्जशीट में कहा गया है कि जिन दस्तावेजों से छेड़छाड़ की गई, उनमें पुलिस मेमो, फायर सर्विस के रिकॉर्ड, प्रबंध निदेशक की बैठकों की कार्यवाही और चार बैंक चेक शामिल हैं।

क्या है उपहार अग्नि कांड मामला ?

दरअसल यह आग 13 जून, 1997 को हिंदी फिल्म 'बॉर्डर' की स्क्रीनिंग के दौरान साउथ दिल्ली के उपहार सिनेमा में लगी थी, जिसमें 59 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद, सिनेमा मालिकों, अंसल बंधुओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई।

पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले के 'सुप्रीम' फैसले में रियायत, साथ में रखी ये शर्त

कोलकाता, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले को लेकर अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कुछ रियायत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की उस प्रार्थना को स्वीकार किया, जिसमें भर्ती में गड़बड़ी की वजह से अपॉइंट हुए बेदाग असिस्टेंट टीचरों को जांच पर रखा जाए ताकि 9-12 क्लास के छात्रों की पढ़ाई में कोई दिक्कत न पहुंचे। यह राहत अस्थाई है ताकि इस अकादमिक सत्र में छात्रों को नुकसान न हो।

दागी शिक्षकों को कोई राहत नहीं मिली है

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी भी गैर-शिक्षण कर्मचारी को, चाहे वह दागी हो या अन्यथा दागी न हो, काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने शर्त रखी है कि राज्य सरकार 31 मई तक नई भर्ती का विज्ञापन निकाल दे। नई नियुक्तियां 31 दिसंबर तक पूरी हो जाएं। 3 अप्रैल को दिए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने 25,000 से ज्यादा नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। अब छात्रों की पढ़ाई के नुकसान का हवाला दे रही राज्य सरकार के अनुरोध पर शिक्षकों को फिलहाल काम करने की अनुमति दी गई है।

दिल्ली पुलिस की नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ एक बड़ा और प्रभावशाली ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें 620 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। यह हेरोइन पूरी दिल्ली में नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रही थी और इसके बाजार मूल्य का अनुमान 1.25 करोड़ रुपये के आसपास है। इस कार्रवाई में पांच कुख्यात तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जो लंबे समय से नशे के कारोबार में शामिल थे।

एंटी-नारकोटिक्स सेल के इंस्पेक्टर अशोक कुमार की अगुवाई में चलाए गए इस ऑपरेशन में पुलिस ने तीन अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। इन छापेमारी के दौरान पुलिस ने तस्करों के पास से हेरोइन की बड़ी खेप बरामद की, जो विभिन्न इलाकों में सप्लाई होनी थी।

तस्करी के नेटवर्क का पर्दाफाश

इन तस्करों के गिरफ्तारी से एक बड़े अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भी पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने बताया कि इन तस्करों का संपर्क हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के अन्य हिस्सों से था और वे लगातार नशे की सामग्री को नए रास्तों से दिल्ली और इसके आस-पास के क्षेत्रों में पहुंचा रहे थे।

गिरफ्तार तस्करों का आपराधिक इतिहास

गिरफ्तार किए गए तस्करों में से कई के आपराधिक इतिहास भी रहे हैं। साहिबुल, जो स्वामी श्रद्धानंद कॉलोनी के निवासी हैं, पहले भी नशे के व्यापार में शामिल रहे हैं। उनके तीन भाई पहले हत्या के आरोप में न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस के मुताबिक, इन तस्करों का गिरोह काफी संगठित था और लंबे समय से दिल्ली में हेरोइन की तस्करी कर रहा था।

इंदौर में पराली जलाने पर 770 किसानों पर तगड़ा जुर्माना, खेत मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

इंदौर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में प्रशासन ने खेतों में पराली जलाने की घटनाओं को लेकर सख्त कदम उठाते हुए किसानों पर तगड़ा जुर्माना लगाने के साथ ही खेत मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिलाधिकारी आशीष सिंह ने बताया, "हम खेतों में पराली जलाने वाले लोगों के खिलाफ नियम-कायदों के तहत सख्त कार्रवाई कर रहे हैं।" उन्होंने बताया कि आस-पास के गांवों में पराली जलाने से इंदौर की वायु गुणवत्ता पर बुरा असर भी पड़ रहा है जिसे देश के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल है। प्रशासन के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जिले में पराली जलाने को लेकर पिछले चार दिनों के भीतर 770 किसानों पर कुल 16.71 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी ने पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश भी जारी किया है। यह आदेश पराली जलाने से पर्यावरण, आम लोगों और जीव-जंतुओं को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन पर जिले में संबंधित खेत मालिकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं। इस कानूनी प्रावधान के तहत दोषी को एक वर्ष तक के कारावास या 5,000 रुपये तक के जुर्माने या दोनों सजाओं से दण्डित किया जा सकता है।

आपत्ति जता रहे कृषक संगठन

इस बीच, पराली जलाने वाले किसानों पर तगड़ा जुर्माना लगाने की कार्रवाई को लेकर कृषक संगठन आपत्ति जता रहे हैं। पश्चिमी मध्यप्रदेश के मालवा-निमाड़ अंचल में संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक रामस्वरूप मंत्री ने कहा, हम मानते हैं कि खेतों में पराली जलाना गलत है, लेकिन ऐसे मामलों में किसानों पर एकाएक मोटा जुर्माना लगा दिया जाना भी अनुचित है। उन्होंने मांग की कि कृषि विभाग के अफसरों को गांवों का दौरा करना चाहिए और पराली को नष्ट करने के लिए वैकल्पिक इंतजाम करने चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट से पंजाब सरकार को झटका

बहिबल कलां फायरिंग केस की सुनवाई स्थानांतरित करने की एसएलपी खारिज

फरीदकोट, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। फरीदकोट के बहिबल गोलीकांड मामले में राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब सरकार की उस विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को खारिज कर दिया है, जिसमें पंजाब सरकार ने बहिबल कलां गोलीकांड की घटना की सुनवाई फरीदकोट अदालत से चंडीगढ़ अदालत में स्थानांतरित करने के उच्च न्यायालय के आदेशों को चुनौती दी थी। मालूम हो कि बहिबल केस में चार्जशीट पूर्व एसएसपी चरनजीत सिंह शर्मा की याचिका पर पिछले साल उच्च न्यायालय ने केस की सुनवाई फरीदकोट से चंडीगढ़ जिला अदालत में तब्दील कर दी थी। पूर्व एसएसपी ने अपनी जान को खतरा बताते हुए केस की सुनवाई राज्य से बाहर करने की मांग की थी जिसे उच्च न्यायालय ने स्वीकार कर लिया था।

केरल हाईकोर्टः धोखाधड़ी मामले में खनन कंपनी की याचिका का लिया संज्ञान, केंद्र और सीएम विजयन की बेटी को नोटिस

कोच्चि, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने वित्तीय लेनदेन में धोखाधड़ी के मामले में खनन कंपनी कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) की याचिका का संज्ञान लिया है। केरल हाईकोर्ट ने मामले में केंद्र और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी से जवाब मांगा है। कंपनी ने गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) की शिकायत पर संज्ञान लेने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी।

उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 23 मई को तय की है। न्यायमूर्ति टीआर रवि ने केंद्र सरकार और विजयन की बेटी वीणा टी सहित अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) की याचिका पर उनका रुख पूछा है। कोर्ट ने कहा कि भारत के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ने प्रथम प्रतिवादी केंद्र सरकार का नोटिस लिया। जबकि दो से 12 को दो सप्ताह के भीतर वापस करने योग्य स्पीड पोस्ट द्वारा नोटिस भेजा गया। इसके अलावा डिप्टी सॉलिसिटर जनरल को अपना जवाबी हलफनामा रिकॉर्ड में रखना होगा। कोर्ट ने कहा कि संज्ञान लेने के बारे में मौलिक प्रश्न उठाया गया है और दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के संचालन के बारे में प्रश्न उठाए गए हैं, इसलिए आज की स्थिति को दो महीने की अवधि के लिए यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया जाता है।

एसएफआईओ ने दाखिल की है चार्जशीट

केंद्र ने कोच्चि स्थित निजी खनन कंपनी कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और विजयन की बेटी की कंपनी एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की एसएफआईओ जांच के आदेश दिए थे। एसएफआईओ ने इस महीने की शुरुआत में अवैध भुगतान घोटाले के सिलसिले में सीएमआरएल, वीना और उनकी बंद हो चुकी आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सहित कई अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था।

182 करोड़ की धोखाधड़ी सामने आई

रिपोर्ट के अनुसार एसएफआईओ की जांच में खनन कंपनी में 182 करोड़ रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी सामने आई है। इसमें कई अन्य लोग भी आरोपी हैं। इसमें कहा गया है कि यह धोखाधड़ी गैर-मौजूद खर्चों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाकर, फर्जी बिल बनाकर की गई। जांच में पाया गया कि वीना ने बिना कोई सेवा प्रदान किए निजी खनन कंपनी से 2.7 करोड़ रुपये प्राप्त किए थे। हालांकि विजयन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस आरोप का खंडन किया था।

गौरक्षक से मारपीट करने पर दो पुलिसकर्मी सस्पेंड

एसपीओ बर्खास्त, ड्राइवर भी नौकरी से हटाया गया

पानीपत, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पानीपत में गौरक्षक दल के कार्यकर्ता के साथ मारपीट के मामले में एसपी ने सख्त एक्शन लिया है। एसपी ने दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। एसपीओ को बर्खास्त कर दिया गया। वहीं, पुलिस वैन के चालक को भी नौकरी से हटा दिया गया है। एसपी ने सभी पुलिसकर्मियों को हिदायत दी है कि किसी के साथ अभद्रता करने पर कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार रात को गौ तस्करी की सूचना पर हरिद्वार हाइवे पर यूपी की सीमा पर यमुना नाके पर गौरक्षक पहुंचे थे। जहाँ पर उनकी पुलिस के साथ कहा सुनी हो गई थी। पुलिसकर्मी ने गौरक्षा दल के कार्यकर्ता के साथ मारपीट की थी, उसकी छोटी पकड़कर खींचा था। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल होने के बाद एसपी ने डीएसपी समालखा डीएसपी नरेंद्र कुमार को मामले की जांच सौंपी थी।

आप नेता दुर्गेश पाठक के आवास पर सीबीआई ने मारा छापा

आप का दावा- गुजरात में पार्टी के विकास से डरी बीजेपी

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने गुरुवार सुबह आप नेता दुर्गेश पाठक के आवास पर छापेमारी की। सीबीआई सूत्रों का कहना है कि यह तलाशी एजेंसी द्वारा दर्ज एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) के कथित उल्लंघन के मामले से संबंधित है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को दावा किया कि पिछले गुजरात चुनाव के दौरान भी यही हुआ था, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आप के नेताओं को गिरफ्तार किया था। पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर पोस्ट किया, 'पिछले गुजरात चुनावों के कारण, भाजपा की केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया था और अब जब दुर्गेश पाठक को गुजरात की जिम्मेदारी मिली है तो आज सीबीआई ने उनके घर पर छापा मारा है।' आप के राष्ट्रीय सचिव संदीप पाठक ने कहा कि सीबीआई ने दुर्गेश पाठक के आवास पर छापा तब मारा जब उन्हें गुजरात में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सह-प्रभारी नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि छापेमारी से संकेत मिलता है कि भाजपा आप को राज्य में बढ़ते खतरे के रूप में देखती है। पाठक ने एक्स पर पोस्ट किया, 'गुजरात चुनाव 2027 के लिए सह-प्रभारी नामित किए जाने के कुछ ही दिनों बाद आम आदमी पार्टी के नेता दुर्गेश पाठक के आवास पर आज सुबह सीबीआई की छापेमारी एक जोरदार संदेश देती है

किराने की दुकान में लूटपाट और हफ्ता वसूली के आरोप में तीन नाबालिग पकड़े गए

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में किराने की एक दुकान में चाकू की नोंक पर लूटपाट और हफ्ता वसूली के आरोप में तीन किशोरों को पकड़ा गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना 13 अप्रैल को हुई थी जब 14 और 15 साल की उम्र के चार लड़के किराने की दुकान में घुस गए थे। अधिकारी ने बताया कि चार लड़कों में से तीन ने पैसों की मांग की और चाकू का भय दिखाकर दुकान से 800 रुपये लूट लिए जबकि चौथा आरोपी बाहर था। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से भागने से पहले आरोपियों ने दुकानदारों को कथित तौर पर धमकी दी

सुविचार
सदा प्रसन्न रहने के लिए प्रशंसा की इच्छा का त्याग आवश्यक है

यूओएच के नेतृत्व वाली टीम अनुदान से सम्मानित

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) ने सात राष्ट्रव्यापी एएनआरएफ-पीएआईआर (हब-एन-स्पोक मॉडल) (अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन-त्वरित नवाचार और अनुसंधान के लिए भागीदारी) परियोजनाओं में से एक के रूप में चुने जाने के लिए एक मील का पत्थर हासिल किया है।

यह उपलब्धि गहरे सामाजिक प्रभाव के साथ अत्याधुनिक और सहयोगी अनुसंधान को बढ़ावा देने में यूओएच के नेतृत्व को दर्शाती है। एएनआरएफ से यह प्रतिष्ठित मान्यता यूओएच की अटूट प्रतिबद्धता और बहु-विषयक अनुसंधान, नवाचार और नेतृत्व भूमिकाओं में उत्कृष्टता के लिए वसीयतनामा को रेखांकित करती है। एएनआरएफ-पीएआईआर पहल का उद्देश्य अग्रणी संस्थानों (जिन्हें 'हब' कहा जाता है) और अन्य संबद्ध संस्थानों ('स्पोक्स') के बीच साझेदारी को बढ़ावा देकर भारतीय शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों में मजबूत, सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक वैज्ञानिक प्रगति के साथ संरेखित उच्च प्रभाव वाले, अंतःविषय अनुसंधान को सुविधाजनक बनाना है।

यह महत्वाकांक्षी पहल यूओएच को छह स्पोक संस्थानों के साथ लाती है, जो विविध शैक्षणिक और अनुसंधान पृष्ठभूमि से 173 सह-प्रमुख अन्वेषकों का एक प्रभावशाली नेटवर्क बनाते हैं। स्पोक संस्थान उस्मानिया विश्वविद्यालय, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, योगी वेमना विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय और कन्नूर विश्वविद्यालय हैं। केंद्रीय केंद्र के रूप में, हैदराबाद विश्वविद्यालय इन साझेदार विश्वविद्यालयों के साथ समन्वय करेगा ताकि नवाचार में तेजी आए, अंतर-विषयक सहयोग को बढ़ावा मिले और चयापचय रोगों, संक्रामक रोगों और कैंसर (एमआईसी) के लिए वास्तविक दुनिया के स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान किए जा सकें - विशेष रूप से मधुमेह, फैटी लिवर रोग, डेंगू, मलेरिया, स्तन कैंसर और रक्त कैंसर पर लक्षित। पुरस्कार की सफलता उस तालमेल पर आधारित थी जो पूरे क्लस्टर ने अपने प्रस्ताव में प्रदर्शित किया जहां स्पोक संस्थानों ने अपनी अनूठी ताकतें लाईं।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के परियोजना निदेशक प्रोफेसर ब्रहमानंदम मानवथी, सह-परियोजना निदेशक प्रोफेसर सिबा कुमार उद्गाता और अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रोफेसर सम्राट एल. सबत परियोजना के सफल कार्यान्वयन के लिए स्पोक संस्थानों के साथ समन्वय करेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त का संदेह, टीजीआईआईसी ने किया 'टुकड़ों में काम'

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांचा गच्चीबावली भूमि विवाद में और भी रहस्य सामने आ रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) द्वारा तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) द्वारा परियोजना को खंडित करके अनिवार्य पर्यावरणीय मंज़ूरी को दरकिनार करने के कथित प्रयास पर गंभीर चिंता जताए जाने के बाद, कई कानूनों के उल्लंघन पर सवाल उठ रहे हैं। हाल ही में साइट निरीक्षण के दौरान सीईसी की टिप्पणियों के अनुसार, टीजीआईआईसी ने कुल 400 एकड़ भूमि में से केवल 122.63 एकड़ के लिए तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से स्थापना के लिए सहमति (सीएफई) के लिए आवेदन किया। सीईसी को संदेह है कि यह एक जानबूझकर उठाया गया कदम था, जिसका उद्देश्य पूर्ण पैमाने पर पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) से बचना था।

जेआईसीए ने मेट्रो रेल, मूसी, रेडियल रोड के लिए वित्तीय सहायता के लिए चर्चा की

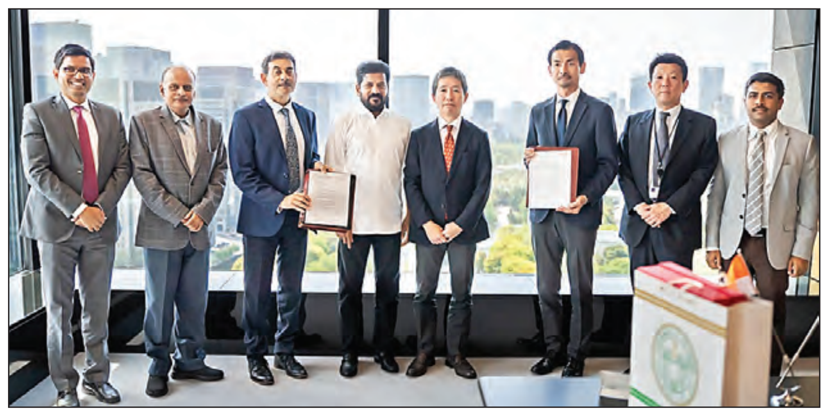

टोक्यो/हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में आधिकारिक तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) के शीर्ष प्रबंधन के साथ हैदराबाद मेट्रो रेल चरण 2, नदी मूसी पुनरुद्धार, ओआरआर और क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) को जोड़ने वाली रेडियल रोड और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं सहित कई प्रमुख शहरी परिवर्तन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता की संभावनाओं का पता लगाने के लिए सकारात्मक चर्चा की।

तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जेआईसीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शोहेई हारा और अन्य वरिष्ठ प्रबंधकों से मुलाकात की। उन्होंने तेलंगाना सरकार की निवेशक अनुकूल नीतियों, वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में हैदराबाद के आकर्षण और शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने जेआईसीए टीम को बताया कि भारत सरकार और तेलंगाना सरकार की संयुक्त उद्यम परियोजना के रूप में 24,269 करोड़ रुपये के निवेश के साथ मेट्रो रेल चरण-2 परियोजना का प्रस्ताव पहले से ही केंद्र सरकार के सक्रिय विचाराधीन है। तेलंगाना सरकार परियोजना के 48 प्रतिशत ऋण घटक के लिए जेआईसीए समर्थन की इच्छुक है, जो लगभग 11,693 करोड़ रुपये है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार द्वारा भारत सरकार के विदेशी ऋण वित्तपोषण मानदंडों का सख्ती से पालन किया जा रहा है।

हैदराबाद शहर को न्यूयॉर्क और टोक्यो जैसे वैश्विक शहरों के बराबर विकसित करने के अपने दृष्टिकोण को समझाते हुए, मुख्यमंत्री ने जेआईसीए से मुसी कायाकल्प परियोजना और नई रेडियल सड़कों को भी वित्तपोषित करने पर विचार करने का आग्रह किया। जेआईसीए और तेलंगाना सरकार के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का हवाला देते हुए, जेआईसीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शोहेई हारा ने रेवंत रेड्डी से जेआईसीए के समर्थन के लिए भारत सरकार के साथ मेट्रो रेल और अन्य पात्र परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का अनुरोध किया। तेलंगाना के विशेष मुख्य सचिव (उद्योग और आईटी) जयेश रंजन, सीएम के प्रधान सचिव वी. शेषाद्रि, मेट्रो रेल के एमडी एनवीएस रेड्डी, एचएमडीए आयुक्त सरफराज अहमद, सीएम के सचिव बी अजीत रेड्डी और तेलंगाना के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने चर्चा में भाग लिया।

पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन कर रहा है बिपार्ड

बिहार के 200 मुखियाओं का पहला बैच पहुंचा हैदराबाद

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों, खास तौर पर मुखिया यानी ग्राम पंचायत अध्यक्षों के लिए 7 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन कर रहा है। इस कार्यक्रम के तहत, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीएंडपीआर), हैदराबाद बिहार राज्य के 200 मुखियाओं के पहले बैच के लिए तीन दिवसीय एक्सपोजर विजिट का आयोजन कर रहा है। ये पंचायत प्रतिनिधि 17 से 19 अप्रैल के दौरान एनआईआरडीपीआर द्वारा समन्वित तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में कुछ बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली ग्राम पंचायतों का दौरा करेंगे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन आज एनआईआरडीपीआर परिसर, हैदराबाद में बिहार कैडर के सिविल सेवक जेआरके राव, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने किया, जो वर्तमान में एनआईआरडीपीआर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने मुखियाओं को दूसरे राज्यों से सीखने का आजीवन अवसर प्रदान करने के लिए बिहार सरकार के प्रयासों की सराहना की। एनआईआरडीपीआर के महानिदेशक डॉ.जी. नरेंद्र कुमार ने अपने परिचयात्मक भाषण में दक्षिणी राज्यों की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली ग्राम पंचायतों, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की सर्वोत्तम प्रथाओं के कुछ उदाहरण देकर पंचायतों के लिए क्रॉस-लर्निंग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। पंचायती राज केंद्र के एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. अंजन कुमार भांजा ने स्वागत भाषण दिया और देश भर में पंचायती राज संस्थाओं की क्षमता निर्माण में एनआईआरडीपीआर की भूमिका पर प्रकाश डाला। बीआईपीएआरडी गया के अधिकारी ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल हुए। उद्घाटन सत्र के बाद तेलंगाना के दो पूर्व सरपंच कट्टा समरसिम्हा रेड्डी और नरसिम्लू ने अपनी ग्राम पंचायतों की सुशासन पहल से संबंधित अपने अनुभव साझा किए। सीटीआई झारखंड के पूर्व प्रिंसिपल और पीआर विशेषज्ञ अजीत कुमार सिंह ने ग्राम पंचायतों की स्थायी समितियों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर चर्चा की, जिसके बाद प्रतिभागियों के साथ बातचीत हुई। दोपहर में, प्रतिनिधियों को तेलंगाना की पांच चयनित ग्राम पंचायतों अन्नाराम, चेगुर, रायकुल, सरदार नगर और पेड्डा तुपरा लेकर जाया गया। इन एक्सपोजर विजिट का समन्वय और संचालन तेलंगाना सरकार के पंचायती राज और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किया गया। विभिन्न ग्राम पंचायतों में एक्सपोजर विजिट का समन्वय एनआईआरडीपीआर संकाय, डॉ अंजन कुमार भांजा, डॉ आर चिन्नादुरई, डॉ सी कथिरेसन, डॉ प्रत्युष्ना पटनायक और डॉ आर अरुणा जयमणि द्वारा प्रशिक्षण प्रबंधकों के सहयोग से किया जा रहा है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I No. 15178390F Rank NK (STEWARD) NAME Gangadhar R Presently residing at vill: Dodarna, post Dodarna thanda No 1, Tehsil: KUBEER, dist NIRMAL. pin no-504103. state TELANGANA. i have change my wife name form to Shamkatai w/o Gangadhar R to RATHOD SHAMKA BAI W/O GANGADHAR R

HOUSE FOR SALE

A.S.Rao Nagar-ECIL, 294 Sq.Yds, E/F, Ind.House GHMC & SURARAM 72 Sq.Yds, West& South, 2 Sides Road Corner Commercial Plot & KUKATPALLY, Allwyn Colony, 82 Sq.Yds, G+3 Getting Rent 62000/- W/F, 9 Months Building Ph. 9044697989.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

टीजीआरईआरए ने भूखंडों की अवैध बिक्री के खिलाफ खरीदारों को किया आगाह

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (टीजीआरईआरए) ने खरीदारों और आम जनता को चेतावनी दी है कि वे कृतिका इंफ्रा डेवलपर्स द्वारा प्रवर्तित रियल एस्टेट परियोजनाओं में लेनदेन न करें या कोई भूखंड न खरीदें। टीजीआरईआरए ने विभिन्न नियमों का उल्लंघन कर विपणन और विज्ञापन करने के लिए कृतिका इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड पर 9.96 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। ऐसा तब हुआ जब कई लोगों ने टीजीआरईआरए में शिकायत दर्ज कराई थी कि राशि प्राप्त करने के बावजूद, फर्म विक्रय विलेखों को निष्पादित और पंजीकृत करने में विफल रही। टीजीआरईआरए ने कहा कि शिकायतकर्ताओं ने मेडचल-मलकाजगिरी के बोडुप्पल गांव में सर्वे नंबर 215 में 'शेषाद्रिज सिल्वर ओक' में भूखंडों की खरीद के लिए कृतिका इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ बिक्री के समझौते किए थे। शिकायतों के बाद, टीजीआरईआरए ने पाया कि बोडुप्पल में शेषाद्री की सिल्वर ओक परियोजना प्राधिकरण के साथ पंजीकृत नहीं थी। पंजीकरण के लिए प्रमोटरों द्वारा कोई आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया था और प्रबंधन ने एचएमडीए और जीएचएमसी से अपेक्षित भवन निर्माण अनुमति और लेआउट अनुमति प्राप्त नहीं की थी।

पूर्व तट रेलवे

सं. DCE/Con/I/VSKP/DPC-PFU/Doubl/Spl — दिनांक: 16.04.2025

सार्वजनिक सूचना

कोत्तवलसा - किरंदुल दोहरीकरण परियोजना के संबंध में दार्लिपुट - पाडूआ सेक्शन के बीच सेक्शन के बीच प्रस्तावित नई दोहरी लाइन का CRS के द्वारा निरीक्षण

दिनांक 22.04.2025 को 9.744 किलोमीटर की लंबाई के लिए दार्लिपुट - पाडूआ सेक्शन का CRS निरीक्षण किया जाएगा। इस संबंध में, दिनांक 22.04.2025 का मोटर ट्रॉली निरीक्षण तथा स्पीड ट्रॉयल किया जाएगा।

जनसाधारण से सतर्क रहने का अनुरोध किया जाता है तथा रलवे लाइन पर न तो बैठे या न ही अनाधिकृत रुप से प्रवेश करें, क्योंकि ऐसा करना जीवन के लिए खतरा है। रेलवे अधिनियम के तहत रेलवे लाइन पर अनाधिकृत प्रवेश एक दंडनीय अपराध है।

सेक्शन एवं लंबाई	तारीख
कोत्तवलसा - किरंदुल नई दोहरी लाइन परियोजना का दार्लिपुट - पाडूआ (9.744 किलोमीटर)	दिनांक 22.04.2025 सुबह 0600 बजे से 1800 बजे तक

PR-10/CI/25-26 — मुख्य अभियंता (निर्माण-I), विशाखपट्टणम

प्रेमिका से शादी करने के लिए मां का मर्डर
खुद ही डायल 112 पर पुलिस को दी खबर

कानपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। हनुमंत विहार क्षेत्र में प्रेम विवाह का विरोध करने पर बेटे ने मां की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। 15 दिन पूर्व मृतका इलाज के लिए फतेहपुर से बेटी की ससुराल आई थी। बीच बचाव के दौरान मृतका की बेटी और उसके समधी भी जख्मी हो गए। हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद ही डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे को धर दबोचा। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी, एडीसीपी दक्षिण महेश कुमार ने भी मौके पर पहुंचकर छानबीन की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। फतेहपुर के रिफ्यूजी कॉलोनी पीरनपुर निवासी 55 वर्षीय प्रमिला सिंह आरोपी बेटे राजा सिंह के साथ रहती थीं।

उनके पति धर्मेंद्र सिंह की पांच साल पहले बीमारी के चलते मौत हो गई। आरोपी बेटे के अलावा परिवार में दो बेटियां प्रीतू सिंह और आकांक्षा है। एक और बेटा राहुल था, जिसकी तीन साल पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी। बेटी प्रीतू की शादी हनुमंत विहार में नारायणपुरी निवासी लवकुश के बेटे सौरव से हुई है, जबकि आकांक्षा की शादी फतेहपुर के राधानगर में रहने वाले सरस सिंह से हुई है। घर पर अकेला राजा बचा है।

बिहार के इस जिले में 162 घरों पर चलेगा बुलडोजर
पटना हाई कोर्ट का सख्त आदेश

पटना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के बांका जिले के धोरैया बाजार में पटना हाई कोर्ट के आदेश के बाद 162 अतिक्रमणकारियों को हटाने का निर्देश जारी किया गया है। लेकिन, पुलिस बल की कमी के कारण बुधवार को निर्धारित कार्रवाई नहीं हो सकी। अंचलाधिकारी श्रीनिवास कुमार सिंह ने बताया कि बार-बार नोटिस देने के बावजूद अतिक्रमणकारियों ने सरकारी जमीन को खाली नहीं किया है। प्रशासन ने कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराने के लिए तीन बार अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी थी। नोटिस में स्पष्ट तौर पर कहा गया था कि लोग स्वेच्छा से झोपड़ी, दुकान और अन्य निर्माण हटा लें, अन्यथा जबरन हटाया जाएगा। इसके बावजूद धोरैया बाजार की सरकारी जमीन पर लोगों का कब्जा बरकरार है।

पुलिस बल की मौजूदगी में होगी कार्रवाई

अधिकारी ने कहा कि जिला स्तर से पर्याप्त पुलिस बल नहीं मिलने के कारण बुधवार को प्रस्तावित अतिक्रमण हटाओ अभियान टालना पड़ा। जल्द ही पुलिस बल मिलने पर यह कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर जबरन अतिक्रमण हटाना पड़ा तो उसका खर्च संबंधित लोगों से वसूला जाएगा और सरकारी आदेश की अवहेलना करने वालों पर आईपीसी की धारा 188 के तहत मुकदमा दर्ज होगा।

सड़कें पूरी तरह हो जाती हैं जाम

इधर कुछ स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि पास के कुरमा हाट में धोरैया से अधिक अतिक्रमण है, जहां साप्ताहिक बाजार के कारण सड़कें पूरी तरह जाम हो जाती हैं। आरोप है कि वहां तो पक्के निर्माण तक किए जा रहे हैं, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। धोरैया बाजार में कार्रवाई की तैयारी के बीच यह सवाल प्रशासन की निष्पक्षता पर भी उंगलियां उठा रहा है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर राजा भैया आग बबूला
कहा- बिल तो बस बहाना, मकसद 'काफ़िरों' को मिटाना

प्रतापगढ़, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी स्थित प्रतापगढ़ में कुंडा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के विरोध में हिंसा पर प्रतिक्रिया दी है। राजा भैया ने कहा है कि आखिर उन लोगों का दोष क्या था? क्या वह मस्जिद के सामने डीजे बजा रहे थे। सोशल मीडिया साइट एक्स पर राजा भैया ने लिखा- कह रहीम कैसे निभै, केर बेर को संग... ये सर्वविदित है कि बिल संसद में पास होने के बाद धरा का कानून बन जाता है।आज वक़्फ़ के समर्थन और विरोध में देश के सारे राजनैतिक दल और विचारधाराएं दो धड़े में बटी हुई हैं, पक्ष हो या विपक्ष इतना तो सभी मानेंगे कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जिन पिता पुत्र कि निर्मम हत्या की गयी, जिनके घर, दुकानें जलायी गयीं, लूटी गयीं, इतना ही नहीं जिन असंख्य हिन्दुओं को औरतों, बच्चों की जान और अस्मिता बचाने के लिए अपना घर, गांव छोड़कर पलायन करना पड़ा उनका वक़्फ़ संशोधन बिल से कोई लेना देना नहीं है, बिल के पास होने में उनकी कोई भूमिका नहीं है, उनको तो ये भी पता नहीं होगा कि ये वक़्फ़ क्या बला है।

'हत्या, लूटपाट और बर्बरता 'काफ़िरों' के साथ'

राजा भैया ने लिखा- आख़िर उनका दोष क्या था? मस्जिद के सामने 'डीजे' भी तो नहीं बजा रहे थे! वक़्फ़ एक्ट का बहाना लेकर 'अल्पसंख्यकों' ने अकारण बिना उकसाये जो सुनियोजित हिंसक हमला किया है, आये दिन ऐसे हमले झेलना अब हिन्दुओं की नियति बन चुकी है। आख़िर हिन्दू कब तक और कहां तक भागेगा? बांग्लादेश से तो ये सोचकर भागे थे कि भारत में सुरक्षित रहेंगे, अब यहां से भागकर कहां जायेंगे? उन्होंने लिखा कि संसद से लेकर सड़कों तक आये दिन संविधान लहराने वालों को भी याद रखना चाहिए कि संविधान शिल्पी बाबा साहब के संविधान में वक़्फ़ नाम का शब्द कभी था ही नहीं, न ही उनकी परिकल्पना में इसका कोई औचित्य था। हत्या, लूटपाट और बर्बरता 'काफ़िरों' के साथ हो रही है, मारने के पहले किसी की जाति नहीं पूछी जा रही है। सबसे बड़ी विडंबना तो ये है कि पिछड़ों और दलितों के तथाकथित स्वयंभू नेताओं की इसपर मुंह खोलने की हिम्मत तक नहीं है। बिल तो बस बहाना है, मक़सद 'काफ़िरों' को मिटाना है। धर्मो रक्षति रक्षितः

राजद विधायक रीतलाल यादव का कोर्ट में सरेंडर
रंगदारी मामले में थी तलाश

पटना, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना में रंगदारी के एक मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक रीतलाल यादव और उनके तीन करीबी सहयोगियों ने गुरुवार को बिहार के दानापुर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने अपनी जांच के तहत यादव और उनके करीबी सहयोगियों से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। यादव दानापुर विधानसभा सीट से मौजूदा विधायक हैं। इससे पहले 11 अप्रैल को पटना के एक बिल्डर की शिकायत के आधार पर यादव और पांच अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के बाद दानापुर और राज्य की राजधानी के अन्य इलाकों में 11 जगहों पर छापेमारी की गई थी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 10 लाख रुपये से अधिक नकद, 77 लाख रुपये के चेक, छह खाली चेक, संपत्तियों की बिक्री और खरीद से संबंधित 14 डीड और 17 चेकबुक भी बरामद कीं। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि पिछले कई दिनों से विधायक के करीबी सहयोगियों से उसे जबरन वसूली और जान से मारने की धमकी वाले फोन आ रहे हैं। आरोप यह भी है कि आरोपियों ने संपत्ति से जुड़े कुछ दस्तावेजों में जालसाजी की है।

उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता पटना के खगौल इलाके में एक अपार्टमेंट ब्लॉक का निर्माण कर रहा था। मीडिया से बात करते हुए पुलिस अधीक्षक (पटना पश्चिम) शरत आरएस ने बताया कि एफआईआर दर्ज होने और उचित अदालत से तलाशी वारंट प्राप्त करने के बाद पुलिस टीमों ने विधायक के दानापुर स्थित आवास के साथ-साथ उनके सहयोगियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। इस बीच, विधायक के वकील सफदर हयात ने कहा कि यादव का कानून से बचने का कोई इरादा नहीं था और जैसे ही उन्हें मामले के बारे में पता चला, उन्होंने आत्मसमर्पण करने का फैसला किया।

मवेशी चोरी के आरोप में बुजुर्ग को पीटा

सीवान, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सीवान में डायल 112 पुलिस की कार्रवाई का एक वीडियो सामने आया है। इस घटना में पुलिसकर्मियों ने कथित मवेशी चोरी के आरोप में एक वृद्ध और एक युवक की पिटाई की। वहीं, सीवान के ही बलुआ गांव में देर रात एक विवादित वकील को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस के सामने जमकर बवाल हुआ। इस घटना का भी एक वीडियो सामने आया है। पहला मामला भगवानपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने दो व्यक्तियों को मवेशी चोरी करते हुए पकड़ा। इसके बाद उन्होंने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों आरोपियों के साथ अभद्र व्यवहार किया और उनकी पिटाई की। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि पुलिस वाहन का चालक और मौजूद सिपाही बारी-बारी से दोनों व्यक्तियों को पीट रहे हैं।

दुष्कर्म और डकैती मामले में
42 साल अपील लंबित रहने पर कोर्ट ने जताया खेद, सजा को रखा बरकरार

प्रयागराज, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने ललितपुर में हत्या की कोशिश व डकैती तथा दुष्कर्म के आरोपित को सत्र अदालत से दी गई उम्र कैद की सजा बरकरार रखी है। साथ ही आरोपित के जमानत पर रहने और अपील की सुनवाई में 42 साल की देरी के लिए खेद जताया है। न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति डा। गौतम चौधरी की खंडपीठ ने कहा, 'न्यायालय विशेष रूप से पक्षकारों और सामान्य रूप से समाज के समक्ष खेद व्यक्त करता है कि इस अपील को तय करने में 42 वर्ष लग गए। चार दशकों की इस लंबी अवधि में पक्षकारों को न्याय नहीं मिला है। चार अभियुक्तों वीर सिंह, गंगाधर, धर्मलाल और बंधु की मृत्यु हो चुकी है। पीड़ित भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। कोर्ट का कहना था कि ऐसे मामलों में न्यायालयों को वास्तविक समय में न्याय प्रदान करना चाहिए। ट्रायल कोर्ट ने चार साल के भीतर 1982 में निर्णय दिया था और फिर जिम्मेदारी उच्च न्यायालय पर आ गई थी। कोर्ट ने इकलौते बचे अभियुक्त बाबूलाल की दोषसिद्धि की पुष्टि की। उसे आत्मसमर्पण के लिए निर्देशित किया गया है। कोर्ट ने कहा है कि यदि ऐसा नहीं होता है तो मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट उसे शेष सजा काटने के लिए गिरफ्तार करवाकर जेल भिजवाएं। कोर्ट ने घटनाक्रम पर टिप्पणी की कि जो कुछ भी हुआ, उससे अधिक जघन्य और बर्बर कुछ भी नहीं हो सकता। इस बात की पुष्टि करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य मिले हैं कि जीवित बचे दोषी बाबूलाल ने एक महिला के साथ दुष्कर्म के साथ ही मारपीट भी की थी। खंडपीठ ने कहा, 'यह ध्यान में रखते हुए कि अपराध की जघन्य प्रकृति मुकदमे में विधिवत साबित हो चुकी है, आरोपित अपीलकर्ता को सजा के सवाल पर कोई दया या नरमी नहीं मिलनी चाहिए। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि वह मुश्किल से चार साल तक ही जेल में रहा और उसे इस अपील के लंबित रहने के दौरान जमानत पर रिहा कर दिया गया। उसे शेष सजा काटनी होगी।

यह जघन्य घटना 5/6 अप्रैल 1979 को बार थाना क्षेत्र में हुई थी। वर्तमान अपील अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश की तरफ से 23 अप्रैल, 1983 को पारित निर्णय एवं दोषसिद्धि आदेश के विरुद्ध दायर की गई थी। दो महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुआ था। एक महिला की बाद में चोटों की वजह से मौत हो गई थी। खंडपीठ ने इस मामले में अपीलकर्ता की ओर से उपस्थित अधिवक्ता (न्यायमित्र) सत्य प्रकाश को बहुमूल्य सहयोग देने के लिए उन्हें नियमानुसार 25 हजार रुपये भुगतान का भी आदेश दिया है।

जालौन सीएचसी अस्पताल में जुकाम का अनोखा इलाज

डॉक्टर ने नाबालिग बच्चे को पिलाई सिगरेट वीडियो वायरल

जालौन, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक डॉक्टर ने एक नाबालिग बच्चे को सिगरेट पिलाकर उसका जुकाम ठीक करने का दावा किया। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जबरदस्त हंगामा मच गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने डॉक्टर के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने और 2 दिन के अंदर जांच रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला जालौन जिले के कुठौंद सीएचसी का है। यहां पर तैनात डॉक्टर सुरेश चंद्रा का बच्चे को सिगरेट पिलाते हुए वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में कहा गया कि इससे उसका जुकाम ठीक हो जाएगा। यह वीडियो किसी मरीज या अस्पताल के कर्मचारी ने बनाया और सोशल मीडिया पर डाल दिया, जिसके बाद यह तेजी से फैल गया।

डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। मामला गरमाते ही उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने ट्वीट करके इसकी जानकारी दी और कहा कि स्वास्थ्य विभाग और शासन की छवि खराब करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। आरोपित डॉक्टर के खिलाफ शासन स्तर पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

9 औरतें, 6 पुरुष और एक सीक्रेट कैमरा
घर के अंदर का सीन देख उड़ गए पुलिस के होश

बस्ती, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बस्ती के मड़वा नगर में एक आवासीय कॉलोनी में लंबे समय से संचालित देह व्यापार के अड्डे का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने छापा मारा और मौके से 15 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें 9 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल हैं। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मड़वा नगर की है। पुलिस को काफी समय से इलाके में जिस्मफरोशी की सूचनाएं मिल रही थीं, लेकिन पुख्ता सबूत न होने के चलते कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही थी। हाल ही में मुखबिर ने सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण तिवारी को सूचना दी कि एक मकान के भीतर संगठित तरीके से देह व्यापार चल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिनंदन, अपर पुलिस अधीक्षक ओपी। सिंह, एसओजी टीम प्रभारी चंद्रकांत पांडे और स्थानीय पुलिस बल ने संयुक्त रूप से छापेमारी की।

जब पुलिस टीम मकान के अंदर पहुंची तो नजारा चौंकाने वाला था, कमरों को होटल की तरह सजाया गया था और हाईटेक कैमरों की निगरानी में पूरा रैकेट संचालित हो रहा था। पुलिस को मौके से दो बड़े बोरे बरामद हुए, जिनमें आपत्तिजनक वस्तुओं के पैकेट भरे हुए थे। इससे स्पष्ट होता है कि रैकेट बड़े स्तर पर चल रहा था। फिलहाल पुलिस ने मकान को सील कर दिया है और सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे पहले भी यहां छापा पड़ा था, लेकिन उस समय मुख्य संचालक फरार हो गया था और कई दिनों तक मकान पर ताला लटका रहा।

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया, "मुखबिर से सूचना मिलने के बाद तत्काल छापेमारी की गई। सर्च अभियान जारी है और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। सभी आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।"

गैंगस्टर अजय ठाकुर का दरोगा पर बड़ा आरोप
बोला- जिले में रहने की एवज में मांगे 50 हजार

कानपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर कमिश्नरेट की पुलिस रोज नए गुल खिला रही है। अब जिला बदर गैंगस्टर द्वारा एक चौकी इंचार्ज और सिपाही पर वसूली का आरोप लगाया गया है। गैंगस्टर अजय ठाकुर ने बताया कि जिला बदर होने के बावजूद जिले में रहने के एवज में 50 हजार प्रति माह मांगे गए हैं। गैंगस्टर का आरोप लगाते वीडियो वायरल हो रहा है।

हालांकि, अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो बर्रा चौकी में मौजूदगी का है। वीडियो में गैंगस्टर बर्रा चौकी प्रभारी दीपक गिरी पर प्रतिमाह 50 हजार वसूली का आरोप लगा रहा है। साथ ही, चौकी बुलाकर धमकाने का आरोप भी लगाया है। गैंगस्टर ने कहा है कि अवैध वसूली न देने पर जेल भेजने की धमकी दी है। अजय ठाकुर ने पुलिस अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस वीडियो का संज्ञान लेकर जांच में जुट गई है।

पटाखे दागने वाले साइलेंसर को लेकर एसपी सिटी ने लिया बड़ा एक्शन
ढाई लाख के 123 मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त,ऑटोमोबाइल दुकानों पर छापेमारी

बरेली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मॉडिफाई साइलेंसर के जरिए शहर में पटाखा दागकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ एसपी सिटी मानुष पारीक ने कड़ा एक्शन लिया है। शहर की ऑटोमोबाइल दुकानों से पटाखे छोड़ने वाले 123 मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त किए हैं। इन साइलेंसरों की कुल कीमत लगभग 2.50 लाख रुपये है। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित इस्लामिया मार्केट, जीआईसी कॉलेज रोड स्थित ऑटोमोबाइल दुकानों पर पुलिस ने छापेमारी करते हुए यह कार्रवाई की। चेकिंग अभियान के दौरान आर।बी। बुलट एसेसरीज के स्वामी नईम कुरैशी, एम।एस। एसेसरीज के स्वामी जीशान, एम।एम। मोटर्स के संचालक शाहिल खान, एम-3 मोटर्स और मद्रास मोटर्स के मालिक राहिल खान की दुकानों से ये साइलेंसर बरामद किए गए। एसपी सिटी ने बताया कि दुकानदार कंपनी द्वारा लगाए गए सामान्य साइलेंसरों को हटाकर पटाखे छोड़ने वाले व अन्य मॉडिफाइड साइलेंसर मोटरसाइकिलों में फिट कर रहे थे, जिससे ध्वनि प्रदूषण के साथ-साथ पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया जा रहा था। सभी साइलेंसर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 182ए(3) के अंतर्गत अवैध माने गए हैं।

बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ हुई कार्रवाई

थाना कोतवाली पुलिस टीम ने सभी 123 साइलेंसरों को जब्त करते हुए संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध एमवी। एक्ट की धारा 182ए(3) के तहत वैधानिक कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। पुलिस का कहना है कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर एसपी सिटी मानुष पारीक और सीओ प्रथम पंकज श्रीवास्तव, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अमित पांडेय की अगुवाई में थाना कोतवाली की पुलिस टीम द्वारा किया गया।

ग्रेटर नोएडा में स्कूली बस पेड़ से टकराई पांच बच्चे घायल

नोएडा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र में आज एक बड़ा हादसा टल गया। एक स्कूल बस अचानक से अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जाकर टकरा गई और फिर उसके बाद वह पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में 4 से 5 बच्चों को मामूली चोट आई है। एतिहात के तौर पर घायलों बच्चों को नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया। दरसअल यह हादसा ग्रेटर नोएडा वेस्ट में डी मार्ट से चार मूर्ति की तरफ जाने वाले मार्ग पर हुआ।जहां पर ब्लूम पब्लिक स्कूल की गाजियाबाद की बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई।जिस समय यह घटना हुई उस समय बस में करीब 15 से 18 बच्चे बस में सवार थे। हादसा होते ही बच्चों ने चिल्लाना शुरू कर दिया ,हालांकि मौके पर मौजूद लोगों ने सभी बच्चों को बस से बाहर निकाल दिया और इसके बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

अखिलेश और मायावती की लड़ाई में कूदे केशव
कहा- सपा- सांपनाथ, बसपा- नागनाथ, कांग्रेस- कालियानाग

लखनऊ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता, केशव प्रसाद मौर्य, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की लड़ाई में कूद गए हैं। इसमें उन्होंने कांग्रेस को भी घेर लिया है। दरअसल, गुरुवार, 17 अप्रैल को बसपा चीफ मायावती ने सपा को लेकर सोशल मीडिया साइट एक्स पर बयान दिया। इसके बाद सपा की ओर से पार्टी नेता आईपी सिंह ने प्रतिक्रिया दी। उधर, डिप्टी सीएम ने बसपा, सपा और कांग्रेस ,तीनों को घेरते हुए सियासी प्रतिक्रिया दी। केशव ने लिखा कि- सपा, बसपा और कांग्रेस की तिकड़ी एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं। पहला सांपनाथ, दूसरा नागनाथ और तीसरा कालियानाग है। तीनों का काला अतीत दंगा, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और जातिवाद,परिवारवाद से अटा पड़ा है। इन्होंने दलितों, पिछड़ों और ग़रीबों का शोषण करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी और इस हरकत में तीनों ने एक दूसरे को मात दी। उन्होंने लिखा कि यह कहने में रत्तीभर भी संकोच नहीं है कि ग़रीबों, पिछड़ों, दलितों और महिलाओं को यथोचित सम्मान यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन में मिला है। उनके नेतृत्व में भाजपा सरकार की नीतियों और डबल इंजन की सरकार के तहत हरेक तबके का समुचित विकास किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सबको यह पक्का भरोसा है कि जनता अब नकली मसीहाओं के झांसे में नहीं आने वाली। विकास, सुशासन और सम्मान का रास्ता भाजपा से होकर गुज़रता है।

मायावती ने क्या लिखा था?

यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने लिखा था - विदित है कि अन्य पार्टियों की तरह आएदिन सपा द्वारा भी पार्टी के ख़ासकर दलित लोगों को आगे करके तनाव व हिंसा का माहौल पैदा करने वाले आ रहे इनके अति विवादित बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप व कार्यक्रम आदि का जो दौर चल रहा है यह इनकी घोर संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति ही प्रतीत होती है। क्योंकि सपा भी दलितों के वोटों के स्वार्थ की खातिर यहाँ किसी भी हद तक जा सकती है। अतः दलितों के साथ-साथ अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि को भी इनके किसी भी उग्र बहकावे में नहीं आकर इन्हें इस पार्टी के भी राजनीतिक हथकण्डों का शिकार होने से ज़रूर बचना चाहिए। बसपा चीफ ने लिखा था- साथ ही, ऐसी पार्टियों से जुड़े अवसरवादी दलितों को दूसरों के इतिहास पर टीका-टिप्पणी करने की बजाय यदि वे अपने समाज के सन्तों, गुरुओं व महापुरुषों की अच्छाईयों एवं उनके संघर्ष के बारे में बताएं तो यह उचित होगा, जिनके कारण ये लोग किसी लायक़ बने हैं।

तथ्यों को छुपाने पर हाईकोर्ट का सख्त रवैया

न्याय के शुद्ध स्रोत को कलंकित हाथों से छूने वाला रहम का हकदार नही

चंडीगढ़, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने चेक बाउंस मामले में शिकायत को खारिज करने की मांग वाली याचिका में तथ्यों को छिपाने पर कड़ा रुख अपनाते हुए याची पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। याचिका में यह तथ्य छिपाया गया समन आदेश को पुनरीक्षण में चुनौती दी गई थी और जिसे खारिज कर दिया गया था। याची कंपनी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए करीब 4 करोड़ की कीमत के चेक बाउंस मामले में फरीदाबाद की अदालत द्वारा जारी समन आदेश को चुनौती दी थी। याची ने याचिका दाखिल करते हुए पुनरीक्षण याचिका खारिज होने की जानकारी छिपाई थी। जस्टिस महाबीर सिंह सिंधु ने कहा कि अब यह स्थापित कानून है कि जो न्याय की धारा को प्रदूषित करने का प्रयास करता है या जो न्याय के शुद्ध न्यायालय से महत्वपूर्ण तथ्यों को दबाना वास्तव में न्यायालय के साथ धोखाधड़ी करना है। लैटिन कहावत है सुप्रेसियो वेरी, एक्सप्रेसियो फाल्सी यानी सत्य को दबाना झूठ की अभिव्यक्ति के बराबर है। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक कार्यवाही की शुद्धता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। जो कोई भी इसे प्रदूषित करने का प्रयास करेगा, उसे परिणाम भुगतने होंगे। एनआई एक्ट की धारा 138 के तहत दायर शिकायत को रद्द करने और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के समक्ष लंबित उसकी पूरी कार्यवाही को रद्द करने के लिए सीआरपीसी की धारा 482 के तहत याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया तथा पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट कर्मचारी कल्याण संघ के पास एक लाख रुपये का जुर्माना जमा करने का आदेश दिया।

संघ प्रमुख मोहन भागवत 'द हिन्दू मैनीफेस्टो' पुस्तक का करेंगे विमोचन, 26 अप्रैल को दिल्ली में होगा कार्यक्रम

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत 26 अप्रैल को नई दिल्ली के प्रधानमंत्री संग्रहालय में आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक 'द हिन्दू मैनीफेस्टो' का विमोचन करेंगे। इस पुस्तक के लेखक विश्व हिंदू कांग्रेस के संस्थापक स्वामी विज्ञानानंद हैं। यह पुस्तक आधुनिक समय में समृद्धि, सुशासन और न्याय की दिशा में एक बदलावकारी दृष्टिकोण को सामने रखती है, जो धर्म के सिद्धांतों, वेदों, रामायण, महाभारत, अर्थशास्त्र व शुक्रनीतिसार जैसे प्राचीन हिन्दू ग्रंथों के शाश्वत ज्ञान पर आधारित है।

दो मूल स्तंभों पर आधारित है राष्ट्र की शक्ति

पुस्तक के मुताबिक किसी भी राष्ट्र की शक्ति और इसकी दीर्घकालिक स्थिरता दो मूल स्तंभों पर आधारित होती है। एक स्तंभ सशक्त बुनियादी ढांचा जो स्थिरता और विकास को सुनिश्चित करता है, और दूसरा सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत आधार जो राष्ट्र की आत्मा को दिशा देता है। यही दोनों पक्ष मिलकर इस पुस्तक के मूल दर्शन का निर्माण करते हैं।

आठ सूत्रों पर आधारित एक वैचारिक ढांचा

इस पुस्तक में कुल आठ सूत्रों पर आधारित एक वैचारिक ढांचा प्रस्तुत किया गया है। यह ढांचा समावेशी समृद्धि, राष्ट्रीय सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उत्तरदायी लोकतंत्र, नारी सम्मान, सामाजिक समरसता, प्रकृति की पवित्रता और सांस्कृतिक विरासत के सम्मान जैसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है। यह पुस्तक रामराज्य की प्रेरणा से न्याय और जनकल्याण के आदर्शों पर आधारित लोकतंत्र का समर्थन करती है। यह पुस्तक प्राचीन ज्ञान को आधुनिक सोच के साथ समन्वित कर, समाज को फिर से उन पुराने सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप ढालने की दिशा दिखाती है, जो बढ़ती वैश्विक व्यवस्था में भारत के पुनरुत्थान की आधारशिला बन सकते हैं। बता दें कि स्वामी विज्ञानानंद हिंदू धर्म के प्रतिष्ठित विद्वान हैं, जो संस्कृत और हिंदू दर्शन में गहरी पारंगतता रखते हैं।

देवगिरि किले में आग लगने की घटना के बाद बवाल

ज्वलनशील सामान अंदर लाने पर रोक लगाने की मांग

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित प्रसिद्ध देवगिरि किला में हाल ही में आग लगने की घटना के बाद भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत न्यास (इनटैक) ने सुरक्षा के लिए कई अहम मांग किए है। साथ ही इस प्रकार की घटनाओं से बचने के लिए कुछ मुख्य सुझाव भी दिए हैं। बता दें कि बीते 8 अप्रैल को किले के ऊपरी हिस्से बारादरी की छत पर उगी सूखी घास में आग लग गई थी। यह आग बाद में वहां बने लकड़ी के ढांचों तक फैल गई, जिससे नुकसान हुआ। इस आग से वन्यजीव खासकर बंदर प्रभावित हुए। इसी सिलसिले में इनटैक की एक टीम ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा। इसमें उन्होंने मांग की कि किले में आने वाले पर्यटकों को कोई भी ज्वलनशील सामान (जैसे माचिस, लाइटर, सिगरेट, बीड़ी आदि) लाने से रोका जाए। साथ ही प्लास्टिक की बोतलों पर भी प्रतिबंध लगाने की बात कही गई। एएसआई के अधिकारियों से मुलाकात के दौरान इनटैक की टीम ने कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसमें उन्होंने कहा कि किले के अंदर घास, सूखी लकड़ियां और प्लास्टिक कचरे को समय-समय पर हटाया जाए, खासकर गर्मियों से पहले। परिसर में आने वाले हर व्यक्ति की सख्त जांच की जाए, ताकि कोई ज्वलनशील चीज न ला सके। इसके साथ ही इनटैक ने सुझाव दिए कि किले में प्लास्टिक की बोतलों पर प्रतिबंध लगे।

अलायंस की बैठक पर अल्का लांबा का बड़ा बयान

तेजस्वी का नाम लेते हुए कह दी 'मिशन बिहार' की बात

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना में गुरुवार (17 अप्रैल) को होने वाली इंडिया अलायंस की बैठक को लेकर जहां एनडीए नेता निशाना साध रहे हैं वहीं महागठबंधन के नेता कई मायनों में इसे खास बता रहे हैं। इसी कड़ी में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अल्का लांबा की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि मैंने और पूरी कांग्रेस ने राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में तय कर दिया है हम मिशन बिहार में निकल चुके हैं। दिल्ली में तेजस्वी यादव की अच्छी और सुखद बैठक हुई। उसी को लेकर आज फिर इंडिया गठबंधन की बैठक यहां होने वाली है। अल्का लांबा ने बताया कि 20 अप्रैल को मल्लिकार्जुन खरगे बिहार में 2 बड़ी रैलियां करने वाले हैं। 18 और 19 अप्रैल को पटना के सदाकात आश्रम में महिला कांग्रेस का 2 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर होने जा रहा है। हम अपने घोषणा पत्र की ओर बढ़ रहे हैं कि नारी न्याय पत्र वो क्या होना चाहिए उसको लेकर हम कल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार के साथ प्रेस वार्ता भी करेंगे। जिसमें महिला कांग्रेस अपना अभियान लॉन्च करने वाली है। वहीं कांग्रेस के प्रदर्शन पर जब अल्का लांबा से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि बीजेपी बौखला गई है बिहार की जनता को बताइए, जो नहीं जानते उनको भी हम बता रहे हैं कि नेशनल हेराल्ड 1937 का अखबार है जो देश की आजादी से 10 साल पहले बना। पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा बनाया गया अखबार है। अंग्रेजों से लड़ने के लिए ये अखबार बनाया गया। ये अखबार तब बनाया गया जब संघी आरएसएस वाले अंग्रेजों की मुखबिरी करके देश के लोगों के साथ गद्दारी कर रहे थे। तब पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 1937 में अंग्रेजों से लड़ने के लिए अखबार बनाया। उन्होंने कहा कि आज उस अखबार को बने 85 साल हो गए। देश को आजाद हुए 75 साल से ऊपर हो गए हैं केंद्र में बीजेपी की डबल इंजन की सरकार बने 10 साल से ज्यादा हो गए हैं। मामला 13 सालों से चल रहा है। सबूत आपके, ईडी आपकी, सत्ता आपकी साबित क्यों कुछ नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि आपके सारे आरोप झूठे हैं।

यू-ट्यूबर के घर ग्रेनेड अटैक

सिख रेजिमेंट में तैनात सैनिक ने दी थी हार्दिक को ग्रेनेड फेंकने की ट्रेनिंग

जालंधर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जालंधर में यू-ट्यूबर रोजर संधू के घर पर ग्रेनेड फेंकने वाले हरियाणा के यमुनानगर के गांव शादीपुर निवासी हार्दिक (21) को ग्रेनेड फेंकने की ट्रेनिंग एक सैनिक ने दी थी। जालंधर देहात पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। सिख रेजिमेंट के सैनिक सुखचरण सिंह ने हार्दिक को सोशल मीडिया पर ट्रेनिंग दी थी। सुखचरण सिंह मुक्तसर का रहने वाला है और जम्मू में सिख रेजिमेंट में तैनात था। सुखचरण को यह नहीं पता था कि जिसे वह ग्रेनेड फेंकने की ट्रेनिंग दे रहा है, वह जालंधर के रसूलपुर में यू-ट्यूबर की कोठी पर हमला करने जा रहा है। लिहाजा पुलिस ने उस पर द्रेशद्रोह व अन्य धाराएं नहीं लगाई हैं। आरोपी पर सोशल मीडिया पर देशद्रोही तत्वों को ट्रेनिंग देने का केस दर्ज हुआ है। उक्त ग्रेनेड हार्दिक ने पाकिस्तान में बैठे शहजाद भट्टी के कहने पर फेंका था। इस वारदात में दो लोग शामिल थे। मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या करने वाले जीशान अख्तर के साथ भी हार्दिक के संबंध हैं। उसे 25 हजार रुपये में यह काम दिया गया था। यू-ट्यूबर रोजर संधू के घर 16 मार्च सुबह करीब 4 बजे ग्रेनेड फेंका गया था, जो फटा नहीं था। पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी गैंग ने वीडियो जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली थी। उनका कहना था कि यू-ट्यूबर ने इस्लाम और मुस्लमानों के खिलाफ टिप्पणी की थी। उसने दोबारा हमला करने की चेतावनी दी थी। बाद में पुलिस ने हार्दिक को हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया था।

गद्दार कौन? बाला साहेब के वायरल वीडियो के बाद बवाल, संजय राउत बोले- 'मिस्टर ग्रोक से पूछिए'

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर 'गद्दार' शब्द की गूंज सुनाई दे रही है। ये कोई नया विवाद नहीं, पर इस बार चर्चा में आया है एक पुराना वीडियो, जिसमें शिवसेना संस्थापक बाला साहेब ठाकरे इस शब्द का इस्तेमाल करते दिखते हैं। अब यही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, और विपक्ष इस बहाने एकनाथ शिंदे गुट पर तीखे वार कर रहा है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने इस वीडियो की का जिक्र करते हुए एक मीडिया से बात करते हुए कहा कि ये वीडियो बिलकुल असली है। उन्होंने कहा, आज पूरे देश में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का इस्तेमाल हो रहा है। अमेरिका और चीन हमसे आगे निकल चुके हैं। हमारे पीएम भी एआई की बात करते हैं, तो अगर कोई एआई से वीडियो बना भी दे, तो कौन सा पहाड़ टूट गया? राउत ने तंज कसते हुए कहा, अगर शक है तो मिस्टर ग्रोक से पूछ लो कि कौन सा वीडियो असली है और कौन सा नकली। संजय राउत ने साफ कहा कि गद्दार को गद्दार न कहें तो और क्या कहें? यही शब्द तो बाला साहेब ठाकरे ने महाराष्ट्र की राजनीति को समझाने के लिए दिया था। उन्होंने शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए कहा, क्या ये लोग दूध से धुले हुए हैं? इन पर ये शब्द लागू नहीं होगा तो फिर किस पर होगा? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एकनाथ शिंदे की पार्टी का गठन खुद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया और वही इसके असली 'प्रमुख' हैं। इस सियासी विवाद को और हवा तब मिली जब हाल ही में मशहूर कॉमेडियन कुणाल कामरा ने अपने शो में एकनाथ शिंदे को लेकर गाना गाते हुए 'गद्दार' शब्द का इस्तेमाल किया। इसके बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं ने शूटिंग लोकेशन पर जमकर तोड़फोड़ कर दी। लेकिन इसके बाद शिवसेना (यूबीटी) कामरा के समर्थन में आ खड़ी हुई। राउत ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हवाला देते हुए बीजेपी पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, मैं ममता दीदी की बात से सहमत हूं। जहां बीजेपी की सरकार नहीं बन पाती, वहां दंगे कराए जाते हैं। ये इनकी हॉबी है।

विवादों में घिरे मिशन अस्पताल का लाइसेंस सस्पेंड

दमोह, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां लंबे समय से विवादों में घिरे मिशन अस्पताल का लाइसेंस स्वास्थ्य विभाग द्वारा निलंबित कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के आदेश के अनुसार, अस्पताल को तीन दिनों के भीतर बंद कर दिया जाएगा और इसके बाद अस्पताल पर ताले लटकते नजर आएंगे। यह अस्पताल एक ईसाई मिशनरी संगठन द्वारा संचालित किया जाता है और हाल ही में फर्जी डॉक्टर के रूप में सामने आए डॉ। एन जान केम उर्फ नरेंद्र विक्रमादित्य यादव द्वारा की गई कथित हार्ट सर्जरी के बाद विवादों में आ गया था। आरोप है कि इन सर्जरियों के चलते सात मरीजों की मौत हुई, जिसके बाद प्रशासन ने सख्ती से कार्रवाई शुरू की। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ। मुकेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि अस्पताल का लाइसेंस 31 मार्च 2025 तक ही वैध था। नियमानुसार, अस्पताल को लाइसेंस रिन्यूअल के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना था। मिशन अस्पताल ने आवेदन तो किया, लेकिन उसमें कई गंभीर कमियां पाई गईं, जिसके चलते उसका लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। डॉ। जैन ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए गए हैं कि वे तीन दिन के भीतर सभी मरीजों को डिस्चार्ज करें। यदि कोई मरीज गंभीर हालत में है, तो उन्हें तुरंत जिला अस्पताल में स्थानांतरित किया जाए। मिशन अस्पताल बीते कई दिनों से राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में बना हुआ था। कथित फर्जी डॉक्टर की पहचान और उसके द्वारा बिना वैध डिग्री के किए गए ऑपरेशनों ने न सिर्फ जिले, बल्कि पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

20 राज्यों में मानूसन को लेकर भविष्यवाणी! जून से सितंबर तक कहां-कहां बरसेंगे बादल?

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मानसून 2025 के आगमन को लेकर चर्चा छिड़ गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भी मानसून को लेकर अपडेट जारी कर दिया है। आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि मानसून को लेकर खुशखबरी है। इस बार मानसून खूब बरसेगा। जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। मानसून सीजन में 103 से 105 प्रतिशत बारिश होने का अनुमान है। अगर भविष्यवाणी सही साबित हुई तो लगातार 10वें साल मानसून सीजन में सामान्य से ज्यादा बारिश होगी। दक्षिण-पश्चिम मानसून एक जून से

पहले भारत में एंट्री कर सकता है और 30 सितंबर तक बरसेगा। इस बार सामान्य बारिश होने की संभावना 40 प्रतिशत है। सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना 30 प्रतिशत है और भारी बारिश होने की संभावना 10 प्रतिशत है।

इन राज्यों में बरसेंगे बादल

आईएमडी के अनुसार, जून महीने में 165.3 मिमी 96% बारिश हो सकती है। केरल, कर्नाटक, कोंकण, गोवा में जून महीने में सामान्य से ज्यादा बादल बरस सकते हैं। मध्य भारत में सामान्य बारिश होने के आसार हैं। उत्तर भारत में मानसून इस बार देरी से दस्तक देगा। जुलाई में 280.5 मिमी 102% बारिश होने का अनुमान है। इस महीने में पश्चिमी भारत सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। अगस्त में 254.9 मिमी 108% बारिश हो सकती है। मध्य भारत और पूर्वोत्तर के सभी 8 राज्यों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। अगस्त महीने में उत्तर भारत और दक्षिण भारत में सामान्य बारिश हो सकती है। सितंबर में 167.9 मिमी 104% बारिश होने का अनुमान है। सितंबर महीने में पश्चिमी भारत और मध्य भारत में भारी बारिश हो सकती है।

4 महीनों में इन राज्यों में बरसेंगे बादल

आईएमडी के अनुसार, दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में सामान्य से लेकर सामान्य से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, तमिलनाडु, बिहार और पूर्वोत्तर के सभी 8 राज्यों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है।

क्यों होगी सामान्य से ज्यादा बारिश?

आईएमडी के अनुसार, इस बार मानसून सीजन में अल नीनो की स्थिति नहीं बनेगी। उत्तरी गोलार्ध और यूरेशिया में जनवरी से मार्च महीने के बीच कम बर्फबारी हुई। इसलिए मानसून में सामान्य से ज्यादा बारिश होने के आसार हैं। अल नीनो और हिंद महासागर डायपोल (आईओडी) का असर भी मानसून पर पड़ता है। इस बार यह दोनों स्थितियां न्यूट्रल हैं। इसलिए इस बार मानसून सीजन काफी अच्छा रहेगा।

पटरी में फंसी बोलेरो को ट्रेन ने मारी जोरदार टक्कर गाड़ी के उड़ गए परखच्चे

निवाड़ी, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के निवाड़ी से डरावना वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक तेज रफ्तार ट्रेन पटरी में फंसी बोलेरो गाड़ी को जोरदार टक्कर मार देती है। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ जाते हैं। हालांकि, हादसे के वक्त कोई भी बोलेरो के अंदर या आसपास नहीं था। इस वजह से किसी को चोट नहीं आई, लेकिन लापरवाही के कारण कार चालक को गाड़ी से हाथ धोना पड़ा। बताया जा रहा है कि घटना रात 12 बजे की है। ऐसे में कार में सवार होकर सफर करने वाले लोगों को भी खासी परेशानी हुई। हादसा निवाड़ी जिला मुख्यालय रेलवे स्टेशन से महज 5 किलोमीटर की दूर हुआ। यहां मगरपुर स्टेशन के पास अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है।

मुंबई-पुणे के युवाओं पर है लॉरेंस बिश्नोई की नजर! सुरक्षा एजेंसी ने किया चौंकाने वाला दावा

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग पिछले कुछ सालों से देश के अलग-अलग राज्यों में काफी एक्टिव है। इस गैंग ने देश के कई शहरों में वारदातों को अंजाम दिया है। एजेंसी के सूत्रों ने बताया है कि लॉरेंस बिश्नोई अब अपनी गैंग को और बढ़ाने की तैयारी में है। जांच एजेंसी का दावा है कि लॉरेंस बिश्नोई के निशाने पर महाराष्ट्र के दो बड़े शहरों के मजबूर और भटके हुए युवा हैं। एजेंसी का दावा है कि लॉरेंस के निशाने पर मुंबई और पुणे शहर के युवा हैं। एजेंसी के सूत्रों ने यह भी दावा किया है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग युवाओं को बरगलाकर उन्हें यह बताती है कि इस गैंग में आने से उनका नाम होगा और प्रसिद्धि मिलेगी। साथ ही साथ, उनके इलाके में उनका रुतबा भी होगा। देश में ऐसे कई शहर हैं, जहां लॉरेंस बिश्नोई गैंग के कई गुर्गे उसके एक इशारे पर काम करने को तैयार बैठे हैं और काम कर भी रहे हैं। एजेंसी का यह भी दावा है कि यह गैंग लोगों को ऑनलाइन यानी कि सोशल मीडिया के माध्यम से रिक्रूट कर रही है। सोशल मीडिया पर ऐसे युवाओं को निशाना बनाया जा रहा है जो बेरोजगार होते हैं और सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव रहते हैं। अब तक इस गैंग में ज्यादातर उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और हरियाणा से लोगों को रिक्रूट करने की जानकारी एजेंसी के पास है। अब लॉरेंस बिस्नोई गैंग की नज़र महाराष्ट्र पर भी है। महाराष्ट्र में भी यह गैंग के गुर्गे लोगों का रिक्रूटमेंट कर रहे हैं। जांच एजेंसियों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सोशल मीडिया पर नजर बनाए रखी है। इसी दौरान बहुत सी महत्वपूर्ण लीड्स मिली हैं और रिक्रूटमेंट्स को रोकने के लिए कार्रवाई चल रही है। इस प्रक्रिया में शामिल लोगों पर भी एक्शन लिया जा रहा है। एक अधिकारी ने जानकारी दी कि जब भी कोई युवा सोशल मीडिया के माध्यम से लॉरेंस बिश्नोई की गैंग के संपर्क में आता है, तो उससे दूसरे गैंग मेंबर स्नैपचैट और सिग्नल जैसे मोबाइल एप से जुड़ जाते हैं। फिर उन्हें बड़े-बड़े वादे करके अपनी गैंग में शामिल कर लेते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि पुणे में बहुत से विकास के काम हो रहे हैं और जहां लैंड डीलिंग या कंपनियां खुलनी शुरू होती हैं वहां एंटी सोशल एलिमेंट अपनी ताकत का इस्तेमाल कर जमीन कब्जा करना, पैसे वसलू करने जैसे काम करने लगते हैं। इसी वजह से पुणे में कई छोटी-छोटी गैंग ने जन्म ले लिया है।

दूसरों की शादी में महंगी चीजें करते थे चोरी अपने ही शादी समारोह में दबोचे गए

राजगढ़, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में कड़िया गिरोह के चार कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, जो शादियों में बेशकीमती सामानों की चोरी करने और हिंसा के बूते अपनी गिरफ्तारी से बचते रहे थे। कुख्यात कड़िया गिरोह के चार सदस्यों को उनके ही शादी समारोह में मध्य प्रदेश पुलिस ने पकड़ लिया। यह गिरोह कई राज्यों में चोरी, डकैती और अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्त है। पुलिस ने बताया कि कड़िया गांव में शादी समारोह के दौरान कड़ी सुरक्षा के बीच चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह गांव अपराधियों का गढ़ माना जाता है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कहा कि शादी के सीजन में अपने पैतृक गांव लौटे वांछित अपराधियों को पकड़ने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के अनुसार, यह गिरोह लंबे वक्त से फरार था और उनकी गिरफ्तारी के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। शादी के सीजन में इन अपराधियों के गांव लौटने की संभावना को देखते हुए, पुलिस ने कड़िया गांव और आस-पास के क्षेत्रों में सुरक्षा बल तैनात किए। 153 पुलिस जवानों की एक टीम ने पूरे इलाके की निगरानी की, जिसमें 17 विभिन्न पुलिस थानों के कर्मी शामिल थे। इसके अलावा, पुलिस ने एक सुसज्जित पुलिस शिविर भी स्थापित किया, जिसमें टेंट, मोबाइल शौचालय, पानी के टैंकर और सशस्त्र बल तैनात थे। यहां तक कि कुछ पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में भीड़ में घुलने-मिलने के लिए तैनात किए गए थे, ताकि अपराधियों की गिरफ्तारी हो सके। पुलिस ने इसके साथ ही गांव में बैनर लगाए, जिनमें वांछित अपराधियों की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं, ताकि स्थानीय लोग इनकी पहचान कर सकें। गिरफ्तार किए गए अपराधियों में काबीर सांसी (24), ऋषि सांसी (19), मोहनीश सांसी और रोहन सांसी शामिल हैं।

सहारनपुर के जिया को लड़की के घरवालों ने मारा! सुप्रीम कोर्ट का आदेश-302 का मुकदमा चले

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सहारनपुर यूपी के सहारनपुर के ऑनर किलिंग के मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज अहम सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान देश के मुख्य न्यायधीश संजीव खन्ना ने कहा कि ये साफ तौर पर ऑनर किलिंग मामला है। अदालत ने सवाल किया कि जिनसे संबंधित ये मामला है, उन्हें क्यों छिपना चाहिए, क्या सिर्फ इसलिए कि वे अलग-अलग धर्म के हैं। इस मामले में याचिकाकर्ता अय्यूबी अली का कहना था कि उनके बेटे जिया उर रहमान की हत्या की गई है। जिया की मृत्यु से पहले 14 चोटें आईं और सदमे और खून बहने से उसकी मृत्यु हुई। अय्यूब अली का आरोप है कि लड़की के परिवार वालों ने उनके बेटे की हत्या पीट-पीटकर की। इसके बाद अदालत ने हैरानी जताई कि सीआरपीसी की धारा 304 के तहत आरोप कैसे तय किए गए। जबकि वो तो बस रिकॉर्ड किया जाना था। सीजेआई ने अपने आदेश में दर्ज किया कि ट्रायल कोर्ट ने दर्ज किया कि चोटें तो थीं, लेकिन किसी धारदार हथियार से नहीं थीं। इसके बाद याचिका दायर करने वालों ने कहा कि धारा 302 के तहत आरोप तय किए जाने चाहिए, क्योंकि पोस्टमार्टम में यह भी पाया गया कि मृतक को अन्य चोटों के अलावा बाईं ओर न्यूरल हेमेटोमा भी हुआ है।

302 के तहत मुकदमा चलाने का आदेश

अदालत ने 2022 के गुलाम हसन बेग मामले में कहा है कि आरोप तय करते समय अदालत के पास सबूतों को छानने और जांचने का अधिकार है, लेकिन यह भी जांचना उसका कर्तव्य है कि प्रथम दृष्टया मामला बनता है या नहीं। जब जांच में गंभीर संदेह का पता चलता है, तो अदालत को मुकदमा चलाने का अधिकार है। कोर्ट ने आदेश दिया कि इस मामले में आरोप आईपीसी की धारा 304 के तहत नहीं, बल्कि आईपीसी 302 के तहत दर्ज होना चाहिए। अदालत ने पाया कि हाईकोर्ट, ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में गलती की। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि आईपीसी 302 के तहत नए सिरे से आरोप तय किए जाने चाहिए और उसी के अनुसार मुकदमा आगे बढ़ना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 18 अप्रैल - 2025

बाल तस्करी रोकना होगा , सुप्रीम कोर्ट भी हरकत में

अशोक भाटिया

भारत में बाल तस्करी के खिलाफ कार्रवाई कई स्तरों पर की जा रही है। केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया नीतिगत स्तर पर उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली योजनाओं और कानूनी स्तर पर पारित अधिनियमों और संशोधनों के रूप में देखी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (15 अप्रैल, 2025) को एक फैसले में माता-पिता को अपने बच्चों के प्रति ₹बेहद सतर्क₹ रहने की चेतावनी दी, क्योंकि वे यौन शोषण, जबरन श्रम, भीख मांगने और छोटे-मोटे अपराधों, सशस्त्र संघर्ष, बाल विवाह और यहां तक कि शिशुओं को अंतर-देशीय गोद लेने के नाम पर बेचने के लिए बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोहों से सावधान रहते हैं।न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की खंडपीठ ने बाल पीड़ितों और उनके प्रियजनों की असहायता का हृदय विदारक चित्रण किया, जिनमें से अधिकांश समाज के गरीब तबके से हैं और जो अच्छी तरह से नेटवर्क वाले बाल अपहरण रैकेट से निपटने के लिए सुसज्जित नहीं हैं, जो सूचना, फोटोग्राफ, पीड़ितों के स्थान को साझा करने और धन हस्तांतरित करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं।न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कहा, ₹हम सभी को, खास तौर पर देश भर के अभिभावकों को यह संदेश देना चाहते हैं कि उन्हें अपने बच्चों के प्रति बेहद सतर्क और सावधान रहना चाहिए। उनकी ओर से थोड़ी सी लापरवाही या लापरवाही बहुत महंगी पड़ सकती है। जब कोई बच्चा मर जाता है तो माता-पिता को जो दर्द और पीड़ा होती है, वह उस दर्द और पीड़ा से अलग होती है, जो माता-पिता को तब होती है, जब वे अपने बच्चों को तस्करी में लगे ऐसे गिरोहों के हाथों खो देते हैं। गौरतलब है कि भारत में बाल तस्करी बढ़ने का एक कारण गरीबी है। भुखमरी, अशिक्षा और बेरोजगारी की वजह से गरीब परिवारों के बच्चे सर्वाधिक असुरक्षित हैं। आजीविका का साधन न होने के कारण लोग अपने बच्चों को किसी न किसी काम में लगा देते हैं। बाल तस्करों की नजर अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं पर ही नहीं, ऐसे बच्चों पर भी होती है जो ढाबों-होटलों और ईंट-भट्ठों पर काम कर रहे होते हैं। इन्हें अगवा कर बेच दिया जाता है।कई बच्चे भीख मंगवाने वाले गिरोह के चंगुल में फंस जाते हैं। बच्चियां यौन शोषण का शिकार होती हैं। आदिवासी इलाकों से बच्चे रहस्यमय ढंग से लापता हो जाते हैं। थानों में उनकी सुनवाई नहीं होती। एक अस्पताल से नवजात शिशु के गायब होने और उसे बेचे जाने के मामले में शीर्ष न्यायालय ने उचित ही कड़ा रुख दिखाया है। इसमें दोराय नहीं कि बाल तस्कर समाज के दुश्मन हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट की चिंता वाजिब है। अगर अस्पतालों से शिशु गायब होते हैं, तो उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उनके लाइसेंस रद्द होने चाहिए। यह छिपी बात नहीं कि भारत में बच्चों को किस तरह अगवा कर उनका बचपन छीना जा रहा है। उन्हें बालश्रम और यौन कर्म में तो झोंका ही जाता है, अंग तस्करी का शिकार बना कर उनकी जान को जोखिम में डाल दिया जाता है। यह मानवीय गरिमा के खिलाफ है। ताज्जुब है कि इस तरह की गतिविधियां पुलिस तंत्र की नाक तले वर्षों से चल रही हैं। एक तरफ तो बच्चों के गायब होने की रपट आसानी से लिखी नहीं जाती, दूसरी तरफ बहुत कम बच्चे तस्करों के चंगुल से छूट कर घर लौटते हैं।उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, ओड़ीशा, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में बाल तस्करी के मामले अधिक दर्ज होते हैं। यहां ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। हालांकि अभिभावकों के जागरूक होने से मामले दर्ज होने लगे हैं। वहीं देश भर की अदालतों में बाल तस्करी के कई मामले लंबित हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, हर आठ मिनट में एक बच्चा गायब हो जाता है। कुछ मामलों में, बच्चों को उनके घरों से उठाकर बाजार में खरीदा और बेचा जाता है। अन्य मामलों में, बच्चों को नौकरी का अवसर दिखाकर तस्करों के हाथों में फंसा दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता में, वहां पहुंचने पर वे गुलामी का शिकार हो जाते हैं।

भारत में, बच्चे विभिन्न कारणों से तस्करी का शिकार होते हैं, जैसे श्रम, भीख मांगना, और यौन शोषण। इस अपराध की प्रकृति के कारण इसे ट्रैक करना कठिन है; और कानूनों के कमजोर प्रवर्तन के कारण इसे रोकना भी मुश्किल है। इसी वजह से, इस समस्या से संबंधित आंकड़े केवल अस्पष्ट अनुमान हैं। भारत बाल तस्करी के लिए एक प्रमुख स्थान है, क्योंकि तस्करी के शिकार बच्चे भारत से होते हैं, भारत से होकर गुजरते हैं, या भारत आने के लिए मजबूर होते हैं। हालांकि तस्करी का अधिकांश हिस्सा देश के भीतर ही होता है, लेकिन नेपाल और बांग्लादेश से भी बड़ी संख्या में बच्चों की तस्करी की जाती है। जो तस्कर बच्चों का शोषण करते हैं, वे भारत के किसी अन्य क्षेत्र से हो सकते हैं, या बच्चे को व्यक्तिगत रूप से भी जान सकते हैं। जो बच्चे तस्करी के बाद घर लौटते हैं, उन्हें अक्सर उनके समुदायों में शर्म का सामना करना पड़ता है, बजाय इसके कि उन्हें सहानुभूति या समर्थन मिले। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के अनुसार, भारत में बेरोजगारी दर 3.5% है, जो अपेक्षाकृत कम है। इसके बावजूद, वित्तीय अवसर सीमित होने के कारण, कई बच्चों को काम की पेशकश के बहाने शोषण का सामना करना पड़ता है।गरीबी में जी रहे बच्चों को अक्सर रहने की जगह या भोजन के बदले सेक्स व्यापार में धकेल दिया जाता है। गरीबी से बाहर निकलने या कर्ज चुकाने की मजबूरी में कुछ माता-पिता अपने बच्चों को तस्करों के हाथों बेचने पर मजबूर हो जाते हैं। इसके अलावा, बच्चों को गिरोहों द्वारा तस्करी कर लाया जाता है और सड़कों पर भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है। कानूनी रूप से, भारत में बच्चों को हल्का काम करने की अनुमति है, लेकिन अक्सर उन्हें बंधुआ मजदूरी और घरेलू कामकाज के लिए तस्करी किया जाता है, और उनसे देश में निर्धारित मानकों से कहीं अधिक काम करवाया जाता है। बच्चों को अक्सर परिवार के कर्ज को चुकाने के लिए ईंट और पत्थर की खदानों में बंधुआ मजदूरों के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। उन्हें ऐसे उपकरणों का उपयोग करने के लिए बाध्य किया जाता है जो उन्हें भागने में असमर्थ बनाते हैं, और फिर नियंत्रण के अधीन होने के लिए मजबूर करते हैं। कई बार उन्हें शारीरिक, भावनात्मक या यौन शोषण के माध्यम से भी बंधुआ बना दिया जाता है। यक्ष प्रश्न आज यही खड़ा हुआ है कि इस तरह के कानून बना देने से क्या बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा, स्वतंत्रता जैसी बुनियादी बातों को जमीनी हकीकत में बदल पाए है हुक्मरान! जाहिर है देश की स्थिति देखकर आपका उत्तर नकारात्मक ही होगा। देश में सरकारी शालाओं में नामांकन का प्रतिशत 94 है, जो राहत की बात मानी जा सकती है। क्या कभी किसी मंत्री, विधायक, सांसद ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के ग्रामीण अचंलों की शालाओं में जाकर विद्यार्थियों की वास्तविक स्थिति को जानना चाहा है! सरकार की शिक्षा की पिछले साल की रिपोर्ट में साफ किया गया है कि आठवीं स्तर तक के विद्यार्थियों में महज 73 फीसदी विद्यार्थी ही हिन्दी या अंग्रेजी में उचित उच्चारण कर पाते हैं या शुद्धलेख लिख पाते है।

कागजी आंकड़े चाहे जो भी बयां करें पर जमीनी हकीकत बहुत ही भयावह दिखाई दे रही है। अनेक राज्यों में दस्तक अभियान चल रहा है। इस अभियान में कुपोषित बच्चों की तादाद का प्रतिशत ही अगर देख लिया जाए तो देश के नीति निर्धारिकों के होश उड़ सकते हैं। परिवार कल्याण एवं स्वास्थ्य विभाग के परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण में 21 फीसदी बच्चे कुपोषण के शिकार पाए गए हैं। इसके अलावा 59 प्रतिशत बच्चे एनीमिक (खून की कमी से ग्रस्त) हैं। 18 फीसदी बच्चे कम वजन (अंडर वेट) के पैदा होते हैं। खून की कमी के कारण बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ सकते हैं, इस बारे में चिकित्सक ही बेहतर बता सकते हैं, पर इससे बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता ही होगा। इसके अलावा कम वजन के बच्चों के पैदा होने पर उन्हें शुरूआती दौर में ही अनेक तरह की परेशानियों से भी दो चार होना ही पड़ता होगा।

जनगणना रिपोर्ट पर सवाल

जिस जाति गणना पर कांग्रेस पूरे देश में इतराती फिर रही थी कर्नाटक में उसी जनगणना की लीक हुई रिपोर्ट ने पूरी पोल खोल दी है। लीक रिपोर्ट ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, जिससे कांग्रेस सरकार अब मुंह छिपाती फिर रही है। ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के प्रस्ताव पर लिंगायत-वोक्कालिगा समुदायों ने भांजी मार दी है। इन दोनो समुदायों की जनसंख्या के आंकड़ों पर जिस तरह का विवाद गहराया है उससे सियासी समीकरण बदलने की आशंका बन गई है। कर्नाटक में जाति जनगणना की लीक रिपोर्ट के तथ्यों पर उठाए जा रहे सवालों को छोड़ दें, तो भी राज्य की कांग्रेस सरकार के लिए इसे स्वीकार करना मुश्किल होता जा रहा है। इसका असर देश के बाकी राज्यों पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। ऐसे में सीएम सिद्धारमैया के सामने बहुत सारे सवाल उभरना स्वाभाविक है। रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी अनुमान से ज्यादा है। ओबीसी के लिए आरक्षण को 32% से बढ़ाकर 51% और मुस्लिम समुदाय के लिए 4% से 8% करने की सिफारिश की गई है। इस सिफारिश से लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय भडक उठा है। उसका आरोप है कि उनके समुदाय की जनसंख्या अनुमान से कम बताई जा रही है। कर्नाटक की राजनीति में ये दोनों जातियां बेहद प्रभावशाली हैं। सामाजिक रूप से भी दोनों का खासा प्रभाव है। कांग्रेस के सामने मुश्किल यह है कि वह जाति जनगणना का समर्थन करती रही है। राहुल गांधी कई मौकों पर कह चुके हैं कि जिसकी जितनी आबादी है, उसकी उतनी ही हिस्सेदारी होनी चाहिए। लेकिन, इस पर कांग्रेस के भीतर से ही विरोध के सुर उठने लगे हैं। यह ऐसा ज्वलंत मुद्दा बन गया है, जिसने जातीय आधार पर नेताओं की गोलबंदी कर दी है। वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने अपने धड़े के विधायकों के साथ मुलाकात की है ताकि मौके पर सही ढंग से पक्ष रखा जा सके। ऐसे में सीएम सिद्धारमैया और कांग्रेस के सामने अपनों को मनाने की ही नहीं, रिपोर्ट को विश्वसनीय दिखाने की भी चुनौती खडी हो गई है। कांग्रेस के भीतर से ही आरोप लग रहे हैं कि रिपोर्ट को वैज्ञानिक तरीके से नहीं तैयार किया गया है। कांग्रेस के ही एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सर्वे टीम उनके घर नहीं पहुंची तो फिर रिपोर्ट कैसे तैयार हो गई? यह भी कहा जा रहा है कि कई उपजातियों ने आरक्षण का फायदा लेने के लिए खुद को अलग कैटगरी में दर्ज करा दिया है। यदि ऐसा हुआ है तो ये दोनों ही बिंदु काफी गंभीर हैं और सरकार को इन्हें जरूर संज्ञान में लेना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कर्नाटक में कुल आरक्षण करीब 75% तक हो जाएगा, जबकि सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50% की सीमा तय है। यदि निर्धारित सीमा से ज्यादा आरक्षण दिया जाता है तो देर-सवेर कानूनी अड़चन भी आने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में कांग्रेस सरकार की राह आसान होगी या मुश्किल यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

ईसा मसीह : अहिंसा, करुणा और सत्य के अमर प्रतीक

योगेश कुमार गोयल

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान, उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में 'गुड फ्राइडे' मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 18 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं।

कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है। कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को 'राख का बुधवार' कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे। ईसा मसीह परिवर्तन के पक्षधर थे और उन्होंने मानव प्रेम की सीमा नहीं बांधी बल्कि अपने बलिदान से उसे आत्मकेन्द्रित एवं स्वार्थ से परे बताया।

पृथ्वी पर बढ़ रहे पापों के लिए बलिदान देकर ईसा ने निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। ईसाई धार्मिक मान्यताओं के अनुसार क्रॉस पर लटकाए जाने के करीब तीन दिन बाद रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो गए थे, इसीलिए गुड फ्राइडे के बाद आने वाले रविवार को 'ईस्टर संडे' के नाम से जाना जाता है। पुनः जीवित हो उठने के बाद ईसा ने अपने शिष्यों के साथ 40 दिनों तक रहकर हजारों लोगों को दर्शन दिए। ईसा मसीह के जी उठने की याद में ही दुनियाभर में ईसाई धर्म के अनुयायी 'ईस्टर संडे' मनाते हैं। ईस्टर की आराधना उषाकाल में ईसाई महिलाओं द्वारा की जाती है, क्योंकि माना जाता है कि यीशु का पुनरुत्थान इसी वक्त हुआ था और उन्हें सबसे पहले मरियम मदीलिनी नामक महिला ने देखा था तथा अन्य महिलाओं को इस बारे में बताया था।

ट्रंप का नया नियम और लोकतंत्र का संकट

प्रो. आरके जैन

अमेरिकी लोकतंत्र, जो दशकों से स्वतंत्रता और पारदर्शिता का स्वर्णिम प्रतीक रहा है, आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ उसकी नींव हिलती नजर आ रही है। व्हाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग्स, जो 111 सालों से पत्रकारों को बिना भेदभाव सवाल पूछने का मंच देती रही हैं, अब एक नए और चौंकाने वाले नियम की गिरफ्त में हैं। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में लिया गया यह फैसला कि केवल वही पत्रकार सवाल पूछ सकेंगे जिन्हें वे स्वयं चुनेंगे, न केवल प्रेस की स्वतंत्रता पर करारा प्रहार है, बल्कि लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों को भी तार-तार करता है। यह महज एक प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि सत्ता और प्रेस के बीच शक्ति संतुलन को उलटने की सायास कोशिश है। यह क्षण न केवल अमेरिका, बल्कि विश्व भर के लोकतंत्रों के लिए एक चेतावनी है – जब सवाल दबाए जाएँगे, तो सच भी चुप हो जाएगा। प्रेस की स्वतंत्रता किसी भी लोकतंत्र की प्राणवायु है। इसे चौथा स्तंभ इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यह सत्ता को जवाबदेह रखने का सबसे सशक्त हथियार है। जब पत्रकार बिना किसी डर या दबाव के सवाल उठाते हैं, तो वे हर उस नागरिक की आवाज बनते हैं, जो सच्चाई जानना चाहता है। 1913 से शुरू हुई व्हाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग्स इस सिद्धांत की जीवंत मिसाल रही हैं। इन ब्रीफिंग्स ने न केवल अमेरिकी सरकार को पारदर्शी बनाया, बल्कि विश्व भर के लोकतंत्रों के लिए एक आदर्श स्थापित किया। यह मंच पत्रकारों को सत्ता के गलियारों में असहज सवाल पूछने की आजादी देता था, जिससे सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित होती थी। लेकिन अब, जब सवाल पूछने का अधिकार केवल चुनिंदा पत्रकारों तक सीमित हो जाएगा, तो यह संवाद का मंच एकतरफा बयानबाजी का अड्डा बनकर रह जाएगा। कठिन और असहज सवालों को दबाने की यह रणनीति सत्ता को अनियंत्रित शक्ति प्रदान कर सकती है, जो किसी भी लोकतंत्र के लिए घातक है। डोनाल्ड ट्रंप का प्रेस के साथ रिश्ता हमेशा से तनावपूर्ण रहा है। उनके पहले कार्यकाल में "फेक न्यूज" जैसे शब्द पत्रकारों को बदनाम करने का हथियार बने। उन्होंने कई बार प्रेस कॉन्फ्रेंस में असुविधाजनक सवाल पूछने वाले पत्रकारों को निशाना बनाया, यहाँ तक कि कुछ के प्रेस पास रद्द करने की कोशिश भी की। 2018 में सीएनएन के पत्रकार जिम अकोस्टा का प्रेस पास रद्द करना इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण है। हालाँकि, अदालत ने इसे बहाल कर प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा की थी। यह नया नियम उनकी उसी मानसिकता का विस्तार है, जहाँ आलोचना के लिए कोई जगह नहीं। यह व्यक्तिगत पसंद-नापसंद का मामला नहीं, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने का सुनियोजित प्रयास है। जब सत्ता यह तय करने लगे कि कौन सवाल पूछ सकता है, तो वह प्रेस को नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को ही बंधक बना लेती है। अमेरिकी संविधान का पहला संशोधन प्रेस की आजादी को स्पष्ट रूप से संरक्षण देता है। यह अधिकार सरकार को यह तय करने की अनुमति नहीं देता कि कौन सवाल पूछ सकता है और कौन नहीं। अगर व्हाइट हाउस इस तरह के नियम लागू करता है, तो यह संवैधानिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन होगा। प्रेस को केवल सत्ता की प्रशंसा तक सीमित करना, उसे एक प्रचार तंत्र में बदल देगा। इससे न केवल नागरिकों की सच्चाई तक पहुँच सीमित होगी, बल्कि सरकार की जवाबदेही भी कमजोर पड़ेगी। प्रेस का काम सत्ता की तारीफ करना नहीं, बल्कि उसकी कमियों को उजागर करना है। जब यह आवाज दबाई जाएगी, तो नागरिकों का विश्वास भी लोकतांत्रिक संस्थाओं से उठने लगेगा। यह फैसला केवल अमेरिका तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी गहरी चिंता का विषय है। अमेरिका, जो हमेशा से प्रेस की स्वतंत्रता का झंडाबरदार रहा है, अगर स्वयं इस सिद्धांत से पीछे हटता है, तो यह उन देशों को और प्रोत्साहन देगा, जहाँ प्रेस पहले से ही दबाव में है। भारत जैसे लोकतंत्रों में, जहाँ प्रेस की स्वतंत्रता पर पहले ही सवाल उठ रहे हैं, यह फैसला एक खतरनाक मिसाल बन सकता है। विश्व के कई देशों में, जहाँ पत्रकारों को पहले से ही सेंसरशिप, धमकियों और हिंसा का सामना करना पड़ता है, अमेरिका का यह कदम सत्ताधारी शासनों को और साहस देगा। यह एक ऐसा दौर है, जहाँ लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रेस की स्वतंत्रता को बचाना पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। लेकिन इस अंधेरे में भी उम्मीद की किरण है। अमेरिका की न्यायपालिका और प्रेस ने पहले भी ऐसे फैसलों को चुनौती दी है। जिम अकोस्टा के मामले में अदालत का हस्तक्षेप इस बात का सबूत है कि लोकतांत्रिक संस्थाएँ अभी भी मज़बूत हैं। इस बार भी कानूनी और सामाजिक विरोध इस नियम को लागू होने से रोक सकता है। अमेरिकी प्रेस ने बार-बार साबित किया है कि वह आसानी से झुकने वाला नहीं। पत्रकार संगठन, नागरिक समाज और स्वतंत्र मीडिया इस फैसले के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा सकते हैं। यह केवल प्रेस की लड़ाई नहीं, बल्कि हर उस नागरिक की लड़ाई है, जो सच्चाई और पारदर्शिता में विश्वास रखता है। यह बदलाव हमें एक गहरे और मौलिक सवाल की ओर ले जाता है – लोकतंत्र का मतलब सिर्फ वोट डालना नहीं, बल्कि सवाल पूछने, जवाब माँगने और सत्ता को चुनौती देने की आजादी है। अगर प्रेस को चुप कराया गया, तो नागरिकों की आवाज भी दब जाएगी। व्हाइट हाउस का यह फैसला केवल एक परंपरा को तोड़ने की बात नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा पर गहरी चोट है। सवाल पूछने का हक किसी की मर्जी पर निर्भर नहीं होना चाहिए – यह हर पत्रकार, हर नागरिक का जन्मसिद्ध अधिकार है। दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र में इस अधिकार की रक्षा करना न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक सबक होगा। इस संकट के बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रेस की स्वतंत्रता केवल पत्रकारों का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का हक है। जब पत्रकार सवाल पूछते हैं, तो वे सत्ता को नहीं, बल्कि समाज को जवाबदेह बनाते हैं। यह समय है कि हम प्रेस की स्वतंत्रता को केवल एक सिद्धांत के रूप में नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रीढ़ के रूप में देखें। व्हाइट हाउस का यह फैसला एक चुनौती है, लेकिन यह एक अवसर भी है – अवसर यह साबित करने का कि लोकतंत्र की ताकत उसकी संस्थाओं में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की जागरूकता और साहस में निहित है। अगर हम आज चुप रहे, तो कल सच्चाई भी चुप हो जाएगी। यह लड़ाई केवल प्रेस की नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जो स्वतंत्रता और सत्य के पक्ष में खड़ा है।

पीडीए को मजबूत करने की रणनीति है अखिलेश का दलित प्रेम

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में दलित राजनीति का मिजाज लगातार बदल रहा है। बसपा के चुनावी रण में कमजोर पड़ते ही सभी दलों ने बीएसपी के कोर दलित वोटरों को अपने पाले में लाने के लिये बिसात बिछाना शुरू कर दी है। यह सिलसिला 2017 से शुरू हुआ था और अब चरम पर नजर आ रहा है। इसी का परिणाम है कि अब किसी भी चुनाव में दलित वोटों में भी बिखराव देखने को मिलता है। स्थिति यह कि मौजूदा राजनीति में महात्मा गांधी तो अप्रासंगिक हो गये हैं जबकि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का 'सिक्का' चल रहा है।कांग्रेस जिसने गांधी के नाम के सहारे कई चुनाव जीते अब उसे भी बाबा साहब में अपना भविष्य नजर आता है। कुछ वोट बैंक के सौदागरों द्वारा बाबा साहब को ऐसा महिमामंडित कर दिया गया है मानों पूरा संविधान उन्हीं ने तैयार किया था। वोट बैंक की खातिर देश के संविधान को बाबा साहब का संविधान कहकर प्रचारित प्रसारित किया जाता है,जबकि हकीकत में राजनैतिक दलों की यह सब कसरत दलित वोटों के लिये है।यूपी में भाजपा और समाजवादी पार्टी आजकल दलितों के नये रहनुमा बनने में लगे हैं। यह इस लिये है क्योंकि यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं, और समाजवादी पार्टी (सपा) ने दलित समुदाय को अपने पक्ष में करने के लिए एक व्यापक रणनीति अपनाई है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने श्पीडीएश (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) गठबंधन को केंद्र में रखते हुए दलित नेताओं को पार्टी में शामिल किया है और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से दलित मतदाताओं तक पहुँचने का प्रयास कर रहे हैं। सपा ने 2022 के विधानसभा चुनावों में इंद्रजीत सरोज, त्रिभुवन दत्त, आर.के. चैधरी और राम प्रसाद चैधरी जैसे प्रमुख दलित नेताओं को पार्टी में शामिल किया था। अब इसमें नया नाम बसपा के पूर्व दलित नेता दद्दू प्रसाद का शामिल हो गया है।

इन नेताओं को अब 2027 के चुनावों के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं, ताकि वे अपने समुदाय के वोटों को सपा के पक्ष में मोड़ सकें। इसके अतिरिक्त, फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद को दलित चेहरे के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिन्हें अखिलेश यादव लगातार अपने साथ रख रहे हैं। सपा ने श्पीडीए पर चर्चाश नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों को भाजपा सरकार द्वारा उनके अधिकारों पर किए जा रहे हमलों और संविधान के साथ हो रहे खिलवाड़ के बारे में जागरूक करना है। इस कार्यक्रम के तहत पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर पीडीए समुदाय के लोगों से संवाद कर रहे हैं और उन्हें सपा की नीतियों से अवगत करा रहे हैं। सपा ने दलित समुदाय के साथ अपनी एकजुटता दिखाने के लिए विभिन्न प्रतीकात्मक कदम उठाए हैं। लखनऊ में पार्टी कार्यालय के बाहर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर, राम मनोहर लोहिया और हनुमान जी की तस्वीरों वाले होर्डिंग्स लगाए गए हैं, जिन पर हम दलितों के साथ हनुमान जी जैसे संदेश लिखे गए हैं। इसके अलावा, पार्टी ने अंबेडकर जयंती पर बड़े कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है, ताकि दलित समुदाय के साथ अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया जा सके।

सपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों में उम्मीदवार चयन में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों को प्राथमिकता दी थी। पार्टी ने 57 उम्मीदवारों में से 15 अनुसूचित जाति, 29 पिछड़े वर्ग और 4 मुस्लिम समुदाय से उम्मीदवार उतारे थे। इस संतुलन को 2027 के विधानसभा चुनावों में भी बनाए रखने की योजना है, ताकि पीडीए गठबंधन को और मजबूत किया जा सके।इसी क्रम में अखिलेश यादव भाजपा सरकार पर दलितों और आदिवासियों को निशाना बनाने का आरोप लगाते हैं।वह कहते हैं कि भाजपा सरकार पीडीए समुदाय के लोगों की नियुक्ति रोक रही है और उनके अधिकारों को छीन रही है। अखिलेश ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान और आरक्षण के साथ खिलवाड़ कर रही है, और उन्होंने पीडीए समुदाय से भाजपा को सत्ता से बाहर करने का आह्वान किया है। लब्बोलुआब यह है कि समाजवादी पार्टी ने 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए दलित समुदाय को अपने पक्ष में करने के लिए एक व्यापक रणनीति अपनाई है। पार्टी ने दलित नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी हैं, पीडीए पर चर्चा कार्यक्रम शुरू किया है, प्रतीकात्मक कदम उठाए हैं, उम्मीदवार चयन में संतुलन बनाए रखा है, और भाजपा पर तीखे आरोप लगाए हैं। 14 अप्रैल को बाबा साहब की 150 जयंती के समय भी समाजवादी पार्टी ने पूरे प्रदेश में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। अखिलेश यादव ने लखन में बाबा साहब की मूर्ति पर पुष्प चढ़ाकर उनके नमन किया । अखिलेश के इन सभी प्रयासों का उद्देश्य दलित समुदाय के समर्थन को हासिल करना और 2027 के चुनावों में भाजपा को सत्ता से बाहर करना है।

बाबूजी धीरे चलना !

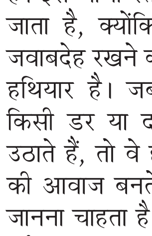

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

नगर निगम कार्यालय में जैसे ही सूरज अपनी पहली किरणें फेंकता, वैसे ही बाबुओं की नींद खुलती। घड़ी में सुबह के नौ बजते ही कार्यालय के गेट पर चाय-बीड़ी की महक फैल जाती। कुछ बाबू फाइलों से ऐसे बचते मानो वे फाइलें न होकर सांप-बिच्छू हों। काम को धकेलने में उनकी कला इतनी विकसित थी कि अगर यही कला ओलंपिक में शामिल होती, तो वे स्वर्ण पदक की दुकान खोल लेते। "सर, फाइल दबा दीजिए, जनता को कौन सी जल्दी है!" – एक अनुभवी बाबू ने नौसिखिए को समझाया। नौसिखिया बोला, "लेकिन साहब, जनता परेशान हो जाएगी।" अनुभवी ने गुरू ज्ञान दिया, "जनता का काम तो भगवान भी नहीं कर पाया, हम किस खेत की मूली हैं?" फाइलों पर जमी धूल उनकी उम्र की गवाही देती थी। किसी फाइल का पेंच फंसे तो मामला सीधा बाबूजी की जेब में आकर रुकता। बाबूजी का सिद्धांत था – फाइल वही आगे बढ़ेगी, जिसकी चाय और समोसा पेट में जाएगा। नगर निगम के चपरासी भी अपने अधिकारों से परिचित थे। वे अक्सर कहते, "हमारी औकात को मत समझिए, बिना हमारे कोई कागज इधर से उधर नहीं होता।" एक दिन रामलाल नामक वृद्ध अपने मकान का नक्शा पास कराने आया। बाबूजी ने उसे ऊपर से नीचे तक ऐसे देखा जैसे शादी में नाचने वाला नाचता नहीं, बल्कि स्कैन करता हो। "पचास हजार लगेंगे!" – बाबूजी ने ऐसे कहा मानो सब्जी के भाव बता रहे हों। वृद्ध कांपते हुए बोला, "बेटा, मेरी सारी पूंजी तो इसी मकान में लगी है!" बाबूजी हंसे, "तो थोड़ा और लगा दो न! ईंट-गारे में ही सही, बाबुओं का भी तो भविष्य उज्ज्वल होना चाहिए!" रामलाल की आंखों में आंसू थे, लेकिन बाबूजी को इससे फर्क नहीं पड़ा।

उनके लिए जनता के आंसू वैसे ही थे जैसे सरकारी ऑफिस में कंप्यूटर – मौजूद तो होता है, पर चलता नहीं। आखिरकार, रामलाल ने जैसे-तैसे पैसे जुटाए और बाबूजी के चरणों में अर्पित कर दिए। फाइल सरक गई। बाबूजी का सिद्धांत था – ₹कोई भी काम असंभव नहीं, बस सही जगह चिकनाई लगानी चाहिए।₹ जिस दिन फाइल पास हुई, उस दिन रामलाल ने सोचा, ₹काश, ईश्वर की भी कोई बाबूगिरी होती, तो प्रार्थनाएं भी रिश्वत से पास हो जातीं! पर कहानी में ट्विस्ट तब आया जब अगले दिन नगर आयुक्त ने औचक निरीक्षण का फरमान जारी किया। बाबूजी के चेहरे पर ऐसी चमक आ गई मानो कक्षा में बच्चे से सवाल पूछा गया हो और उसे जवाब न पता हो। उन्होंने तुरंत चायवाले को बुलाया, "आज दो कप एक्स्ट्रा बनाना, साहब को खुश करना है।" निरीक्षण शुरू हुआ। साहब के आने की सूचना मिलते ही ऑफिस के सारे बाबू ऐसे सक्रिय हो गए जैसे परीक्षा के एक दिन पहले पढ़ाई करने वाले छात्र। फाइलें जो वर्षों से धूल खा रही थीं, अचानक व्यवस्थित हो गईं।

सभी तीर्थों की नानी है यह मंदिर, असुरों के गुरु शुक्राचार्य की बेटी की होती है पूजा

राजधानी जयपुर से 70 किलोमीटर दूर सांभर शहर में तीर्थों की नानी के नाम से मशहूर प्रसिद्ध देवयानी मंदिर मौजूद है। यहां, पर अनेकों देवी-देवताओं के मंदिर मौजूद हैं। मंदिर के पुजारियों के अनुसार देवयानी तीर्थ स्थल सभी तीर्थ में प्राचीन है। इसी प्राचीनता के कारण इस जगह को तीर्थों की नानी के नाम से जाना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति सभी तीर्थ पर नहीं जा पाता है, तो देवयानी तीर्थ स्थल पर आकर पूजा-अर्चना करने से उसे सभी तीर्थ नहाने जितना पुण्य मिलता है।

असुरों के गुरु शुक्राचार्य की बेटी का है मंदिर

सांभर के इस तीर्थ स्थल पर मुख्य रूप से असुरों के गुरु शुक्राचार्य की बेटी देवयानी का मंदिर मौजूद है। इसके अलावा देवयानी का संबंध कौरवों से भी है। सावन माह में देवयानी सरोवर पर कांवड़ियों का मेला लगता है, और लोग शिवालयों के लिए पवित्र जल लेने आते हैं। सांभर झील के बिल्कुल पास यह सरोवर मौजूद है, जहां, पर बड़ी संख्या में लोग अपने पापा धोने के लिए आते हैं। सरोवर के चारों ओर हिंदू देवी- देवताओं के मंदिर बने हुए हैं। प्रमुख रूप से यहां पर देवयानी का मंदिर है। मंदिर में मौजूद माता देवयानी की मूर्ति की पुजारी द्वारा रोज पूजा-अर्चना की जाती है। इसके अलावा माता का रोग श्रृंगार भी होता है।

देवयानी तीर्थ स्थल को छोटा पुष्कर भी कहा जाता है। मान्यताओं के अनुसार सभी तीर्थ स्थल ऑन पर अगर कोई जाकर आता है और वह देवयानी तीर्थ स्थल पर आकर नहीं नहाता है, तो उसे मोक्ष की प्राप्ति नहीं होती है। सभी तीर्थ स्थलों में सबसे पुराना होने के कारण देवयानी तीर्थ स्थल का महत्व अधिक माना गया है। देवयानी तीर्थ स्थल के पास ही विशाल सांभर झील मौजूद है। जहां पर नमक का उत्पादन होता है इसके अलावा देसी विदेशी पर्यटक भी यहां पर आते हैं।

क्या आपके सपनों में भी आई है छिपकली?

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, व्यक्ति को आने वाले सपने उसके भविष्य के बारे में कुछ विसेष संकेत देते हैं। हालांकि कई बार इन सपनों का संकेत कुछ अच्छा होता है तो कई बार ये हमें सतर्क करने भी आते हैं। वैसे सपने में हमें क्या दिखने वाला है ये तो हम नहीं जान सकते हैं, लेकन सपने में दिखने वाली चीजों का क्या मतलब है और ये हमें क्या संकेत दे रहे हैं, इसके बारे में हम जान सकते हैं। इसी कड़ी में आज जानते हैं कि अगर किसी को सपने में छिपकली दिखाई देती है तो यह किस बात का संकेत होता है।

छिपकली को शिकार करते देखना

अगर आप सपने में छिपकली को किसी कीड़े को मारकर खाते हुए देख रहे हैं तो सावधान हो जाएं। स्वप्न शास्त्र कहता है कि यह स्वप्न संकेत देता है की आने वाले समय में आपको धन की तंगी या आर्थिक समस्याएं आ सकती हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें और वित्तीय मामलों में सावधानी बरतें।

सपने में छिपकली को मारना

स्वप्नशास्त्र के अनुसार, अगर आप खुद को छिपकली को मारते हुए देखते हैं तो यह एक बेहद शुभ संकेत है। इसका अर्थ है कि आपकी जिंदगी में जो भी कठिनाइयाँ चल रही थीं वे अब खत्म होने वाली हैं। यह सपना बताता है कि आपने अपनी परेशानियों का सामना किया है और अब उनसे पीछा छूटने वाला है।

छिपकली को घर में आते देखना

अगर आपको सपने में छिपकली घर में प्रवेश करते दिखाई दे रही है तो इस सपने को एक चेतावनी के रूप में देखना चाहिए। यह इस बात का संकेत होता है कि आपके परिवार या निजी जीवन में कोई बड़ी समस्या आने की संभावना है। ऐसे में आपको घर में और कार्यक्षेत्र में भी सावधानी बरतनी चाहिए।

बहुत सारी छिपकलियों का सपना

जब सपने में एक साथ बहुत सारी छिपकलियां दिखें तो यह अशुभ माना जाता है। यह दर्शाता है कि आपके जीवन में कई समस्याएं एक साथ आ सकती हैं। कार्यस्थल पर काम का दवाब हो सकता है और मानसिक तनाव बढ़ने की संभावना भी रहती है। ऐसे सपने के बाद संयम और सावधानी से काम करना ही अच्छा उपाय होता है।

छिपकली से डरना या उसे भगाना

अगर आप सपने में छिपकली से डरते हैं या उसे भगाते हैं तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। यह बताता है कि आप अपनी समस्याओं का सामना कर रहे हैं और उन्हें दूर करने में सफल होंगे।

किसी के साथ छल-कपट नहीं करतीं इस मूलांक की लड़कियां

मूलांक 2 की महिलाएं कोमल, भावुक और रचनात्मक होती हैं. ये महिलाएं दिल की साफ होती हैं और छल-कपट नहीं करतीं. मूलांक 2 की महिलाएं खर्चीली होती हैं और दोस्तों पर पैसे खर्च करती हैं.

जिन महिलाओं का जन्म किसी भी महीने की 2, 11, 20 या 29 तारीख को हुआ हो, उनका मूलांक 2 बनता है इस अंक के स्वामी चंद्रमा हैं, जो मन, भावनाओं और कल्पनाओं के प्रतीक माने जाते हैं। यही कारण है कि मूलांक 2 की महिलाओं में एक विशेष प्रकार की कोमलता, भावुकता और रचनात्मकता देखने को मिलती है। मूलांक 2 की महिलाओं के के बारे में विस्तार से बता रहे हैं

मूलांक 2 की महिलाओं का स्वभाव

इनका स्वभाव सीधा-सादा, दयालु और बेहद संवेदनशील होता है। यह जल्दी किसी से घुलती-मिलती नहीं, लेकिन जब किसी से जुड़ जाती हैं तो सच्चे मन से रिश्ता निभाती हैं।

बातचीत का अंदाज़

इनका बातचीत करने का तरीका बेहद प्रभावशाली होता है और वे लगभग हर विषय में जानकारी रखती हैं, लेकिन कभी भी किसी पर अपनी बात थोपती नहीं। इन्हें लंबी बातें करना पसंद होता है।

दिल की साफ ये महिलाएं कभी किसी के साथ छल-कपट नहीं करतीं और यही कारण है कि उनकी सहेलियां उन्हें बहुत प्यार करती हैं। मूलांक 2 की महिलाएं खर्चीली होती हैं। दोस्तों के साथ पार्टी या किसी जरूरत में पैसे खर्च करने से नहीं कतरातीं।

करियर

करियर की बात करें तो मूलांक 2 की महिलाएं फैशन, कपड़ा, सिलाई-कढ़ाई, ट्रैवलिंग, होटल, और कला से जुड़े क्षेत्रों में बहुत सफल होती हैं। ये नौकरी को लेकर थोड़ी अस्थिर हो सकती हैं- जल्दी बोर हो जाती हैं या किसी अधिकारी से असहमति होने पर नौकरी बदल देती हैं।

प्रेम जीवन और विवाह

प्रेम के मामले में ये महिलाएं भावुक, कल्पनाशील लेकिन झिझकने वाली होती हैं। इन्हें जब किसी से सच्चा प्रेम होता है तो ये उसे अपने दिल में बहुत जगह देती हैं, लेकिन अपने मन की बात कह नहीं पातीं। इनका विवाह अक्सर थोड़ी देरी से या किसी कठिनाई के बाद होता है, लेकिन इनके साथी से इन्हें सहयोग मिलने की संभावना रहती है।

स्वास्थ्य

इनका स्वास्थ्य सामान्य रूप से ठीक रहता है, लेकिन सर्दी, खांसी, और कफ की समस्या थोड़ी अधिक होती है।

जीवन की विशेष बातें

इनका जीवन संघर्षों से भरा जरूर होता है, लेकिन 30 से 42 वर्ष के बीच इनका सौभाग्य प्रबल होने लगता है। ये जीवन में धीरे-धीरे सफलता की ऊंचाइयों को छूती हैं।

धन संबंधी बातें

धन के मामले में इनका जीवन संघर्षपूर्ण होता है। ये धन जल्दी खर्च कर देती हैं लेकिन समय पर भगवान की कृपा से सहायता भी मिलती है।

जीवन में सफलता के लिए अपनाएं ये सिद्धांत

हमारी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपने लक्ष्य के लिए कितने गंभीर हैं और हम कितने सक्रिय हैं। जितना हम नैतिकता के साथ सक्रिय, सजग और चैतन्य रहेंगे, सफलता उतनी जल्दी मिलेगी। मनसावाचा कर्मणा पवित्रता के साथ रहेंगे तो लक्ष्य पूरे होंगे। बड़े लक्ष्य बनाएं और उनकी प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहें, उन्हें पाने के लिए जागरूक रहें।

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए परमानंद कैसे मिल सकता है?

कौवा का सिर पर बैठना किस बात का संकेत? क्यों फैलाई जाती है मृत्यु की झूठी खबर?

भारतीय मान्यताओं में कई बातें पीढ़ियों से चली आ रही हैं। इन बातों में कुछ आस्था से जुड़ी होती हैं, तो कुछ डर से। ऐसा ही एक विषय है "सिर पर कौवा बैठना"। कुछ लोग मानते हैं कि यह घटना मृत्यु का संकेत देती है। लेकिन क्या वाकई ऐसा कुछ होता है या यह केवल एक परंपरागत धारणा है? कौवा एक बेहद समझदार और चौकस पक्षी माना जाता है। यह आम तौर पर इंसानों के आसपास देखा जाता है और उसकी हरकतों को लोग बड़े गौर से देखते हैं। लोगों का यह भी मानना है कि कौवे की हरकतों से भविष्य में घटने वाली घटनाओं का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

कौवे का सिर पर बैठना

ज्योतिषी के अनुसार कौवे का सिर पर बैठना एक अशुभ घटना है जिसे मृत्यु का संकेत या मृत्यु तुल्य कष्ट मिलने का संकेत माना जा सकता है। ऐसा व्यक्ति जिसके सिर पर कौवा बैठ जाए उसे आने वाले समय में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उस व्यक्ति को परेशनियों से राहत दिलाने के लिए रिश्तेदारों में उसकी मृत्यु की झूठी खबर फैलाई जाती है। जिसे एक उपाय के तौर पर देखा जा सकता है।

कुछ संकेत जो शुभ माने जाते हैं-

– अगर कोई कौवा पीछे से आकर पास से गुज़र जाए, तो यह लाभ का संकेत माना जाता है।

– अगर वह दाईं तरफ़ से उड़कर बाईं ओर जाए, तो यात्रा सफल होती है।

– उत्तर दिशा की ओर मुंह करके उसकी आवाज़ सुनाई दे, तो यह सुखद समाचार का इशारा हो सकता है।

– अगर वह मुंह में रोटी दबाकर उड़ता दिखे, तो घर में धन या मेहमान के आने का संकेत माना जाता है।

कुछ घटनाएं लोगों को डराती हैं

सिर पर बैठना या छूकर जाना – लोग मानते हैं कि यह शनि से जुड़ा संकेत है। कुछ इसे निकट भविष्य में किसी परेशानी या मृत्यु से जोड़ते हैं। पुराने ग्रंथों और कहानियों में कौवे को युद्ध, मृत्यु और अंधकार से जोड़कर देखा गया है। माना जाता है कि यह उन जगहों पर मंडराता है, जहां कोई अनहोनी घट सकती है।

क्या कहता है विज्ञान?

हालांकि विज्ञान कौवे की इन गतिविधियों को केवल प्राकृतिक व्यवहार मानता है। वह गंध, हलचल और ध्वनि के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं। हो सकता है कि वह केवल भोजन या सुरक्षा की तलाश में आए हों।

क्या कर्ण की पत्नियों के नाम जानते हैं आप? ये श्राप बना था उनकी मौत की वजह!

महाभारत में कई ऐसे पात्र हैं, जिनके बारे में जानने और पढ़ने की अधिक से अधिक जिज्ञासा होती है। वैसे तो महाभारत में सबसे अधिक चर्चा भगवान कृष्ण, पांडवों और उनके भाइयों और दुर्योधन की होती है। लेकिन महाभारत में एक और ऐसा पात्र था, जो हमेशा केंद्र में रहा। उनका नाम है कर्ण। उन्हें लोग अंगराज और राधेय नाम से भी जानते हैं। वे एक बेहतरीन योद्धा थे और युद्ध-कला में बहुत निपुण थे। उन्होंने दुर्योधन की मित्रता निभाई और कुरुक्षेत्र युद्ध में कौरवों की तरफ से लड़े और वीरगति को प्राप्त हुए। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे उनकी मृत्यु में किन श्रापों की भूमिका रही। साथ ही उनकी पत्नी और संतानों के बारे में भी जानेंगे।

कर्ण का जन्म

कर्ण का जन्म एक कुंवारी राजकुमारी कुन्ती से हुआ था। ऋषि दुर्वासा के वरदान से कुन्ती को यह शक्ति मिली थी कि वह किसी भी देवता को बुलाकर उनसे संतान प्राप्त कर सकती थीं। जिज्ञासावश कुन्ती ने वरदान आज़माने के लिए सूर्य देव को बुलाया और उसी से कर्ण का जन्म हुआ। सूर्य देव ने कर्ण को जन्म से ही दिव्य कवच और कुंडल दिए थे जो उन्हें लगभग अजेय बनाते थे। लेकिन उस समय वे अविवाहित थीं, इसलिए समाज के डर से उन्होंने कर्ण को त्याग दिया। बाद में सारथी अधिरथ और उनकी पत्नी राधा ने उसे अपनाया और प्यार से पाला। इसलिए कर्ण की दो माताएं थीं। कुन्ती और राधा। इसलिए उन्हें राधेय भी कहा जाता है।

कर्ण की पत्नी और संतानें

कर्ण की पहली पत्नी वृषाली थीं। जबकि उनकी दूसरी पत्नी सुप्रिया थीं। वृषाली को अक्सर कर्ण की मुख्य पत्नी माना जाता है, जो उनके दुख-सुख में हमेशा साथ रहीं। वृषाली दुर्योधन के रथ के सारथी सत्यसेन की बहन थीं।

कर्ण के तीन बेटे थे, जिनका नाम वृषसेन, वृषकेतु और बाणसेन था। वृषकेतु जो सबसे छोटा था। उसे युद्ध के बाद अर्जुन द्वारा प्रशिक्षित किया गया और उसे अंग देश का राजा भी बनाया गया। कर्ण की मृत्यु के पीछे इन श्रापों की भी भूमिका रही।

परशुराम का श्राप

कर्ण ने परशुराम से शिक्षा लेने के लिए झूठ बोला कि वह ब्राह्मण है। परशुराम को जब सच्चाई पता चली तो उन्होंने कर्ण को श्राप दिया कि युद्ध के समय वह अपने सबसे शक्तिशाली अस्त्र का मंत्र भूल जाएगा।

गौवध का श्राप

एक बार कर्ण के रथ से एक गाय का बछड़ा कुचल गया। उस गाय के मालिक ब्राह्मण ने उसे श्राप दिया कि युद्ध में उसके रथ का पहिया जमीन में फंस जाएगा।

कवच-कुंडल का दान

युद्ध से कुछ दिन पहले इन्द्र देव ब्राह्मण का वेश धारण कर कर्ण से उसका कवच और कुंडल मांगते हैं। कर्ण उन्हें दान दे देते हैं। बदले में इन्द्र उसे एक दिव्यास्त्र देते हैं, जिसका उपयोग वह सिर्फ एक बार कर सकता था।

कर्ण की मृत्यु कैसे हुई?

युद्ध के 17वें दिन कर्ण और अर्जुन आमने-सामने थे। लेकिन जब तक कर्ण गटोटकच पर दिव्यास्त्र का उपयोग कर चुका था। कवच और कुंडल पहले ही दान कर चुका था और परशुराम का श्राप काम कर रहा था, उसे मंत्र याद नहीं आ रहे थे।

जब उसके रथ का पहिया कीचड़ में फंस गया और वह असहाय हो गया, तब भगवान कृष्ण ने अर्जुन से कहा कि यही मौका है। अर्जुन ने कर्ण पर प्रहार किया और कर्ण की मृत्यु हो गई।

कर्ण की मृत्यु के बाद

जब युद्ध का शोर थमा, तब कुन्ती युद्धभूमि पर पहुंची और अपने बेटे कर्ण के मृत शरीर को गले से लगाया। उस दिन पांडवों को पहली बार सच्चाई का पता चला कि कर्ण उनका बड़ा भाई था। पांडवों ने ही कर्ण का अंतिम संस्कार किया।

खो गई है कीमती वस्तु तो ज्योतिष शास्त्र से लगा सकते हैं पता

जिस दिन आपकी वस्तु खो गई है, उस दिन कौन सा नक्षत्र था, उसके आधार पर आप जान सकते हैं कि वह वस्तु आपको वापस मिलेगी या नहीं। हर दिन के लिए एक विशेष नक्षत्र होता है, उसके आधार पर खोई हुई वस्तु के मिलने या नहीं मिलने की भविष्यवाणी की जाती है।

ज्योतिष में 4 प्रकार के नक्षत्र होते हैं, अंधाक्ष नक्षत्र, सुलोचन नक्षत्र, मध्याक्ष नक्षत्र और मंदाक्ष नक्षत्र। यदि अंधाक्ष नक्षत्र में कोई वस्तु खो जाए तो उसके पूर्व दिशा में जाने का अनुमान होता है और उसके जल्द वापस मिलने की उम्मीद होती है।

यदि आपकी कीमती वस्तु मध्याक्ष नक्षत्र में खो जाती है तो वह पश्चिम दिशा में जाती है और वह आपसे बहुत दूर चली जाती है। व्यक्ति को उसके बारे में पता चल सकता है, लेकिन वह वापस प्राप्त नहीं कर सकता है।

ऐसे ही कोई वस्तु मंदाक्ष नक्षत्र में खो जाती है तो उसके दक्षिण दिशा में होने या जाने का अनुमान होता है। यदि आप उसको पाने के लिए अधिक प्रयत्न करेंगे तो वह वापस आपको मिल भी सकती है।

खोई वस्तु पता लगाने की विधि

यदि आपकी कोई वस्तु खो गई है तो आप पंचांग ले लें। उसमें देखें कि जिस दिन वस्तु खोई है, उस दिन कौन सा नक्षत्र था। वह नक्षत्र अंधाक्ष, सुलोचन, मध्याक्ष और मंदाक्ष में से कौन सा है। उसके आधार पर जान सकते हैं कि खोई वस्तु के मिलने की संभावना कितनी है।

अंधाक्ष नक्षत्र: पुष्य, रोहिणी, उत्तराफाल्गुनी, विशाखा, धनिष्ठा, रेवती और पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में कोई वस्तु खोती है तो वह शीघ्र मिल सकती है।

सुलोचन नक्षत्र: कृतिका, पुनर्वसु, पूर्वाफाल्गुनी, स्वाति, मूल, श्रवण, उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में कोई वस्तु खो जाती है तो उसके वापस मिलने की संभावना नहीं होती है।

मध्याक्ष नक्षत्र: भरणी, आर्द्रा, मघा, चित्रा, ज्येष्ठा, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में खोई हुई वस्तु के बारे में कितना भी पता लगाने की कोशिश करेंगे, उसके मिलने की उम्मीद नहीं होगी।

मंदाक्ष नक्षत्र: यदि आपकी कोई वस्तु अश्विनी, मृगशिरा, हस्त, अनुराधा, शतभिषा, उत्तराषाढ़ा या अश्लेषा नक्षत्र में खोती है तो उसे वापस पाने के लिए बहुत प्रयत्न करने होंगे, तभी आपको मिल सकती है।

पानी का मटका कहां रखें?

उत्तर या पूर्व दिशा में रखें मटका

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की उत्तर दिशा में देवताओं का वास होता है। जब आप इस दिशा में पानी से भरा मटका या सुराही रखते हैं तो घर में सुख-शांति और समृद्धि का प्रवेश होता है, वहीं पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में भी मटका रखना शुभ माना गया है। इन दोनों दिशाओं पर बृहस्पति का प्रभाव होता है जो ज्ञान, वृद्धि और विकास के प्रतीक हैं।

बच्चों की तरक्की और करियर में मिलेगी सफलता

मटके को सही दिशा में रखने से न केवल घर की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है बल्कि बच्चों का बौद्धिक और भौतिक विकास भी होता है। बृहस्पति की कृपा से घर के सदस्यों को करियर में नई ऊंचाइयों को छूने का अवसर मिलता है।

रखें यह खास ध्यान

मटके को हमेशा ढ़ककर रखें, लेकिन प्लास्टिक का ढक्कन न लगाएं। इससे लाभ कम हो सकता है। इसके बजाय मिट्टी के ढक्कन इस्तेमाल करें यह प्राकृतिक ऊर्जा को संतुलित करता है और लाभ को कई गुना बढ़ा देता है। ध्यान रखें कि जिस स्थान पर मटका रखा गया है उसे साफ रखना चाहिए। गंदगी से सकारात्मक ऊर्जा का संचार रुक सकता है।

जूनियर एनटीआर को दुबला-पतला देख हैरान हुए लोग : बोले- ओजेम्पिक का यूज करते हैं क्या

साउथ एक्टर जूनियर एनटीआर की एक फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। इस फोटो में एनटीआर काफी दुबले नजर आ रहे हैं। फोटो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर एक्टर की शर्ट की कीमत से लेकर उनके कम वजन पर चर्चा हो रही है। लोगों का कहना है कि एनटीआर ओजेम्पिक का यूज करते हैं। लेकिन उनके फैंस उनको सपोर्ट कर रहे हैं।

एनटीआर ने फोटो में पतले दिखे, फैंस ने पूछे सवाल

जूनियर एनटीआर के फैंस ने उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट की। इसमें वह नीली शर्ट और काली पैंट पहने हुए, दुबई के एक होटल के वर्कर्स के साथ पोज दे रहे हैं। लोगों ने फोटो पर रिएक्ट किया की एक्टर ने 85,000 की शर्ट पहनी हुई थी। वहीं, बाकी लोग हैरान थे कि वह अचानक इतने दुबले-पतले क्यों दिखने लगे।

कैसे हुआ एनटीआर का वजन कम

एक यूजर ने उनकी तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा- जूनियर एनटीआर को क्या हुआ, कोई हेल्थ इश्यू? दूसरे यूजर ने लिखा- टाइगर ने ओजेम्पिक ले लिया है। मुझे उनकी पुरानी हीरोइनें और गाने याद आते हैं। प्लीज, प्लास्टिक सर्जरी की चीजों को ऐसे न लें एनटीआर गारू।

हालांकि, एक्टर के फैंस ने उन्हें सपोर्ट किया। एक फैन ने लिखा- एक आदमी अब बेवकूफ लोगों की बेवकूफी के बिना अपना वजन भी कम नहीं कर सकता है। एक ने दावा किया कि उनके वजन घटाने के पीछे 'कुछ और कारण हो सकता है'। एक ने लिखा- वह ऋतिक रोशन की एक फिल्म में काम कर रहे हैं। एक ने बताया कि वह प्रशांत के साथ अपनी आगामी फिल्म में एक पतले व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं।

बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर को आखिरी बार कोराटाला शिवा की 'देवराः पार्ट 1' में देखा गया। इसमें एनटीआर के साथ सैफ अली खान और जान्हवी कपूर को भी देखा गया था। एनटीआर जल्द ही अयान मुखर्जी की 'वॉर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। इसमें उनके साथ ऋतिक रोशन नजर आएंगे।

'नो एंट्री' के सीक्वल में हुई तमन्ना की एंट्री वरुण धवन-दिलजीत भी आएंगे नजर

बॉलीवुड की यादगार कॉमेडी फिल्मों में शुमार 'नो एंट्री' का अब अगला भाग बनने की तैयारी में है। पिछले काफी वक्त से फैंस 'नो एंट्री' के सीक्वल का इंतजार कर रहे थे, लेकिन अब अंततः ये होने जा रहा है। फिल्म को लेकर अब लगातार नई-नई जानकारियां भी सामने आ रही हैं। अब मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से एक और खबर सामने आ रही है कि 'नो एंट्री 2' में बॉलीवुड की इस खूबसूरत हसीना की भी एंट्री हो गई है।

कॉमेडी में तमन्ना की वापसी

'नो एंट्री 2' में अब इंडस्ट्री के बड़े सितारों की एंट्री हो रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब 'नो एंट्री 2' में बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया की भी एंट्री हो गई है। तमन्ना फिल्म में प्रमुख किरदार में नजर आ सकती हैं। इन रिपोर्ट्स की मानें तो यह तमन्ना की कॉमेडी में वापसी का प्रतीक है और वह इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

आदिति राव हैदरी के नाम की भी है चर्चा

मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसी चर्चाएं भी हैं कि फिल्म में तमन्ना के अलावा आदिति राव हैदरी भी एक और फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी। हालांकि, अभी इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन तमन्ना और अदिति को लेकर मीडिया में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

पूरी नई कास्ट की होगी एंट्री

'नो एंट्री 2' की स्टारकास्ट की बात करें तो फिल्म में वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में होंगे। इस तिकड़ी को एक प्रॉपर कॉमेडी फिल्म में एकसाथ देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं। हालांकि, लोगों को उम्मीद थी कि 'नो एंट्री 2' में साल 2005 में आई 'नो एंट्री' की ही असली कास्ट वापस आएगी। जिसमें सलमान खान, फरदीन खान और अनिल कपूर प्रमुख भूमिकाओं में थे। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि फिल्म में नई कास्ट ही नजर आएगी।

पलक तिवारी के साथ डेटिंग पर इब्राहिम ने तोड़ी चुप्पी

कहा-वो मेरी बहुत अच्छी दोस्त है

इब्राहिम अली खान अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं। उनका नाम अक्सर एक्ट्रेस पलक तिवारी के साथ जोड़ा जाता है। अब हाल ही में इब्राहिम ने आखिरकार पलक को डेट करने की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा हम बहुत अच्छे दोस्त हैं।

फिल्मफेयर मैगजीन से बातचीत के दौरान जब इब्राहिम अली खान से उनके और पलक तिवारी के रिलेशनशिप स्टेट्स के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'पलक मेरी बहुत ही अच्छी दोस्त है। वह बहुत स्वीट है, बस यही कहूंगा।'

दीपिका पादुकोण पर था इब्राहिम को क्रश

इब्राहिम ने आगे बताया कि वह बड़े हो रहे थे, तब उन्हें दीपिका पादुकोण पर क्रश था। उन्होंने कहा, 'मुझे याद है मैं सात या आठ साल का था। मेरे पापा यूके में इम्तियाज अली की फिल्म 'लव आज कल' की शूटिंग कर रहे थे। और मैं सोच रहा था, वाओ... दीपिका पादुकोण। तभी मुझे पहली बार क्रश हुआ था। मैं बहुत छोटा था और दीपिका के लिए पागल था। मैं बस यही चाहता था कि एक बार दीपिका को देख लूं। और तभी मुझे समझ आया कि मेरे पापा कितने बड़े एक्टर हैं कि दीपिका पादुकोण उनके साथ फिल्म कर रही थीं।'

लंबे समय से है इब्राहिम-पलक के बीच अफेयर की चर्चा

बता दें, इब्राहिम और पलक को कई बार एक-दूसरे के साथ स्पॉट किया गया है। लेट नाइट पार्टी हो या साथ में फिल्म देखने जाना हो अक्सर दोनों साथ में ही नजर आते हैं। कई बार पलक को लोगों से प्रोटेक्ट करते हुए भी इब्राहिम अली खान को देखा गया था।

'नादानियां' से इब्राहिम ने किया था डेब्यू

अमृता सिंह और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने फिल्म 'नादानियां' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। उनकी पहली ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी, जिसमें उनके अपोजिट खुशी कपूर ने काम किया था।

पहली बार रजनीकांत के साथ नजर आएंगे आमिर खान : नागार्जुन भी हैं फिल्म का हिस्सा

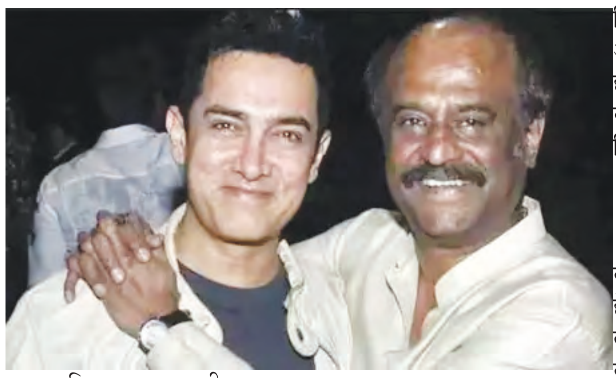

आमिर खान पहली बार साउथ एक्टर रजनीकांत और नागार्जुन के साथ नजर आएंगे। आमिर अब बॉलीवुड के बाद साउथ इंडस्ट्री में भी डेब्यू कर रहे हैं। एक्टर जल्द ही साउथ की फिल्म कुली में रजनीकांत और नागार्जुन के साथ नजर आने वाले हैं।

रजनीकांत की फिल्म कुली काफी बज में है। इस फिल्म में रजनीकांत, नागार्जुन के अलावा कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के एक्टर उपेंद्र भी नजर आएंगे। उपेंद्र ने फिल्म में आमिर की एंट्री कंफर्म की है। इस फिल्म में आमिर खान कैमियो रोल में नजर आएंगे।

कन्नड़ एक्टर ने बताया आमिर हैं फिल्म का हिस्सा

कन्नड़ एक्टर उपेंद्र राव ने हाल ही में अपनी फिल्म 45 को प्रमोट करते टाइम अपकमिंग फिल्म कुली के बारे में भी बात की। इस दौरान एक्टर ने रजनीकांत के साथ काम करने का एक्सपीरियंस भी शेयर किया। उन्होंने बताया कि फिल्म कुली में आमिर खान की भी एंट्री होने वाली है। हालांकि वह बस कैमियो रोल में दिखेंगे।

रजनीकांत के साथ काम मिलने से खुश हैं उपेंद्र

उपेंद्र अपनी फिल्म 45 को प्रमोट करने के लिए हैदराबाद में थे। इस दौरान उन्होंने रजनीकांत की फिल्म कुली के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्होंने रजनीकांत की वजह से ही फिल्म के लिए हां कही। उन्होंने रजनीकांत को द्रोणाचार्य बताया और खुद को एकलव्य। एक्टर ने कहा, 'मैंने कुछ और नहीं मांगा। लोकेश (डायरेक्टर) आए और कहानी सुनाई, लेकिन रजनीकांत के साथ खड़े होना ही मेरे लिए काफी है। वो मेरे लिए द्रोणाचार्य हैं। मैं शुक्रगुजार हूं।'

'कुली' 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित फिल्म कुली 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म कुली में रजनीकांत नेगेटिव रोल में दिखाई देंगे। इस फिल्म में रजनीकांत के अलावा उपेंद्र राव लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं इस फिल्म में श्रुति हासन , सत्यराज, सौबिन शाहिर समेत कई कलाकार भी नजर आने वाले हैं।

जिम में पसीना बहाते हुए अचानक भावुक हुईं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर जिम में पसीना बहाते हुए अपनी फोटोज-वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। अब आलिया ने जिम में पसीना बहाते हुए अपना एक और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। साथ ही ये भी खुलासा किया है कि वो आखिर क्यों जिम में अचानक भावुक हो गईं।

जिम में जबरदस्त कसरत कर रहीं आलिया

आलिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में आलिया जिम में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते दिख रही हैं। जिसमें वो एक रॉड का उपयोग करके अपने हाथ और सीने की कसरत करते हुए ऊर्जा से भरपूर दिखाई दे रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए आलिया ने कैप्शन में लिखा, "मुझे यकीन नहीं था कि मैं कर पाऊंगी या नहीं। लेकिन फिर मैंने किया। और अब मैं इसे लेकर संदिग्ध रूप से भावुक हूं।"

वीडियो में आलिया भट्ट को हर दिन पूरी मेहनत से जिम करते हुए दिखाया गया है, जो फिटनेस के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। अभिनेत्री ने हनुमानकाइंड का ट्रेंडिंग गाना 'रन इट अप' भी वीडियो के साथ लगाया है।

आखिरी बार 'जिगरा' में नजर आई थीं आलिया

वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट आखिरी बार फिल्म 'जिगरा' में नजर आई थीं। इसके अलावा आलिया जल्द ही संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' और यशराज फिल्म की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' में दिखाई देंगी। दोनों फिल्मों की शूटिंग चल रही है। इन दोनों ही फिल्मों को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है।

उर्वशी रौतेला ने तमन्ना भाटिया के गाने की बुराई की!

तमन्ना भाटिया फिल्म रेड 2 के गाने नशा में नजर आई हैं। ये गाना हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे फैंस की जमकर तारीफें मिल रही हैं। इसी बीच उर्वशी रौतेला ने नशा गाने की तुलना अपने हालिया रिलीज गाने सॉरी बोल से की, हालांकि उन्होंने एक पोस्ट में तमन्ना के गाने को अपने गाने से कमतर बताया है।उर्वशी रौतेला ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में यूट्यूब का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया था। तस्वीर में वैसे तो हर कोई उर्वशी के जाट फिल्म के गाने सॉरी बोल की तारीफ कर रहा था, हालांकि इसी बीच एक फैन ने लिखा, ये गाना नशा गाने से बेहतर है। उर्वशी ने फैन का कमेंट ऑफिशियल अकाउंट पर शेयर कर अपनी तारीफ के बीच दबे शब्दों में तमन्ना भाटिया के गाने नशा की आलोचना कर दी। हालांकि कुछ समय बाद ही गलती का एहसास होने पर उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी। लेकिन तब तक उनकी पोस्ट के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके थे।

कुछ समय पहले कियारा आडवाणी की कर दी थी बेइज्जती

उर्वशी रौतेला ने हाल ही में अपनी फिल्म डाकू महाराज और कियारा आडवाणी की फिल्म गेम चेंजर की तुलना कर एक्ट्रेस की बेइज्जती की थी। उन्होंने वरिंदर चावला के पेज को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि उनके पास कई मैसेज आ रहे हैं, जिनमें लोग कह रहे हैं कि उर्वशी की फिल्म हिट है और कियारा की फिल्म डिजास्टर निकली है। उर्वशी ने कहा था कि अगर उनकी फिल्म की वजह से कियारा की फिल्म फ्लॉप हुई है तो इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। हालांकि इस बयान के चलते उन्हें काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। फिल्म जाट की बात करें तो ये 10 अप्रैल को रिलीज हुई है। फिल्म में सनी देओल, रणदीप हुड्डा, सयामी खेर अहम किरदारों में हैं। उर्वशी रौतेला इस फिल्म के गाने में स्पेशल अपीयरेंस में नजर आई हैं।

'विवेक दहिया संग रोमांस करना था सपना': सुरभि चंदना

'इष्टम' म्यूजिक वीडियो में विवेक दहिया और साउथ एक्ट्रेस अनायरा गुप्ता की जोड़ी नजर आई। इस गाने को टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने प्रोड्यूस किया है।

सुरभि एक्टिंग से प्रोड्यूसिंग तक का सफर तय कर रही हैं। उनके लिए यह एक नया अनुभव था। दैनिक भास्कर से बातचीत में सुरभि ने बताया कि प्रोड्यूसर बनने की प्रोसेस आसान नहीं थी। उन्होंने कहा कि सेट पर जो कुछ भी सीखा, वही आज उनके काम आ रहा है।

बातचीत के दौरान सुरभि ने ये भी बताया कि विवेक के साथ काम करना उनकी विशलिस्ट में था। वहीं, विवेक और अनायरा ने भी इस म्यूजिक वीडियो से जुड़ी अपनी एक्साइटमेंट शेयर की। उन्होंने शूटिंग के कुछ मज़ेदार किस्से भी बताए।

सुरभि के लिए इस गाने की खासियत उसका फ्यूजन है। वह कहती हैं, 'इसमें मलयालम और साउथ कल्चर को बहुत खूबसूरती से मिलाया गया है। इसमें एक लड़का है जो राजस्थान से है और साउथ के विज़ुअल्स और म्यूजिक का बेहतरीन मिक्स किया गया है। गाने के लिरिक्स आधे मलयालम में हैं। बाकी हिस्से में हिंदी और राजस्थानी का तड़का है।'

प्रोड्यूसर बनने का अनुभव और सीखने का प्रोसेस

सुरभि ने प्रोड्यूसर बनने के अपने सफर को चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा, 'प्रोड्यूसर बनना आसान बिलकुल नहीं था। इसमें कोई तय रास्ता नहीं होता, हर कदम पर कुछ नया सीखना और कई बार खुद से लड़ना पड़ता है। एक्टिंग में सिर्फ कैमरे के सामने खुद को साबित करना होता है, लेकिन प्रोड्यूसर बनने के बाद हर छोटी-बड़ी चीज की जिम्मेदारी आपके कंधों पर आ जाती है। जो कुछ भी मैंने टेलीविजन सेट्स पर सालों में सीखा था, वही आज मेरी सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आया है। ये सफर मुझे खुद को नए सिरे से समझने का मौका दे रहा है।'

वह विवेक और अनायरा के साथ काम करने के अनुभव को भी खास मानती हैं । उन्होंने कहा, 'मैं इन दोनों का धन्यवाद करना चाहती हूं, क्योंकि उनके साथ काम करना बहुत टाइट शेड्यूल के बावजूद बिना किसी शिकायत के हुआ।'

इसके अलावा, सुरभि ने अपने पति करण को भी धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें हमेशा प्रेरित किया। सुरभि का कहना है, 'अब भी बहुत कुछ सीखने को है, लेकिन जो कुछ सीखा है, उससे एक किताब भी लिखी जा सकती है।'

विवेक का अनुभव और शूटिंग के मजेदार पल

विवेक गाने की शूटिंग के बारे में बताते हुए कहते हैं, 'हमेशा जो याद रखने वाली बात है, वो फर्स्ट डे था जब ब्रेक हुआ था। बाहर से जो खाना आया था, वो इतने टेस्टी था, इतने जबरदस्त था, मुझे अभी भी कभी-कभी उसका टेस्ट आता है।

हर एक मोमेंट स्पेशल है, क्योंकि जब आप अच्छे लोगों के साथ काम करते हो, तो हर एक मिनट जो लोकेशन पर बिताते हो, वो एक आशीर्वाद जैसा होता है। मैंने इनसे कहा था - यार, 5 मिनट में हमने बना लिया, अब एक घंटा 25 मिनट और बना लेते हैं पिक्चर को।

विवेक के साथ काम करने की ख्वाहिश और कैमिस्ट्री का जादू

सुरभि ने विवेक के साथ काम करने की इच्छा को लेकर कहा, 'विवेक को मैं बहुत पहले से जानती हूं। जब मैं 'इश्कबाज' कर रही थी, तब एक अवार्ड फंक्शन में हमारी जोड़ी ने सबका ध्यान खींचा था। उस वक्त विवेक किसी दूसरे शो का हिस्सा थे। मुझे लगा कि हमारी कैमिस्ट्री बहुत खास हो सकती है। उसी दिन से मैंने सोचा था कि जब भी मौका मिलेगा, विवेक के साथ जरूर स्क्रीन शेयर करूंगी। उनकी परफॉर्मेंस और स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी सब कुछ परफेक्ट था। आखिरकार अब वह सपना पूरा हुआ।

आगे की प्लानिंग और यूट्यूब पर ध्यान

सुरभि ने अपनी भविष्य की योजनाओं को लेकर कहा, 'मैं चाहती हूं कि मेरा म्यूजिक डिवीजन 'फील गुड ओरिजिनल' धीरे-धीरे ऑटो पायलट मोड में चले। मेरा फोकस यूट्यूब पर है, क्योंकि यह एक बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है। विवेक मुझे बताते रहते हैं कि यूट्यूब पर कितना बड़ा मार्केट है। हमने कुछ आइडियाज भी डिस्कस किए थे, जिसमें नए टैलेंट को लाकर कुछ खास किया जाए। मुझे छोटे-छोटे शोज और कहानियां बतानी हैं, लेकिन अभी बहुत कुछ सीखने को है, यह सिर्फ शुरुआत है, बहुत लंबा रास्ता है।'

सागरिका घाटगे और पूर्व क्रिकेटर जहीर खान बने माता-पिता

क्रिकेटर जहीर खान और एक्ट्रेस सागरिका घाटगे माता-पिता बन गए हैं। सागरिका ने बेबी बॉय को जन्म दिया है। इस खुशखबरी को कपल ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ शेयर किया है। साथ ही उन्होंने अपने बेबी बॉय का नाम भी रिवील किया है। फैंस और सेलेब्स दोनों ही कपल को ढेरों बधाइयां दे रहे हैं। सागारिका ने अपने इंस्टाग्राम पर पति जहीर खान और बेटे के साथ तस्वीर पोस्ट की है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'उनके घर बेबी बॉय का आगमन हुआ है, जिसका नाम फतेहसिंह खान है।'

दोस्तों और फैंस ने दी बधाइयां

कपल की इस पोस्ट पर दोस्तों और फैंस की ओर से ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। सुरेश रैना, हरभजन सिंह, आथिया शेट्टी और डायना पेंटी सहित कई हस्तियां उन्हें शुभकामनाएं दे रही हैं।

फिल्म चक दे इंडिया में आई थीं नजर

सागरिका घाटगे फिल्म 'चक दे इंडिया' में नजर आई थीं। वहीं, एक्ट्रेस ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर जहीर खान से 23 नवंबर, 2017 को कोर्ट मैरिज की थी। इनकी लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। जहीर मुस्लिम हैं और सागरिका मराठी इसलिए दोनों के लिए इंटरकास्ट मैरिज करना उनका लिए आसान नहीं था। एक इंटरव्यू में सागरिका ने बताया था कि उनके परिवार का हर सदस्य सिर्फ क्रिकेट ही नहीं बल्कि हर खेल का फैन हैं। इसके अलावा जहीर खान मराठी भी अच्छी बोल लेते हैं। चूंकि सागरिका की फैमिली मराठी बैकग्राउंड से है और जहीर भी मराठी बोल लेते हैं, तो यह खूबी जहीर खान के फेवर में काम कर गई।

'सिकंदर' की ट्रोलिंग पर अक्षय ने सलमान को किया सपोर्ट

एक्टर ने ट्रोलर्स की फटकार लगाई, बोले- टाइगर जिंदा है और हमेशा रहेगा

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म केसरी 2 को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच उन्होंने सलमान खान के काम की तारीफ की और एक्टर को सपोर्ट किया है। सिकंदर के रिलीज होने के बाद सलमान को ट्रोल किया जा रहा था। कोई कह रहा था कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पा रही। तो कई लोग कह रहे थे कि सलमान खान अब बूढ़े हो गए हैं। इन्हीं सब पर अब अक्षय ने ट्रोलर्स की फटकार लगाई है।

सलमान टाइगर है और हमेशा रहेगा- अक्षय

अक्षय से हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में पूछा गया कि आज कल बड़े स्टार्स की फिल्में नहीं चल रही हैं। सलमान खान की 'सिकंदर' भी नहीं चली। इस पर आपका क्या कहना है?' अक्षय ने जवाब में कहा, 'यह गलत बात है। ऐसा हो ही नहीं सकता है। टाइगर जिंदा है और हमेशा रहेगा। सलमान एक ऐसी नसल का टाइगर है जो जिंदगी में कभी मर नहीं सकता। वो मेरा दोस्त है, वो हमेशा रहेगा।'

सोशल मीडिया पर फैंस ने की अक्षय की तारीफ

अक्षय कुमार का सलमान खान को सपोर्ट करना फैंस को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस अक्षय की काफी तारीफ कर रहे है। साथ ही दोनों की दोस्ती को लेकर भी काफी बातें हो रही है। यूजर कमेंट कर के दोनों को फिर से साथ काम करने लिए भी कह रहे हैं।

फिल्म केसरी 2 में नजर आएंगे अक्षय

अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म केसरी 2 की बात करे तो यह फिल्म 18 अप्रेल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म केसरी 2 के चलते अक्षय कुमार प्रमोशनल इवेंट से बिजी हैं। फिल्म में अक्षय के अलावा आर माधवन और अनन्या पांडे भी नजर आएंगे।

'सिकंदर' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

वहीं, बात करें सलमान खान और रश्मिका मंदाना की 'सिकंदर' की तो यह 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। पहले दिन इस फिल्म ने 26 करोड़ रुपए की कमाई की थी। अब इस फिल्म को रिलीज हुए 17 दिन हो गए हैं। 17 दिनों में 'सिकंदर' ने 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर दिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने 109.56 करोड़ रुपए की कमाई कर डाली है।

बिग बी बोले- संस्कारों की बातें युवा पीढ़ी को सिखाना बेहद जरूरी

अमिताभ बच्चन ने हाल ही में नई पीढ़ी को संस्कार सिखाने की अहमियत पर अपने विचार साझा किए। 82 साल के इस दिग्गज अभिनेता का मानना है कि आज के तेजी से बदलते दौर में पारंपरिक मूल्यों का महत्व कम होता जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें युवाओं को नैतिकता और सांस्कृतिक मूल्यों की शिक्षा देनी चाहिए। आइए जानते हैं अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में क्या कहा?

हर दिन कुछ नया सीखना जिंदगी को करता है समृद्धः अमिताभ

अमिताभ ने अपने ताजा ब्लॉग में लिखा, ₹हर दिन कुछ नया सीखना जिंदगी को समृद्ध करता है। यह सीख युवाओं से, नई पीढ़ी से या किसी भी पीढ़ी से आ सकती है, लेकिन इसका मूल्य सिर्फ भौतिक नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक भी होता है। बिग बी के मुताबिक संस्कार वह शक्ति है जो हमारे व्यवहार को दिशा देती है। यह वह शिक्षा है जो हमें हमारे पूर्वजों ने अपने व्यवहार, मार्गदर्शन और आचरण से दी।

बिग बी ने समय के महत्व पर की बात

उन्होंने संस्कार को जीवन की शोभा बताया, जो हमें यह सिखाता है कि कब और कहां कैसा व्यवहार करना चाहिए। अमिताभ ने लिखा, ₹संस्कार हमारे जीवन को अंत तक प्रभावित करते हैं। यह सिर्फ इंसानों तक सीमित नहीं, बल्कि हर प्राणी और पर्यावरण तक फैला है। अमिताभ ने समय के महत्व पर भी बात की। उन्होंने कहा, जब समय कम होता है तो हम सबसे ज्यादा काम कर लेते हैं, लेकिन जब समय की कमी नहीं होती तो काम शुरू ही नहीं होता। अमिताभ के मुताबिक हम अक्सर कहते हैं कि 'कल करेंगे', लेकिन वह 'कल' कभी नहीं आता। इस आलस्य को वह क्षमा लायक नहीं मानते हैं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह भी कई बार समय के इस जाल में फंस जाते हैं, लेकिन वह अपने दिमाग की इस लड़ाई को जीतने की कोशिश करते हैं।

संस्कारों की कमी चिंता का विषय

अमिताभ का मानना है कि आज के दौर में संस्कारों की कमी चिंताजनक है। उन्होंने नई पीढ़ी को यह संदेश दिया कि हमें अपने मूल्यों को जीवित रखना होगा। उन्होंने कहा, ₹संस्कार वह शक्ति है जो हमें सही रास्ता दिखाती है। इसे अपनाने से ही हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं।

इस फिल्म में पर्दे पर दिखे थे अमिताभ

वर्क फ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन हाल ही में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म 'वेट्टैयन' में नजर आए थे।

इस फिल्म में उन्होंने फहाद फासिल और राणा दग्गुबाती के साथ भी स्क्रीन साझा किया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

बड़ी बहन के रिश्ता तोड़ने के 5 दिन बाद नेहा कक्कड़ ने बनवाया भाई टोनी के नाम का टैटू

बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ का बहन सोनू कक्कड़ के रिश्ते के बीच तनाव का माहौल है। हाल ही में सोनू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके जानकारी शेयर की कि उन्होंने अपने भाई-बहन के साथ रिश्ते को खत्म कर लिया है। इसी बीच अब नेहा ने अपनी सफलता का क्रेडिट भाई टोनी को दिया है। उनका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे लेकर माना जा रहा है कि नेहा ने बड़ी बहन सोनू को उनका जवाब दिया है। चलिए बताते हैं नेहा ने क्या कुछ कहा। दरअसल, हाल ही में बड़ी बहन सोनू कक्कड़ ने भाई टोनी और बहन नेहा के साथ रिश्ता तोड़ने का ऐलान किया और सोशल मीडिया पोस्ट पर रिश्ता खत्म करने की जानकारी दी।

हालांकि, बाद में उन्होंने इस पोस्ट को डिलीट भी कर दिया। अब इस मनमुटाव के 5 दिन बाद नेहा कक्कड़ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। ये वीडियो शेयर कर सिंगर ने भाई को सरप्राइज गिफ्ट दिया। उन्होंने अपनी बांह पर भाई टोनी टक्कड़ और अपने नाम का टैटू बनवाया। इस टैटू में दो हाथ बनवाए गए हैं, जिसमें एक-दूसरे की छोटी उंगली मिलाए दिख रहे हैं। एक हाथ के नीचे TK और दूसरे के नीचे NK लिखा है।

टोनी कक्कड़ के बर्थडे पर नेहा इस टैटू को फ्लॉन्ट करती हैं। वहीं, जब टोनी इस टैटू को देखते हैं तो उनका मुंह खुला का खुला रह जाता है। वो कहते हैं कि लोग अपने लाइफ पार्टनर का टैटू करवाते हैं।

टोनी और नेहा एक-दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हैं। वहीं, नेहा कक्कड़ वीडियो में अपनी सफलता का क्रेडिट भाई टोनी को देती हैं। वो कहती हैं कि आज वो जो कुछ भी हैं, वो सब उनके भाई टोनी की वजह से है। इस पूरे वीडियो में सोनू कहीं नहीं दिखीं।

लोगों ने लगाई नेहा की क्लास

इसके साथ ही नेहा कक्कड़ के वीडियो पर लोगों के भी शानदार रिएक्शन देखने के लिए मिल रहे हैं। जहां फैंस नेहा को सपोर्ट कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स हैं, जो सोनू कक्कड़ से इस वीडियो जोड़कर नेहा की क्लास लगा रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि नेहा ने ऐसा सोनू कक्कड़ को जलाने के लिए किया है।

साथ ही कुछ लोगों ने पुराने दिनों को याद करवाया और कहा कि नेहा भूल गईं कि वो बड़ी बहन सोनू से जगराते नें गाना गाना सीखती थीं। बहुत से यूजर्स सोनू कक्कड़ को सपोर्ट कर रहे हैं और नेहा की जमकर क्लास लगा रहे हैं। यहां तक कि उनकी इस हरकत को लोगों ने चीप तक बता दिया। हालांकि, नेहा और टोनी कक्कड़ का इस विवाद को लेकर अभी तक कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है।

जाट की सफलता के बाद माइथ्री मूवी मेकर्स का बड़ा एलान, लेकर आएंगे 'जाट 2'

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की एक्शन ड्रामा फिल्म 'जाट' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म की रिलीज को अभी हफ्ता भरा ही हुआ है कि फिल्म मेकर्स से इसके सीक्वल की घोषणा भी कर दी है, जिसका टाइटल होगा 'जाट 2'।

माइथ्री मूवी मेकर्स ने एक्स पर जाट के सीक्वल की जानकारी देते हुए एक पोस्टर जारी किया है, जिस पर बोल्ड अक्षरों में जाट 2 लिखा दिखाई दे रहा है। माइथ्री मूवी मेकर्स ने एक्स पर इस एक तस्वीर के साथ लिखा, जाट बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद आराम नहीं कर रहा है। वह एक नए मिशन पर है। इस बार, मास बड़ा, बोल्ड और वाइल्ड होगा #जाट 2 एक्शन सुपरस्टार अभिनीत सनी देओल। फिल्म का निर्देशन गोपीचंद करेंगे। फिल्म का निर्माण मिथ्री ऑफिशियल और पीपल मीडिया एफसीवाई करेगा।"

जाट 2 की स्टारकास्ट

एक्स अकाउंट पर माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा पोस्ट पर खासतौर पर सनी देओल का नाम बोल्ड अक्षरों में लिखा दिखाई दे रहा है, जिससे यह साफ होता है कि 'जाट' के सीक्वल में सनी देओल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, इस पोस्ट के साथ फिल्म की बाकी स्टार कास्ट के बारे में कोई जानकारी शेयर नहीं की गई है। इस फिल्म में रणदीप हुड्डा होंगे या नहीं इस बात का भी खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। बहरहाल, फिल्म जाट के सीक्वल की घोषणा से सनी देओल के फैंस बेहद खुश हैं और इस फिल्म को लेकर अधिक जानकारी की उम्मीद कर रहे हैं।

हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा साथ आयेंगे नजर

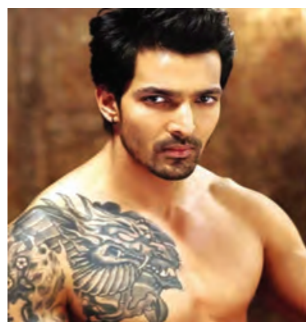

'सत्यमेव जयते', 'मस्ती 4' और 'मरजावां' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी एक और दमदार फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसकी शूटिंग लोकेशन की एक तस्वीर उन्होंने शेयर की और साथ ही फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया है।

देसी मूवी फैक्ट्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक क्लैप बोर्ड की तस्वीर दिखाी दे रही है, जो साफतौर शूटिंग लोकेश की लग रही है। सामने समुद्र के अलावा एक बड़ा ब्रिज भी दिखाई दे रहा है। इस क्लैप बोर्ड पर लिखा है पहले दिन के पहले शॉट का पहला टेक। इसके साथ फिल्म मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, 'संगीत चार्ट पर धूम मचाने के बाद, सिनेमा की दुनिया में अपना पहला कदम रखने की घोषणा करते हुए हमें बहुत गर्व हो रहा है> सीटी, ताली, मसाला, संगीत, रोमांस के साथ हम अंशुल गर्ग की "प्रोडक्शन नंबर 1" प्रस्तुत करते हैं, जिसके सह-निर्माता राघव शर्मा हैं, जिसे मिलाप मिलन जावेरी ने लिखा और निर्देशित किया है, जिसमें हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में हैं और सह-लेखक मुश्ताक शेख हैं। यह 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।'

सेलेब्स ने हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा को दी फिलम की बधाई

आज कुछ ही देर पहले हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की फिल्म की शूटिंग के पहले शैड्यूल की जानकारी फिल्म निर्माताओं ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी है, जिसके बाद इस पोस्ट पर कई सेलेब्स ने फिल्म के कलाकारों की शूटिंग शुरू होने की बधाई दी है। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने पोस्ट में लिखा, 'बधाई हो सोनम बाजवा, मिलाप, राघव शर्मा और अंशुल गर्ग को'। जैकलीन के अलावा अमायरा दस्तूर ने भी इस पोस्ट पर बधाई दी।

फिल्म 'फुले' पर चली सीबीएफसी की कैंची तो भड़के अनुराग कश्यप

एक्टर-डायरेक्टर अनुराग कश्यप अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वह किसी भी मुद्दे पर खुलकर अपनी राय देते हुए नजर आते हैं। अब एक बार फिर वह अपने इसी अंदाज की वजह से चर्चा में हैं। दरअसल, इन दिनों प्रतीक गांधी स्टारर फिल्म 'फुले' सुर्खियों में बनी हुई है, जो पहले 11 अप्रैल को रिलीज होनी थी, लेकिन एक समुदाय के विरोध के बाद इस फिल्म की रिलीज को टाल दिया गया। अब इसकी रिलीज डेट 25 अप्रैल कर दी गई है। वहीं, सीबीएफसी ने भी इसे 'यू' सर्टिफिकेट दिया है।

इसके साथ ही सेंसर बोर्ड ने निर्माताओं को इसमें कई संशोधन करने को भी कहा। अब इस पर अनुराग कश्यप भड़क गए हैं और उन्होंने इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी सारे पोस्ट भी किए हैं। साथ ही डायरेक्टर ने सरकार पर भी निशाना साधा है। चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है।

अनुराग कश्यप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया और उसमें सरकार पर निशाना साधा। डायरेक्टर ने लिखा, "धड़क 2 की स्क्रीनिंग में सेंसर बोर्ड ने बोला, मोदी जी ने इंडिया में कास्ट सिस्टम खत्म कर दिया है। उसी आधार पर 'संतोष' भी भारत में रिलीज नहीं हुई। अब ब्राह्मण को समस्या है फुले से। भैया, जब कास्ट सिस्टम ही नहीं है, तो काहे का ब्राह्मण।

या तो आप का ब्रह्मवाद अस्तित्व में ही नहीं है, क्योंकि मोदी जिनके हिसाब से इंडिया में कास्ट सिस्टम ही नहीं है? या सब लोग मिलके सबको बेवकूफ बना रहे हो। भाई, मिलके फैसला कर लो। भारत में जातिवाद है या नहीं। लोग बेवकूफ नहीं हैं.. आप ब्राह्मण लोग हो या फिर आप के बाप हैं जो ऊपर बैठे हैं, निर्णय लो। एक पोस्ट में अनुराग ने कहा, 'मेरी जिंदगी का पहला नाटक ज्योतिबा और सावित्री बाई फुले पर था।

रेप सीन के बाद दीया मिर्जा की हो गई थी बुरी हालत बोलीं- 'मैं कांप रही थी, 'मुझे उल्टियां होने लगी थी'

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा ओटीटी पर शानदार काम से एक बार फिर से स्क्रीन पर अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा रही हैं। आखिरी बार उन्हें 'धक धक' और 'नादानिया' में देखा गया था। इस महिला प्रधान फिल्म में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया था। वहीं, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आई वेब सीरीज 'काफिर' के जरिए भी एक्ट्रेस ने अपने काम के लिए काफी तारीफें बटोरी थी। ऐसे में अब इस सीरीज को नए अवतार में फिल्म के रूप में रिलीज किया जाएगा। इसकी कहानी एक पाकिस्तानी महिला की है, जिसे दीया मिर्जा ने ही प्ले किया है। फिल्म में उनके कैरेक्टर का नाम कैनाज होता है और नो गलती से बॉर्डर पार हिंदुस्तान चली जाती हैं, जिसके बाद तमाम मुश्किलें आती है। अब इस फिल्म की शूटिंग को ही लेकर दीया मिर्जा ने बात की है और बताया कि कैसे रेप सीन के दौरान वो कांप उठी थीं।

सीरीज 'काफिर' में कई दिल को दहला देने वाले सीन्स हैं, जिसके लिए दीया मिर्जा की क्रिटिक्स ने तारीफें भी की। उनके कई सीन्स ने दर्शकों को काफी इंप्रेस किया। उन्होंने बताया कि कई सीन्स ऐसे थे, जिसे करने के दौरान वो मानसिक रूप से बुरी तरह से टूट गई थीं। खासकर एक रेप सीन के दौरान। उनके लिए फिजिकली और मेंटली काफी टफ रहा था। दीया ने शोसा से बात करने के दौरान इसकी शूटिंग से जुड़ा किस्सा बताया है।

दीया ने 'काफिर' में रेप सीन की शूटिंग के दौरान के अनुभव के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्हें वो रेप वाला सीन आज भी याद है। उस सीन के दौरान वो फिजिकली बुरी तरह से कांप रही थीं। यहां तक कि एक्ट्रेस को इसके बाद उल्टियां तक आ रही थीं इस सीक्वेंसको पूरा करने के बाद उनको सच में उल्टियां आ रही थीं। उनके लिए वो हालात इमोशनली और फिजिकली काफी चुनौतीपूर्ण रहे थे। दीया कहती हैं कि जब उस किसी स्थिति को हकीकत में ले जाया जाता है तो उसे एक्टिंग के दौरान महसूस कर पाते हैं।

कैनाज के कैरेक्टर से दीया मिर्जा ने क्या सीखा?

दीया मिर्जा ने सीरीज 'काफिर' में अपने कैरेक्टर कैनाज को लेकर कहा कि उन्हें इससे काफी कुछ सीखने के लिए मिला है। उनका मानना है कि एक एक्टर के तौर पर सबसे पहली और सबसे जरूरी चीज जो फील करनी चाहिए वो है कि उस किरदार के प्रति लगाव होना चाहिए, जिसे स्क्रीन पर निभाया जाता है। ताकि स्क्रीन पर उस कैरेक्टर के जरिए कहानी को सच्चाई के साथ उतारा जा सके।

'केसरी 2' में पहली बार सीरियस रोल निभा रहीं अनन्या पांडे, क्या कर पाएंगी खुद को साबित

अनन्या पांडे ने साल 2019 में रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसी साल वो कार्तिक आर्यन और भूमि पेडनेकर के साथ फिल्म 'पति पत्नी और वो', 'ड्रीम गर्ल' में भी नजर आईं। शुरुआत में अनन्या पांडे की एक्टिंग लोगों को खास पसंद नहीं आई, लेकिन उनकी खूबसूरती और क्यूटनेस के लाखों फैन बन गए। धीरे-धीरे अनन्या पांडे की गाड़ी पटरी पर आई और उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदा से सबको अपना फैन बना लिया।

वैसे तो अनन्या पांडे ने अब तक प्यारी सी चुलबुली लड़की का किरदार निभाया है, मगर पहली बार वो एक गंभीर रोल निभाने जा रही हैं। हम बात कर रहे हैं फिल्म 'केसरीः चैप्टर 2' की, इसमें अनन्या पांडे ने जलियांवाला हत्याकांड के वक्त अहम भूमिका निभाने वाली वकील दिलरीत गिल का किरदार निभाया है। टीजर और ट्रेलर में अनन्या का लुक फैंस को काफी पसंद आया और ये अब तक का सबसे अच्छा किरदार लग रहा है। क्योंकि इसमें अनन्या काफी मैच्योर दिख रही हैं और उनका किरदार काफी दमदार है।

इस फिल्म में जलियांवाला बाग की हकीकत और उससे जुड़े एक महत्वपूर्ण केस दिखाया जा रहा है। फिल्म में अक्षय कुमार एडवोकेट सी शंकरन नायर का किरदार निभाया है, जिन्होंने ब्रिटिश सत्ता में कानूनी जंग लड़ी थी। वहीं आर माधवन अंग्रेजों की तरफ से कोर्ट में उनके सामने खड़े नजर आ रहे हैं। 'केसरी 2' की कहानी रघु पलत और पुष्पा पलत की किताब 'अ केस दैट शुक द एंपायर' से ली गई है।

अनन्या पांडे ने फिल्म 'गहराइयां' , 'खो गए हम कहां', सीटीआरएल और कॉमेडी सीरीज 'कॉल मी बे' में भी काम किया और इसके लिए भी फैंस ने उनकी काफी तारीफ की। मगर उन्हें एक दर्दनाक घटना के लिए केस लड़ने वाली वकील के रूप में देखना फैंस के लिए काफी अलग अनुभव होने वाला है। फिल्म में अपने किरदार और इसकी कहानी को लेकर अनन्या का क्या कहना है, ये उन्होंने खुद बताया है।

फिल्म करने के बाद अनन्या को समझ आई ये बात

अनन्या ने इसके बारे में बात करते हुए कहां, "स्क्रिप्ट पढ़ने और ऐतिहासिक बायोपिक मूवी में काम करने के बाद, मुझे भारत की आजादी के लिए हजारों लोगों के बलिदान के बारे में पूरी तरह से समझ में आया। युवा पीढ़ी के रूप में, हम अक्सर अपनी कीमती आजादी को हल्के में लेते हैं।"

पिता भी हुए भावुक

बेटी अनन्या को इस फिल्म में ऐसे रोल में देख पिता चंकी पांडे काफी इमोशनल हैं। उन्होंने कहा है, "जब मैंने अपनी टैलेंटेड बेटी अनन्या को एक गंभीर और बेहतरीन वकील के रूप में देखा तो मैं काफी इमोशनल हो गया।" उन्होंने इस फिल्म को हिस्टोरिकल लैंडमार्क बायोपिक बताया है। चंकी पांडे ने कहा कि उन्होंने 35 साल के करियर में कई ऐसी फिल्मों में काम किया, जिन्होंने इतिहास रच दिया, मगर उनकी बेटी ने महज 27 साल की उम्र में ऐतिहासिक बायोपिक में काम किया है और ये उनके लिए इमोशनल और गर्व करने वाली बात है।

इतने करोड़ की मालकिन हैं अनन्या पांडे

अनन्या पांडे ने बेहद कम उम्र में अच्छा नाम और पैसा कमाया है। उनकी नेटवर्थ की बात करें तो बताया गया है कि वो करीब 74 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं। वो महीने में 60 लाख रुपये कमाती हैं और साल में करीब 7 करोड़ कमाती हैं।

कितनी है अनन्या पांडे की फीस?

अनन्या पांडे कथित तौर पर अपनी हर फिल्म के लिए करीब 3 करोड़ रुपये लेती हैं। वे ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए भी कमाई करती हैं, जिसमें हर एंडोर्समेंट 60 लाख रुपये चार्च करती हैं।

बता दें कि फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' सच्ची घटना 1919 के क्रूर जलियांवाला बाग हत्याकांड पर आधारित है। इसका टीजर और ट्रेलर बहुत दमदार है। फिल्म का निर्देशन करण त्यागी ने किया है और इसका निर्माण करण जौहर ने किया है। ये फिल्म 18 अप्रैल को थिएटर में दस्तक देगी। ये फिल्म साल 2019 में आई 'केसरी' का सीक्वल है। उस फिल्म को भी क्रिटिक्स और दर्शकों की तरफ से अच्छे रिव्यू मिले थे।

चीन क्लीन बोल्ड, भारत के फेवर में मैच...

सुपरपावर बनना पक्का, बाजार का इशारा समझिए

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के साथ चीन बेहद खराब व्यापार युद्ध में उलझ चुका है। एक-दूसरे के खिलाफ चीन और अमेरिका ने टैरिफ की ऊंची दीवारें खड़ी कर दी हैं। टैरिफ की दरें इतनी ज्यादा हैं कि अमेरिका का चीन में और चीन का अमेरिका में वस्तुओं को बेच पाना करीब-करीब नामुमकिन हो गया है। अब किसी को समझ नहीं आ रहा है कि यह व्यापार युद्ध किस लेवल तक जाएगा। अमेरिका पूरी तरह से चीन के दबदबे को खत्म कर देना चाहता है। अपनी अक्रामकता के कारण अमेरिकी मैदान में ड्रैगन क्लीन बोल्ड हो चुका है। हालांकि, इस ट्रेड वॉर ने भारत के फेवर में मैच कर दिया है। भारतीय शेयर बाजार भी इस ओर इशारा कर रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध को भारत के लिए अनुकूल अवसर के रूप में देख रहा है। चार कारोबारी सत्रों में ग्लोबल रुझानों के विपरीत बाजार में आई तेजी इस विश्वास को दर्शाती है। यह दिखाता है कि भारत इस भू-राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य का फायदा उठाने की स्थिति में है। निवेशकों और नीति निर्माताओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण संकेत है कि वे इस अवसर को भुनाने के लिए सही कदम उठाएं।हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि बाजार की धारणाएं बदल सकती हैं। अन्य वैश्विक कारक भी भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए, सावधानीपूर्वक निगरानी और व्यापक आर्थिक नजरिया बनाए रखना जरूरी है। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स 1,509 अंक या 1.96% बढ़कर 78,553 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 414 अंक या 1.77% चढ़कर 23,851 पर पहुंच गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 4.33 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 419.33 लाख करोड़ रुपये हो गया। बैंकिंग शेयरों में तेजी, एफआईआई की खरीदारी, जापान और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता, डॉलर में कमजोरी और अमेरिकी टैरिफ छूट से बाजार को समर्थन मिला। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी महंगाई की चिंता कम हुई।अमेरिकी टैरिफ नीतियों और ग्लोबल अर्थव्यवस्था में मंदी की चिंता के बावजूद भारतीय बाजार तेजी के रथ पर सवार है। वहीं, दुनिया के तमाम बाजारों में इसके चलते भारी गिरावट है। यानी भारतीय बाजारों की तेजी ट्रेंड से बिल्कुल अलग है। अब ये भी समझने की कोशिश करते हैं कि ऐसा हुआ क्यों है।आमतौर पर भारतीय बाजार ग्लोबल बाजारों के साथ तालमेल बैठाते हैं। अगर वैश्विक बाजार में गिरावट होती है तो भारतीय बाजार में भी नकारात्मक रुझान देखने को मिलता है। लेकिन, पिछले चार सत्रों में यह ट्रेंड टूटा है। इसका मतलब है कि कुछ खास फैक्टर भारतीय बाजार को ऊपर की ओर धकेल रहे हैं। भले ही वैश्विक स्तर पर निगेटिविटी है।

चीन से बोरिया-बिस्तर समेट रही अमेरिकी कंपनियां

फायदा उठाने के लिए मोदी सरकार का प्लान तैयार

नई दिल्ली,17 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया की दो सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देशों अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर लगातार गहराता जा रहा है। अमेरिका ने चीनी माल पर 245% टैक्स लगा दिया है। ऐसी स्थिति में अमेरिकी कंपनियों के लिए चीन में सामान बनाना फायदे का सौदा नहीं रह गया है और वे चीन में अपना बोरिया बिस्तार समेटने की तैयारी में हैं। भारत सरकार इसे एक बड़े मौके के रूप में देख रही है। सरकार चाहती है कि ये कंपनियां भारत में आकर अपना कारोबार करें। इससे भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स, खिलौने और दवाइयों जैसे सेक्टरों में फायदा होगा। इकनॉमिक टाइम्स की एक खबर के मुताबिक सरकार भारतीय कंपनियों को भी अमरीका में कारोबार बढ़ाने में मदद करना चाहती है। हाल ही में सरकार ने इंडस्ट्री के लोगों के साथ मीटिंग की थी। इस मीटिंग में अमरीका में कारोबार बढ़ाने के तरीकों पर बात हुई। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारत और अमरीका के बीच व्यापार समझौता होने की उम्मीद है। इस बारे में बातचीत जल्द ही शुरू होने वाली है। पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात होगी और फिर मई के मध्य से आमने-सामने मीटिंग होने की संभावना है। भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री को इसमें एक बड़ा मौका दिख रहा है। अमरीका ने चीन से आने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स सामान पर ज्यादा टैक्स लगाया है। लेकिन भारत और 75 से ज्यादा देशों से आने वाले सामान पर टैक्स नहीं लगाया है। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक्स सामान पर नया टैक्स लगाएंगे। चीन में बने आईफोन जैसे स्मार्टफोन पर अमरीका में 20% टैक्स लगता है। वहीं, भारत में बने सामान पर कोई टैक्स नहीं है। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि सरकार को सावधानीपूर्वक योजना बनानी होगी ताकि अमरीका-चीन के बीच चल रहे व्यापार युद्ध का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाया जा सके। उनका कहना है कि अगर सही से योजना नहीं बनाई गई, तो वियतनाम इस मौके का सबसे ज्यादा फायदा उठा सकता है। वियतनाम अमरीका को सैमसंग के स्मार्टफोन और गैजेट्स का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। उसके पास भारत से ज्यादा मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन है। वियतनाम का अमरीका के साथ व्यापार ज्यादा है। साथ ही वहां ज्यादातर चीनी कंपनियों ने निवेश किया है। इसलिए भारत के लिए भी मौके हो सकते हैं। प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के कारण देश में इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के पास तीन पीएलआई स्कीम हैं। ये स्कीम स्मार्टफोन, लैपटॉप और सर्वर जैसे आईटी हार्डवेयर और इलेक्ट्रॉनिक्स पार्ट्स के लिए हैं। अभी, डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड इस बारे में बातचीत कर रहा है। जल्द ही दूसरे मंत्रालय भी इसमें शामिल होंगे। इंडस्ट्री के एक जानकार ने बताया कि सरकार ने 10-12 सेक्टरों की पहचान की है। इनमें इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिसिन, केमिकल, ऑटोमोबाइल, खिलौने, एयर कंडीशनर और अप्लायंसेज शामिल हैं। इन सेक्टरों में भारत को फायदा हो सकता है।

शेयर बाजार में बंपर उछाल; सेंसेक्स और 1500 अंक चढ़ा, निफ्टी 23800 के पार

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गुरुवार को लगभग 2 प्रतिशत की तेजी आई। पारस्परिक टैरिफ पर अमेरिका-जापान व्यापार वार्ता में सफलता की उम्मीद के बीच बाजार लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। इस दौरान, विदेशी निवेशकों के घरेलू शेयर बाजारों में लौटने से बाजार का रुझान सकारात्मक हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,508.91 अंक या 1.96 प्रतिशत उछलकर 78,000 के स्तर पर पहुंच गया। अंत में यह 78,553.20 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 1,572.48 अंक या 2.04 प्रतिशत बढ़कर 78,616.77 पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 414.45 अंक या 1.77 प्रतिशत बढ़कर 23,851.65 अंक पर पहुंच गया। गुरुवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 27 पैसे की बढ़त के साथ 85.37 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, सन फार्मा, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज सर्वाधिक लाभ में रहीं। टेक महिन्द्रा और मारुति में गिरावट दर्ज की गई।एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 3,936.42 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। मंगलवार को एफआईआई ने 6,065.78 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक, टोक्यो का निक्केई 225, शंघाई एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार नकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार काफी गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिका और जापान वर्तमान में पारस्परिक टैरिफ पर व्यापार वार्ता कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य जल्द से जल्द समझौता करना है।बाजार के जानकारों के अनुसार, आज लार्ज-कैप शेयरों में जोरदार तेजी देखी गई, जिसका मुख्य कारण वित्तीय क्षेत्र था। बचत जमा ब्याज दरों में बदलाव से मार्जिन में सुधार की उम्मीद से इस क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी दिखी। एफआईआई प्रवाह लौटने से बाजार में सकारात्मक भावना को और बल मिला। हालांकि विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में कब तक बने रहेंगे इसे लेकर अनिश्चितता अब भी बरकरार है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अमेरिका-चीन के बीच व्यापार तनाव से अपेक्षाकृत न्यूनतम व्यवधान की उम्मीद से बाजार को बल मिला है। इसके अलावे, महंगाई के नरम आंकड़ों से भी बाजार की धारणा बदली।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 06-01
सूर्यास्त - 18-29
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष मे	मेष---	05-48 बजे
चंद्र-	वृश्चिक मे	वृष---	07-32 बजे
मंगल	कर्क मे	मिथुन..	09-33 बजे
बुध-	मीन मे	कर्क---	11-45 बजे
गुरु-	वृष मे	सिंह---	13-57 बजे
शुक्र-	मीन मे	कन्या--	16-04 बजे
शनि-	मीन मे	तुला----	18-09 बजे
राहु-	मीन मे	वृश्चिक--	20-20 बजे
केतु-	कन्या मे	धनु......	22-34 बजे
		मकर....	00-39 बजे
		कुंभ....	02-29 बजे
		मीन....	04-08 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी 17-07 तक उपरान्त षष्ठी
मास - वैशाख कृष्ण , शुक्रवार 18 April
नक्षत्र - ज्येष्ठा 08-20 तक उपरान्त मूल
योग - परिघ 01-02 तक उप शिव
करण- तैतिल 17-07 तक उप गर
विशेष:- श्री मलूक दास ज.
व्रत-त्योहार - गुड फ्राइडे

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:41 से 12:16 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
चंचल 06:01 - 07:33 शुभ	रोग. 18:329 - 19:58 अशुभ
लाभ 07:33 - 09:07 शुभ	काल 19:58 - 21:23 अशुभ
अमृत 09:07 - 10:41 शुभ	लाभ 21:23 - 22:49 शुभ
काल 10:41 - 12:16 अशुभ	उद्वेग 22:49 - 00:15 अशुभ
शुभ 12:16 - 13:50 शुभ	शुभ. 00:15 - 01:41 शुभ
रोग 13:50 - 15:24 अशुभ	अमृत.01:41 - 03:07 शुभ
उत्पात 15:24 - 16:58 अशुभ	चंचल 03:07 - 04:33 शुभ
चंचल 16:58 - 18:29 शुभ	रोग. 04:33 - 06:01 अशुभ

चीन ने शुरू कर दिया भारत के साथ 'डर्टी गेम',अमेरिका ने टैरिफ बढ़ाया तो यहां करने लगा डंपिंग, बढ़ गया व्यापार घाटा

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। जिसका डर था, वही होने लगा है। अमेरिका की ओर से भारी टैरिफ लगाए जाने के बाद चीन ने अपना सामान भारत में डंप करना शुरू कर दिया है। चूंकि अमेरिका ने चीन पर टैरिफ बढ़ाकर 245 फीसदी कर दिया है, ऐसे में आशंका है कि चीन अपना सामान भारत में और ज्यादा खपा सकता है। वहीं दोनों देशों के बीच एक और चिंता सामने आई है। भारत और चीन के बीच व्यापार में बड़ा अंतर आ गया है। भारत और चीन के बीच पिछले वित्त वर्ष में व्यापार अंतर रिकॉर्ड 99.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।

चीन के साथ व्यापार घाटा लगभग 17% बढ़ गया है। पिछले वित्त वर्ष में यह 85.07 बिलियन डॉलर था। यानी भारत ने चीन से जितना सामान खरीदा, उससे बहुत कम बेचा। वहीं, भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार में 41.2 बिलियन डॉलर का सरप्लस यानी मुनाफा कमाया। यह जानकारी सरकारी आंकड़ों से मिली है।

अन्य देशों के साथ कैसा रहा व्यापार?

भारत का संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापार घाटा 26.79 बिलियन डॉलर और हांगकांग के साथ 13.64 बिलियन डॉलर रहा। ध्यान देने वाली बात है कि भारत को अपने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट वाले देशों जैसे यूएई ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और मलेशिया के साथ भी व्यापार घाटा हुआ। चीन से सामान ज्यादा आने का कारण है इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बैटरी, सोलर सेल और कुछ खास औद्योगिक सामान की मांग बढ़ना। इन चीजों के मामले में चीन का दबदबा है। भारत को डर है कि चीन इन सामानों को सस्ते दामों पर भारत में बेच रहा है। इसे 'डंपिंग' कहते हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आने वाले सामान पर भारी टैक्स लगाने की बात कही है। भारत इस पर नजर रख रहा है। भारत को लगता है कि इससे चीन अपना सामान भारत में डंप कर सकता है। यह सीधे भी हो सकता है या किसी तीसरे देश के जरिए भी। सरकार ने डंपिंग को रोकने के लिए एक निगरानी सिस्टम बनाया है। एक अधिकारी ने कहा कि चीन के अलावा, इंडोनेशिया और वियतनाम से आने वाले सामान पर भी नजर रखी जा रही है। एक एक्सपोर्ट इंडस्ट्री के प्रतिनिधि के अनुसार, चीन से आने वाले कई कच्चे माल की कीमत को 25% तक कम करके दिखाया जाता है। यानी, बिल में कीमत कम लिखी जाती है। सरकार इम्पोर्ट मॉनिटरिंग मैकेनिज्म बना रही है। इसका मकसद है कि अगर कोई देश भारत में सस्ते दामों पर सामान बेचता है, तो तुरंत कार्रवाई की जा सके।

18% से अधिक हिस्सेदारी गिरवी

टाटा की नाक में किसने कर रखा है दम

नई दिल्ली,17 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्ज में डूबे शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप ने एक बार फिर टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की लिस्टिंग की वकालत की है। इसके लिए उसने आरबीआई से मदद मांगी है। एसपी ग्रुप ने केंद्रीय बैंक से इस बारे में औपचारिक अनुरोध किया है। ग्रुप का कहना है कि टाटा संस की लिस्टिंग से सभी स्टेकहोल्डर्स को फायदा होगा। ग्रुप के पास टाटा संस में 18.37% हिस्सेदारी है और वह कंपनी में सबसे बड़ा माइनोरिटी स्टेकहोल्डर है। एसपी ग्रुप पर काफी कर्ज है और वह इसे चुकाने के लिए काफी संघर्ष कर रहा है। टाटा संस ने अपर लेयर कोर इनवेस्टमेंट कंपनी के तौर पर अपना रजिस्ट्रेशन कैंसल कराने का अनुरोध किया है। लेकिन एसपी ग्रुप का कहना है कि टाटा संस ने इस बारे में उसने नहीं बताया। उसका कहना है कि ऐसे अहम फैसले पर चर्चा में उसे शामिल किया जाना चाहिए था। आरबीआई और एसपी ग्रुप के प्रवक्ताओं ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सितंबर 2022 में आरबीआई ने टाटा संस को अपर लेयर नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया था। उसे सितंबर 2025 तक शेयर बाजार में लिस्ट होना होगा। आरबीआई भी टाटा संस के रजिस्ट्रेशन रद्द करने के आवेदन पर विचार कर रहा है। साथ ही वह लिस्टिंग से छूट देने के अनुरोध पर भी विचार कर रहा है। आरबीआई और एसपी ग्रुप के प्रवक्ताओं ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सितंबर 2022 में आरबीआई ने टाटा संस को अपर लेयर नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया था। उसे सितंबर 2025 तक शेयर बाजार में लिस्ट होना होगा। आरबीआई भी टाटा संस के रजिस्ट्रेशन रद्द करने के आवेदन पर विचार कर रहा है। साथ ही वह लिस्टिंग से छूट देने के अनुरोध पर भी विचार कर रहा है। एसपी ग्रुप आरबीआई के साथ बातचीत कर रहा है। वह स्टर्लिंग इन्वेस्टमेंट कॉर्प की बैलेंस शीट को लेकर चिंताओं को दूर करने में मदद करना चाहते हैं।

स्टर्लिंग इन्वेस्टमेंट कॉर्प समूह के 3.3 बिलियन डॉलर के फंड जुटाने में मदद कर रहा है। टाटा संस में एसपी ग्रुप की हिस्सेदारी की वैल्यू करीब 3 लाख करोड़ रुपये (35 बिलियन डॉलर) से अधिक है।

एसपी ग्रुप देश के सबसे पुराने औद्योगिक घरानों में से एक है। हाल के वर्षों में उसे वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उस पर बहुत अधिक कर्ज है जबकि नकदी की कमी है।

सोना पहली बार 95 हजार पर पहुंचा : मंदी की आशंका और शादी सीजन से बढ़ी मांग, अमेरिका-चीन टैरिफ वॉर का भी असर

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने के दाम ने आज यानी 17 अप्रैल को नया ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 331 बढ़कर 94,910 पर बंद हुआ। हालांकि सोना आज 95,207 पर ओपन हुआ था। इससे पहले बुधवार को 10 ग्राम सोने की कीमत 94,579 थी। वहीं चांदी की कीमत में आज गिरावट है। एक किलो चांदी की कीमत आज 1,424 गिरकर 95,151 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 96,575 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,460 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,310 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,200 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 97,310 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,310 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,360 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 89,200 रुपये है।

इस साल अब तक 18,748 रुपए महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 18,748 रुपए बढ़कर 95,207 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,134 रुपए बढ़कर 95,151 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
हालाँकि , आप ईमानदार और मेहनती हैं पर आज सफलता आपकी पहुंच से दूर रह सकती है । कुछ मामूली गलतियाँ आपको परेशान कर सकती है । आप अपने कार्यस्थल पर किसी भी विवाद से बचे । आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, ये दिन अपने दोस्तों के साथ आराम करने के लिए काफी ठीक रहेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, आज आप एक बुद्धिमान निर्णय लेंगे । सलाह आपका उचित मार्गदर्शन करेंगी , तो आज छोटे लाभ से संतुष्ट रहे । शेयर बाज़ार में लगे लोग आज बड़े शेयरों के निवेश से बचे । अपने भीतर की आवाज सुनकर अपने अंतर्ज्ञान से काम करे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी । आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे । आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं ,लेकिन आपको भविष्य की बेहतरी के लिए वर्तमान समय में कुछ आरामों को छोड़ना होगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं । लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं |दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं | अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है |घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है |

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं | वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है | आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं | इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे |इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं |

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो | लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी |अप्रत्याशित समस्याओं से काम कुछ समय के लिए रुक सकता है |

श्री पंचागली ज्योतिष केन्द्र

गौतम अडानी के 'तारणहार' ने आईटीसी में बढ़ाई हिस्सेदारी, खरीद लिए करोड़ों शेयर

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। एनआरआई निवेशक राजीव जैन की फर्म जीक्यूजी पार्टनर्स ने कोलकाता की कंपनी आईटीसी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। जीक्यूजी पार्टनर्स ने मार्च तिमाही में 4.9 करोड़ शेयर खरीदे हैं। इससे कंपनी में उनकी हिस्सेदारी 3.47% हो गई है। मार्च तिमाही के अंत में जीक्यूजी पार्टनर्स इमर्जिंग मार्केट्स इक्विटी फंड की आईटीसी में 1.96% हिस्सेदारी थी। तीसरी तिमाही में यह हिस्सेदारी 1.87% थी। इसके अलावा गोल्डमैन सैश ट्रस्ट II - गोल्डमैन सैक्स जीक्यूजी पार्टनर्स इंटरनेशनल अपॉर्चुनिटीज फंड के पास आईटीसी में 1.51% हिस्सेदारी थी। यह पिछली तिमाही से 30 बेसिस पॉइंट ज्यादा है। कुल मिलाकर आईटीसी में जीक्यूजी की हिस्सेदारी तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 3.08% से बढ़कर 3.47% हो गई है। इसका मतलब है कि जीक्यूजी पार्टनर्स ने आईटीसी में और ज्यादा निवेश किया है। चौथी तिमाही में आईटीसी में म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी 12.87% पर स्थिर रही। वहीं एफआईआई की होल्डिंग 40.17% से घटकर 39.87% रह गई। मार्च तिमाही में ए फ आ ई आ ई निवेशकों की संख्या भी 1675 से घटकर 974 हो गई। जनवरी में आईटीसी होटल्स को आईटीसी से अलग कर दिया गया था। अब आईटीसी होटल्स शेयर बाजार में एक अलग कंपनी के रूप में लिस्ट हो गई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह फैसला सभी शेयरधारकों के लिए फायदेमंद है। लेकिन आईटीसी के शेयरों का प्रदर्शन कैलेंडर ईयर 2025 में सेंसेक्स के मुकाबले कमजोर रहा है। आईटीसी के शेयर लगभग 7% गिरे हैं, जबकि सेंसेक्स में 1% की गिरावट आई है। पिछले महीने आईटीसी ने आदित्य बिड़ला रियल एस्टेट के साथ 3,500 करोड़ रुपये का सौदा किया था। इस सौदे में आईटीसी ने बिड़ला का पल्प और पेपर कारोबार खरीदा है। इससे आईटीसी को अपने पेपरबोर्ड और स्पेशियलिटी पेपर कारोबार को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

जनवरी-मार्च तिमाही में इंफोसिस का मुनाफा 12% कम हुआ

7,033 करोड़ रहा, रेवेन्यू 8% बढ़कर 40,925 करोड़ हुआ; 22 प्रति शेयर डिविडेंट देगी कंपनी

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सर्विस ब्रांड इंफोसिस को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 7,033 करोड़ रुपए का मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 11.75 % की कमी आई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 7,969 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी ने 40,925 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया। सालाना आधार पर इसमें 7.92% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले यानी क्यू 4 वित्तीय वर्ष23-24 में टेक कंपनी ने 37,923 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिलने वाला पैसा रेवेन्यू होता है। नतीजों के साथ इंफोसिस ने प्रति शेयर 22 रुपए लाभांश यानी डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरधारकों के देती हैं, इसे डिविडेंड या लाभांश कहा जाता है। तिमाही नतीजों से पहले इंफोसिस का शेयर आज गुरुवार (17 अप्रैल) को 1.03% की तेजी के बाद 1,427.70 के स्तर पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी का शेयर 11.29% गिरा है। जबकि 6 महीने में ये 27.46% और इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 24.16% गिरा है। कंपनी का मार्केट कैप 5.88 लाख करोड़ रुपए है। 16 जनवरी से 17 अप्रैल के बीच कंपनी की मार्केट वैल्यू करीब 2.16 लाख करोड़ रुपए कम हुई है।1981 में स्थापित, इंफोसिस एक एनवाईएसई लिस्टेड ग्लोबल कंसलटिंग और आईटी सर्विसेज कंपनी है। 250 डॉलर (आज के हिसाब से करीब 21,000 रुपए) की पूंजी से कंपनी की शुरुआत हुई थी। 40 साल पुरानी कंपनी के 56 से अधिक देशों में करीब 1900 ग्राहक है। इसकी दुनियाभर में 13 सब्सिडियरी कंपनियां है। कंपनी के नारायण मूर्ति हैं। सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर सलील पारेख है। डी सुंदरम लीड इंडिपेंडेंट डायरेक्टर है।

पत्नी ने हत्या की, फिर 10 बार सांप से डसवाया

बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर मर्डर किया, दोनों गिरफ्तार, मेरठ में फिर मुस्कान जैसी वारदात

मेरठ, 17 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मेरठ में मर्चेंट नेवी अफसर सौरभ हत्याकांड जैसी वारदात फिर हुई है। यहां पत्नी ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर सोते वक्त पति का गला घोंटा, फिर शव के नीचे सांप को दबा दिया। सांप ने युवक को 10 बार डसा।

वारदात के बाद बॉयफ्रेंड को वहां से भगा दिया और खुद दूसरे कमरे में सोने चली गई। सुबह जब घरवाले उठे तो देखा कि युवक की मौत हो चुकी थी। उसके हाथ के नीचे एक जिंदा सांप दबा हुआ था।

शरीर पर सांप के डसने के निशान देखकर परिजन को लगा कि युवक की मौत सांप के डसने से हुई है। बुधवार देर शाम पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई, जिसमें पता चला कि युवक की मौत दम घुटने से हुई है।

इसके बाद शक के आधार पर पुलिस ने पहले पत्नी को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने बॉयफ्रेंड का नाम बताया। फिर पुलिस ने दोनों से सख्ती से पूछताछ की तो जुर्म कबूल कर लिया। मामला बहसूमा थाना क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव का है।

घरवालों के मुताबिक, अमित कश्यप उर्फ मिक्की (25) रोजाना की तरह शनिवार को काम करके रात 10 बजे घर लौटा। खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। उसकी पत्नी और बच्चे दूसरे कमरे में सो रहे थे। अमित आमतौर पर सुबह ही जल्द ही जाग जाता था। जब वह नहीं उठा, तो करीब साढ़े 5 बजे घरवाले उसे कमरे में जगाने पहुंचे।

वहां देखा कि उसके शरीर में कोई हलचल नहीं थी। बार-बार आवाज लगाने के बाद भी वह नहीं उठा। घर वालों ने उसे हिलाया, तो शरीर के नीचे सांप बैठा मिला। इस पर घरवालों ने घबराकर शोर मचा दिया। साथ ही सांप को हटाने की कोशिश भी की, लेकिन सांप अपनी जगह से टस से मस नहीं हुआ। इसके बाद घरवालों ने महमूदपुर सिखेड़ा से सपेरे को बुलवाया। वह सांप को पकड़कर अपने साथ ले गया।

घरवाले अमित को डॉक्टर के पास लेकर गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। उसके शरीर पर 10 जगह सांप के काटने के निशान मिले। इन्हें देखकर परिजन को लगा कि अमित की मौत सांप के काटने से हुई है। घरवालों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक, बुधवार को अमित की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई। इसमें पता चला कि अमित की मौत सांप के डसने से नहीं, बल्कि दम घुटने से हुई है। इसके बाद शक के आधार पर पुलिस ने पहले अमित की पत्नी रविता को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपने बॉयफ्रेंड अमरदीप का नाम बताया। शुरुआत में दोनों ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन जब सख्ती से पूछताछ हुई तो दोनों ने जुर्म कबूल कर लिया।

रविता आरोपी पत्नी | अमरजीत, आरोपी प्रेमी

मृतक

प्रेमी अमरदीप ने पुलिस को बताया- मैं और अमित एक ही गांव के रहने वाले हैं। वह मेरे साथ टाइल्स लगाने का काम करता था। वह मेरा दोस्त था। मैं अक्सर उसके घर आता-जाता था। करीब एक साल पहले उसकी पत्नी रविता से मेरा अफेयर हो गया। जब अमित को इसकी भनक लगी तो हमने मिलकर उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची।

वारदात वाले दिन रविता, अमित के साथ सहारनपुर में मां शाकुंभरी देवी के दर्शन के लिए गई थी। लौटते वक्त उसने मुझे फोन किया। कहा- सांप की व्यवस्था कर लो, आज रात को अमित की हत्या करनी है। मैंने महमूदपुर सिखेड़ा गांव के एक सपेरे से एक वाइपर सांप एक हजार रुपए में खरीदा।

गला घोंटकर हत्या, फिर सांप की पूंछ लाश से दबाई

प्रेमी अमरदीप ने बताया कि शाकुंभरी दर्शन से लौटने के बाद रात में अमित और रविता के बीच झगड़ा हुआ। यह बात रविता ने मुझे फोन पर बताई थी। शनिवार (12 अप्रैल) रात जब घर के सभी लोग सो गए तो रविता ने मुझे फोन कर बुलाया। हमने मिलकर सोते समय अमित की गला घोंटकर हत्या कर दी।

इसके बाद बिस्तर पर लाश के नीचे सांप को रख दिया। उसकी पूंछ अमित की कमर के नीचे दबा दी, ताकि सांप भाग न सके और अमित की लाश को डस ले, जिससे लगे कि मौत सांप के डसने से हुई है। वारदात के बाद मैं वहां से भाग गया और रविता सोने चली गई। अमित और रविता की शादी आठ साल पहले हुई थी। रविता मुजफ्फरनगर की रहने वाली है। दोनों के तीन बच्चे- एक बेटा और दो बेटियां हैं। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया- पूछताछ में दोनों ने गला दबाकर हत्या करने की बात कबूल कर ली है। जिस वाइपर सांप से अमित को डसवाया गया, वह बेहद जहरीला होता है। उसके डसने से बचने की संभावना बहुत कम होती है। लंदन से लौटकर मेरठ आए मर्चेंट नेवी के पूर्व अफसर सौरभ कुमार राजपूत की उनकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी ने 3 मार्च की रात को हत्या कर दी थी। इस काम में उसका साथ बॉयफ्रेंड साहिल शुक्ला उर्फ मोहित ने दिया था। पहले खाने में दवा मिलाकर बेहोश किया। फिर बेडरूम में सोते समय पति के सीने में मुस्कान ने ही पहला चाकू मारा। मौत के बाद लाश को बाथरूम में ले गए। जहां साहिल ने दोनों हाथ और सिर काटकर धड़ से अलग किया।

बॉडी को ठिकाने लगाने के लिए प्लास्टिक के ड्रम में टुकड़े डाले। फिर उसमें सीमेंट का घोल भर दिया। परिवार और पड़ोसियों को गुमराह करने के लिए मुस्कान शिमला-मनाली चली गई। 13 दिन तक वह इंस्टाग्राम पर वीडियो-फोटो अपलोड करती रही, ताकि लोग यही समझते रहें कि वे लोग घूम रहे हैं।

इस कत्ल से पर्दा तब हटा, जब 18 मार्च को सौरभ का छोटा भाई राहुल अपने भाई के घर पहुंचा। यहां उसने मुस्कान को एक लड़के (साहिल) के साथ घूमते देखा। भाई कहां हैं?

पूछने पर सही जवाब मुस्कान नहीं दे सकी। घर के अंदर से बदबू भी आ रही थी। राहुल ने शोर मचाया, तब पड़ोसी भी इकट्ठा हो गए। पुलिस आई तो मर्डर का पता चला। पुलिस कस्टडी में मुस्कान और साहिल ने कत्ल की पूरी कहानी सुनाई।

डोंगरगढ़ में अवैध शराब बॉटलिंग मुंबई से 3 आरोपी पकड़ाए

अब तक 1 लाख नकली लेबल छापे मास्टरमाइंड अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर

राजनांदगांव, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में 1 लाख की नकली शराब पकड़ाई है। जहां मध्यप्रदेश से लाई गई शराब में छत्तीसगढ़ आबकारी के नकली लेबल लगाकर कोचिया के माध्यम से बेचते थे। ये पूरा काम रोहित नेताम के करवारी फार्म हाउस में लंबे समय से चल रहा था। मामला डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र का है। इस पूरे काम का संचालन मुंबई का एजेंट कर रहा था। बुधवार को पुलिस ने मुंबई से 3 आरोपियों को पकड़ा है इससे पहले 16 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके है। लेकिन मास्टरमाइंड तक पुलिस अभी भी नहीं पहुंच सकी है। आरोपियों ने बताया कि वे अब तक 1 लाख नकली लेबल छाप चुके हैं।

जांच में सामने आया कि नागपुर का एजेंट चंदन ममतानी गणेश नारायण भोजाने से संपर्क में था। चंदन नकली लेबल का ऑर्डर देता था और गणेश के लिए रोहिदास काम करते थे। चंदन इन लेबल को छत्तीसगढ़ के तस्करों को बेचता था। ये लेबल डोंगरगढ़ के करवारी रोड स्थित रोहित नेताम उर्फ सोनू के फार्म हाउस तक पहुंचते थे। यहां मध्य प्रदेश की शराब को छत्तीसगढ़ की बोतलों में भरकर कोचियों के माध्यम से बेचा जाता था। दो बार में 50-50 हजार लेबल चंदन ममतानी को बेचे गए। पुलिस ने फार्म हाउस से बड़ी मात्रा में छत्तीसगढ़ आबकारी के लेबल जब्त किए हैं। इस मामले में अब तक 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। जांच से पता चला है कि करवारी फार्म हाउस में लंबे समय से अवैध शराब बॉटलिंग का काम चल रहा था।

अवैध रूप से चल रही थी बड़ी मात्रा में शराब एमपी से पहुंचती थी। जो ड्राइवर कंटेनर में शराब लेकर आता था उसे भी पुलिस ने पकड़ लिया है।

मां-बेटी मर्डर केस, युवती से पड़ोसी का था लव अफेयर

बार-बार रुपए मांगने से था परेशान, रायगढ़ में घर में घुसकर की हत्या

रायगढ़, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले के पुसौर में मंगलवार को डबल मर्डर की वारदात हुई। मृतकों की पहचान गायत्री मंदिर के पास रहने वाली उर्मिला संवरा (50 साल) और उसकी बेटी पूर्णिमा संवरा (24 साल) के रूप में हुई। इस मामले में पुलिस ने पड़ोस में ही रहने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि, आरोपी शुभम सेठ ने बताया कि, कुछ दिनों से दोनों के बीच आपसी विवाद चल रहा था जिससे शुभम ने उसकी हत्या की योजना बनाई। हालांकि सूत्रों के मुताबिक ये भी कहा जा रहा है कि, पड़ोस में रहने वाले शुभम का पूर्णिमा से प्रेम प्रसंग था। बताया जा रहा है कि, कुछ दिनों पहले दोनों अलग हो गए थे। लड़की की शादी भी तय हो चुकी थी, लेकिन पूर्णिमा आए दिन शुभम से रुपए की मांग करती थी। बार-बार रुपए मांगने से परेशान होकर उसने वारदात को अंजाम दिया। शुभम ने पहले पूर्णिमा की हत्या की साजिश रची। सोमवार की देर रात छत के रास्ते से वह घर में घुसा। लकड़ी से पहले युवती के सिर पर मारा, लेकिन उसी दौरान उसकी मां उर्मिला जाग गई तो शुभम ने उस पर भी हमला कर दिया। बाद में बैट से भी उनके सिर पर कई वार किए। सिर पर गंभीर चोट लगने से दोनों की मौत हो गई। इसके बाद आरोपी दोनों की लाश को निर्माणाधीन मकान में छिपाकर भाग निकला। बताया जा रहा है कि, आरोपी ट्रेन से रायपुर भाग गया था, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया है। मंगलवार को पुसौर गांव में मां-बेटी की लाश उनके घर के बरामदे में पड़ी मिली। दोनों के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले। आसपास के लोगों ने थाने में सूचना दी। सूचना के बाद जांच के लिए पुलिस टीम पहुंच गई। थाने से 200 मीटर की दूरी पर वारदात हुई थी। जानकारी के मुताबिक मृतका अपनी दो बेटियों के साथ घर में रहती थी, लेकिन उसकी एक बेटी कल्पना संवरा (18) डांस कॉम्पिटिशन के लिए अपने डांस ग्रुप के साथ कलमी गांव गई हुई थी। मंगलवार सुबह 6 बजे जब वह घर पहुंची तो दोनों की लाश देखी। एसपी दिव्यांग पटेल के मुताबिक हत्या सोमवार रात में हत्या की गई है। मां-बेटी के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले। मौके से एक बैट बरामद किया गया है।

साइबर ठग गिरफ्तार

बैंक अधिकारी बन केवाईसी अपडेट के नाम पर करता था फ्रॉड, 5 सिम बरामद

धनबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। धनबाद साइबर पुलिस ने बैंक अधिकारी बनकर केवाईसी अपडेट के नाम पर ठगी करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी जीतू रविदास को कुमारधुबी ओपी क्षेत्र के बर डंगाल गांव से पकड़ा गया है। साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने बताया कि आरोपी के पास से तीन मोबाइल फोन और पांच सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। इन सिम कार्डों के खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। जांच में पता चला कि आरोपी ने उत्तर प्रदेश के एक व्यक्ति से 49,980 रुपए और बिहार के एक व्यक्ति से 37,873 रुपए की ठगी की है।

एसएसपी के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। जीतू रविदास बर डंगाल चिरकुंडा का रहने वाला है। झारखंड सरकार के प्रतिबिंब पोर्टल के सक्रिय होने के बाद से साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी में तेजी आई है। इस साल धनबाद साइबर पुलिस एक दर्जन से अधिक साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर चुकी है। हाल ही में सेक्सटॉर्शन के एक मामले में एक पुरुष और तीन महिलाओं को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

छत्तीसगढ़ में बीएड से ज्यादा अब डी.ईएल.एड ट्रेंड में

रायपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में टीचर बनने की चाह रखने वालों के बीच अब बीएड से ज्यादा डीएलएड की डिमांड बढ़ गई है। 2024 में डीएलएड के लिए आवेदन 2023 की तुलना में करीब डबल हो गए। राज्य बनने के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब बीएड से ज्यादा फॉर्म डीएलएड के लिए भरे गए।

बीएड सहायक शिक्षक विवाद के बाद 2024 में बीएड की 14, 400 सीटों के लिए 2.55 लाख आवेदन आए। वहीं महज 6720 सीट के लिए डीएलएड के लिए पिछले साल 3 लाख आवेदन आ गए। इस बार भी रुझान यही दिख रहा है और फॉर्म भरने की प्रक्रिया जारी है।

25 अप्रैल तक लास्ट डेट, 22 मई को होंगे एग्जाम

बीएड और डीएलएड कोर्स में एडमिशन के लिए इस साल की प्रवेश परीक्षा 22 मई को दो पालियों में कराई जाएगी। सुबह बीएड की और दोपहर में डीएलएड की परीक्षा होगी।

इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 28 मार्च से शुरू हो चुके हैं और 25 अप्रैल शाम 5 बजे तक फॉर्म भरे जा सकते हैं। अगर आवेदन में कोई गलती हो जाती है तो 26 से 28 अप्रैल तक उसे सुधारा जा सकता है। प्रवेश परीक्षा प्रदेश के सभी 33 जिलों में होगी।

प्रदेश में इस वक्त बीएड की 14,400 और डीएलएड की 6,720 सीटें हैं।

बीएड के 148 कॉलेज और डीएलएड के 91 संस्थान हैं, जो इन कोर्स की पढ़ाई कराते हैं।

एग्जाम के लिए फॉर्म भरने की प्रोसेस शुरू होते ही हजारों लोग डीएलएड के लिए अप्लाई कर चुके हैं। डीएलएड की डिमांड इसलिए बढ़ी है क्योंकि राज्य सरकार ने प्राइमरी स्कूलों में टीचर बनने के लिए बीएड को अमान्य कर दिया है।

अब सहायक शिक्षक के पदों के लिए सिर्फ डीएलएड जरूरी है। कई युवाओं को पिछली भर्तियों में बीएड करने के बावजूद मौका नहीं मिल पाया, जिससे अब छात्र सीधे डीएलएड कोर्स की तरफ जा रहे हैं।

आने वाले समय में भी डीएलएड की डिमांड और ज्यादा बढ़ सकती है, क्योंकि प्राथमिक स्कूलों में भर्ती की संख्या ज्यादा रहती है और इसी लेवल पर सबसे पहले वैकेंसी निकलती है।

जीजीयू नमाज विवाद, रजिस्ट्रार ऑफिस में हनुमान चालीसा पाठ

एनएसएस की स्थानीय यूनिट भंग, पद से हटे 12 को-ऑर्डिनेटर, 159 छात्रों के होंगे बयान

बिलासपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एनएसएस कैंप में नमाज पढ़ाने के मुद्दे ने तूल पकड़ लिया है। गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के एनएसएस कैंप में हिंदू छात्रों को जबरन नमाज पढ़ाने का दावा है। इसके बाद एबीवीपी और हिंदू संगठनों ने यूनिवर्सिटी परिसर में 6 घंटे तक प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने रजिस्ट्रार दफ्तर में बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। पुलिस अफसरों की मौजूदगी में कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल ने छात्र नेताओं से मुलाकात की। इसके बाद एनएसएस की स्थानीय ईकाई को भंग करते हुए सभी 12 कोऑर्डिनेटर को पद से मुक्त करने का आदेश जारी किया। छात्र नेताओं की मांग पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल को अपने ऑफिस से बाहर निकलना पड़ा। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। इसके बाद छात्रों को भरोसा दिलाया कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जा रही है। सबसे पहले यूनिवर्सिटी ने एनएसएस ईकाई के मुख्य कोऑर्डिनेटर को हटाया।

इसके बाद छात्रों की मांग पर तत्काल प्रभाव से एनएसएस इकाई को भंग किया गया। यानी जिस यूनिट ने कैंप आयोजित किया वो पूरी तरह खत्म की गई है। इस यूनिट के कार्यक्रम अधिकारी जिन्हें को-ऑर्डिनेटर भी कहा जा रहा है उन्हें भारमुक्त किया गया है। यानी यूनिवर्सिटी के ये प्रोफेसर अब एनएसएस यूनिट के कार्यक्रम अधिकारी नहीं रहेंगे। हालांकि इनकी बाकी सेवा पहले जैसी ही रहेगी। ये काम करते रहेंगे। इसके अलावा फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया गया है जो 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट देगी। मामला उजागर होने के बाद कुलपति प्रो.चक्रवाल ने निर्देश पर कमेटी ने जांच शुरू कर दी है। गुरुवार को कमेटी एनएसएस कैंप में शामिल होने वाले 159 स्टूडेंट्स का बयान दर्ज करेगी।

वृद्ध की हत्या का खुलासा

जादू-टोना और जमीन विवाद में किया था मर्डर, 5 आरोपी भेजे गए जेल

लातेहार, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के लातेहार जिले में बरवाडीह थाना क्षेत्र के मुर्गीडीह में 13 अप्रैल को हुई वृद्ध बाल गोविंद सिंह की हत्या का मामला सुलझा लिया गया है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बरवाडीह एसडीपीओ भरत राम ने बताया कि एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर बनाई गई एसआईटी ने पहले बलराम सिंह और लोकेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने हत्या कबूल कर ली। इसके बाद तीन अन्य आरोपी कामेश्वर राम, नेमा भुईयां और संजय सिंह को भी पकड़ा गया। सभी आरोपी अकराही, बरवाडीह के रहने वाले हैं। पुलिस ने मृतक का खून लगा शर्ट भी बरामद कर लिया है।

पत्नी से प्रेमी को फोन करवा पलामू लाया, मारी गोली

वाइफ के प्रेम प्रसंग को करना चाहता था खत्म, नौ महीने बाद आरोपी गिरफ्तार

पलामू, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पलामू पुलिस ने नौ महीने पुराने हत्याकांड का गुरुवार को खुलासा किया। पुलिस ने पत्नी के प्रेमी की छतरपुर थाना क्षेत्र में हत्या के आरोप में पति को गिरफ्तार किया है। आरोपी अमित मेहता ने अपनी पत्नी अनीता देवी के साथ मिलकर मृत्युंजय साह की हत्या की योजना बनाई थी। आरोपी ने पत्नी से ही उसके प्रेमी मृत्युंजय को फोन करवाया और उसे बिहार के डेहरी ऑन सोन में बुलवाया। यहां अमित, अनीता और मृत्युंजय साथ में पलामू आ रहे थे।

एएसपी राकेश कुमार के अनुसार, मृत्युंजय और अमित राजस्थान में एक प्राइवेट कंपनी में साथ काम करते थे। दोनों दोस्त बन गए थे। मृत्युंजय का अमित के घर पर आना-जाना भी होता था। इसी दौरान अमित की पत्नी अनीता से उसकी नजदीकियां बढ़ गईं। दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। जब अमित को इस रिश्ते की जानकारी हुई, तो उसने मृत्युंजय को कई बार समझाया। लेकिन वो नहीं माना। इधर, कुछ दिनों बाद मृत्युंजय छत्तीसगढ़ और अमित बिहार में काम करने लगा। फिर भी मृत्युंजय का अनीता से संपर्क जारी रहा। दोनों का प्रेम-प्रसंग पहले की तरह ही रहा। अमित को जब यह पता चला तो उसने मृत्युंजय को रास्ते से हटाने की प्लानिंग बनाई। इसके लिए अमित ने एक देशी कट्टा खरीदा। उसने पत्नी से फोन कराकर मृत्युंजय को बिहार के डेहरी बुलवाया।

डेहरी से पलामू के छतरपुर तक तीनों एक साथ आए। रास्ते में अमित ने मृत्युंजय को फिर समझाया कि वो उसकी पत्नी से सारा संबंध खत्म कर ले। बात, विवाद में बदल गई और अमित ने मृत्युंजय को वहीं गोली मार दी।

हाईकोर्ट में सीजे बोले-पवित्र स्थल को गंदा कर दिया

रतनपुर महामाया मंदिर में 23 कछुओं की मौत पर जताई नाराजगी

बिलासपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में एक सुनवाई के दौरान सीजे ने जमकर नाराजगी जताई। दरअसल, रतनपुर महामाया शक्तिपीठ के मंदिर परिसर स्थित कुंड में 23 कछुओं की मौत हो गई थी। इसी मुद्दे पर सुनवाई के दौरान सख्ती दिखाई गई। सुनवाई के दौरान वकील ने पुजारी शब्द का जिक्र किया, तब चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा भड़क गए। उन्होंने कहा कि बार-बार पुजारी और लेडी कहकर बचाव मत करिए, मर्डर कोई भी कर सकता है। पवित्र स्थल को गंदा कर दिया है और आप उनका बचाव कर रहे हैं। इस मामले में पुजारी की ओर से अग्रिम जमानत याचिका भी दायर की गई है। जिसकी सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की बेंच में हुई। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सिन्हा ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट ने राज्य सरकार के वकील से पूछा कि एफआईआर सिर्फ पुजारी के खिलाफ ही क्यों दर्ज की गई, अन्य जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हुई। इस पर बताया गया कि ठेकेदार आनंद जायसवाल के साथ ही मछुआरे अरुण और विष्णु धीवर के नाम पर भी एफआईआर दर्ज है। जिस पर हाईकोर्ट ने आपत्ति जताते हुए कड़ी नाराजगी जाहिर की है।

तेंदूपत्ता बोनस घोटाला, 23 अप्रैल तक ईओडब्ल्यू रिमांड में निलंबित डीएफओ

अशोक पटेल से होगी पूछताछ, तेंदूपत्ता तोड़ने वाले मजदूरों के बोनस में हेराफेरी का आरोप

रायपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। तेंदूपत्ता बोनस घोटाले के आरोप में निलंबित डीएफओ अशोक पटेल 23 अप्रैल ईओडब्ल्यू की कस्टोडियल रिमांड पर रहेंगे। इस दौरान एसीबी-ईओडब्ल्यू निलंबित डीएफओ से पूछताछ करेगी। गुरुवार को छत्तीसगढ़ एसीबी, ईओडब्ल्यू की टीम ने सुकमा में निलंबित डीएफओ अशोक पटेल को गिरफ्तार कर रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया।

ऐसा पहली बार है जब ईओडब्ल्यू ने किसी डीएफओ को गिरफ्तार किया है। वहीं, ईओडब्ल्यू ने कोर्ट में अशोक पटेल को पेश करने के बाद पूछताछ करने के लिए कस्टोडियल रिमांड की मांग की।

बता दें कि डीएफओ अशोक पटेल और उनके साथियों पर तेंदूपत्ता तोड़ने वाले मजदूरों के बोनस में बड़ा घोटाला करने का आरोप है। इसके साथ ही, 1 महीने पहले डीएफओ के घर पर एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम ने एक साथ दबिश दी थी और वहीं रायगढ़ के कृष्णा वाटिका और पैतृक ग्राम झालमुड़ा में भी कार्रवाई की थी। सुकमा के वन विभाग अधिकारी अशोक कुमार पटेल और उनके साथियों पर तेंदूपत्ता तोड़ने वाले मजदूरों के बोनस में बड़ा घोटाला करने का आरोप है। यह घोटाला वर्ष 2021 और 2022 के तेंदूपत्ता सीजन से जुड़ा है, जिसमें करीब 7 करोड़ रुपये की राशि संग्राहकों को दी जानी थी।

अधिकारियों ने आपसी साठगांठ कर बड़ी रकम खुद रख ली और संग्राहकों तक पैसा नहीं पहुंचा। इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू/एसीबी) ने अशोक कुमार पटेल और अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया।

पतरातू रेलवे साइडिंग में फायरिंग

बदमाशों ने पर्चा फेंका, लिखा- ये तो ट्रेलर था अगली बार एके-47 से करेंगे आपका वेलकम

रामगढ़, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। रामगढ़ के पतरातू रेलवे साइडिंग चेक पोस्ट पर बीती रात एक बड़ी वारदात हुई। बाइक से आए हथियारबंद अपराधियों ने वहां फायरिंग कर दहशत फैला दी। करीब 5 गोलियां चलाई और पर्चा फेंककर भाग निकले।

पर्चा दामोदर मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर गजानन प्रसाद साहू के नाम लिखा हुआ है। इसमें लिखा है कि 'गजानन साहू नजरअंदाज करने का यह अंजाम है। ये तो एक ट्रेलर था।

दामोदर मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर गजानन प्रसाद को निशाना बनाकर घटना को अंजाम दिया गया है। कंपनी कोयला लोडिंग और अनलोडिंग का काम करती है। सूत्रों के अनुसार, अपराधियों ने रंगदारी की मांग पूरी ना होने पर पांच राउंड फायरिंग की।

सूत्रों के मुताबिक इस वारदात में राहुल दुबे गैंग का नाम सामने आया है। इधर, फायरिंग से साइडिंग परिसर में काम करने वाले मजदूरों में दहशत का माहौल है। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से गोलियों के खोखे बरामद किए हैं। मामले की गहन छानबीन की जा रही है।

भारत-पाकिस्तान में शांति संभव नहीं?

पाक आर्मी चीफ के 20 सेकंड्स के बयान से हो गया साफ, मुशर्रफ के रास्ते पर निकले जनरल मुनीर?

इस्लामाबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। इस्लामाबाद में प्रवासी पाकिस्तानी सम्मेलन में पाकिस्तान के आर्मी चीफ के संबोधन के बाद साफ हो गया है कि पाकिस्तानी आर्मी का भारत के साथ शांति का कोई इरादा नहीं है। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने तो हालांकि सम्मेलन के दौरान करीब 20 मिनट तक प्रवासी पाकिस्तानियों को संबोधित किया, लेकिन इस दौरान उन्होंने कई ऐसी बातें की हैं, जो पाकिस्तान की सोच और आने वाले वक्त में उसकी पॉलिसी को दिखाता है। असीम मुनीर ने अपने संबोधन में मुसलमानों को हिंदुओं से अलग बताकर टू नेशन थ्योरी को सही ठहराने की कोशिश की और कश्मीर को लेकर कहा कि 'पाकिस्तानी सेना भारतीय कब्जे के खिलाफ लड़ रही है।' असीम मुनीर की सोच से साफ हो जाता है कि पाकिस्तान का भारत के साथ शांति स्थापित करने का कोई इरादा नहीं है और वो पूर्व जनरल परवेज मुशर्रफ के रास्ते पर चल रहे हैं।

असीम मुनीर ने कहा है कि कश्मीर, इस्लामाबाद की गले की नस है और हमेशा रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान इसे नहीं भूलेगा। उन्होंने टू नेशन थ्योरी का बचाव किया है जो 1947 में विभाजन का आधार था। जनरल मुनीर ने विदेशी पाकिस्तानियों से कहा कि वे देश के राजदूत हैं और उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि वे उच्च विचारधारा और संस्कृति से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने कहा कि आपको अपने बच्चों को पाकिस्तान की कहानी जरूर बतानी चाहिए। हमारे पूर्वजों ने सोचा था कि हम जीवन के हर पहलू में हिंदुओं से अलग हैं। हमारे धर्म, हमारे रीति-रिवाज, परंपराएं, विचार और महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। यही द्वि-राष्ट्र सिद्धांत की नींव थी जो रखी गई थी। पूर्व पाकिस्तानी सैन्य तानाशाह परवेज मुशर्रफ, जिनके बारे में कहा जाता है कि शायद वो कश्मीर समस्या के समाधान के सबसे करीब आ गये थे, उन्होंने भारत में आतंकवाद को फैलाने में सबसे ज्यादा काम किया।

उन्होंने ही कारगिल पर हमला करके भारत के साथ युद्ध करने का रास्ता खोला था। कश्मीर में आतंकवादियों को भेजने को मुशर्रफ ने पाकिस्तान की पॉलिसी बना दिया था। मुशर्रफ भी कश्मीर को लेकर ऐसे ही आक्रामक बयानबाजी करते थे और कश्मीर को भारत से अलग करने के लिए ही उन्होंने कारगिल युद्ध किया था। मुशर्रफ की सोच थी कि कागरिल पर कब्जा कर पाकिस्तान कश्मीर को भारत से छीन सकता है और असीम मुनीर की बयानबाजी को देखने के बाद ऐसा ही लगता है कि वो भी मुशर्रफ के रास्ते पर ही आगे बढ़ निकले हैं।

मुशर्रफ के कार्यकाल में भारत में सिलसिलेवार आतंकी हमले हुए, उन्होंने लगातार कश्मीर पर जहर उगला, कश्मीर को भारत से छीनने की बात की, कश्मीर के लोगों को उकसाने की कोशिश की।

2008 में सत्ता छोड़ने से पहले मुशर्रफ ने भारत के खिलाफ आतंकवाद को राज्य प्रायोजित करने से कभी नहीं रोका था। मुशर्रफ की 2006 की किताब 'इन द लाइन ऑफ फायर' में कश्मीर विवाद को लेकर उन्होंने जो चार सूत्रीय फॉर्मूला बताया है, उसके चारों प्वाइंट्स में मुशर्रफ ने बार-बार श्रीनगर, कश्मीर और कश्मीरियों की बात की है।

जबकि जम्मू के हिंदू, लद्दाख के बौद्ध या गिलगित-बाल्टिस्तान के शिया और इस्माइली उनके लिए कोई मायने नहीं रखते थे।

यूक्रेन ने चीनी सैनिकों को मीडिया के सामने पेश किया

रूस की तरफ से जंग लड़ रहे थे, पिछले हफ्ते पकड़ा था

कीव, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। यूक्रेन ने रूस की तरफ से जंग लड़ रहे चीनी सैनिकों को मीडिया के सामने पेश किया। पिछले 3 साल चल रही रूस-यूक्रेन जंग में ऐसा पहली बार हुआ।

यूक्रेन ने पिछले हफ्ते जंग लड़ रहे 2 चीनी नागरिकों को पकड़ने का दावा किया था। हालांकि, चीन ने अपने नागरिकों के जंग में शामिल होने की बात से इनकार कर दिया था। इसके बाद यूक्रेन ने इन युद्धबंदियों को मीडिया के सामने परेड कराने का फैसला किया। इसके लिए यूक्रेन ने युद्धबंदी कानून भी तोड़ा है। युद्धबंदियों की पहचान उजागर करना और उन्हें कैमरों व पत्रकारों के सामने पेश करना अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन माना जाता है। इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति ने दावा किया था कि उनकी खुफिया एजेंसी ने 155 चीनी नागरिकों की पहचान की है जो रूस की तरफ से जंग लड़ रहे हैं। यह संख्या ज्यादा भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि पहचान में आए सभी लोगों के नाम और पासपोर्ट की जानकारी उनके पास है। जेलेंस्की के मुताबिक रूस सोशल मीडिया के जरिए चीनी नागरिकों की भर्ती कर

रहा है। चीन को भी इस बात की जानकारी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन यह जानने की कोशिश कर रहा है कि भर्ती करने वालों को बीजिंग की तरफ से निर्देश मिल रहे हैं या नहीं। इससे पहले जेलेंस्की ने 8 अप्रैल को जंग में शामिल दो चीनी नागरिकों का वीडियो शेयर किया, जिन्हें यूक्रेन ने पकड़ा था। जेलेंस्की ने कहा कि रूस, चीन को इस जंग में खींच रहा है। यह पुतिन के प्लान का हिस्सा है। पुतिन चाहते हैं कि यूरोप में जंग फैले। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेनी सेना डोनेट्स्क में 6 चीनी नागरिकों से लड़ाई लड़ रही थी। इस दौरान 2 लोगों को जिंदा पकड़ लिया गया। बाकी के चार चीनी नागरिक मारे गए या भाग गए, अभी साफ नहीं है। जेलेंस्की ने दावा किया कि पकड़े गए चीनी नागरिकों के पास से उनके पहचान पत्र, बैंक कार्ड और व्यक्तिगत डेटा मिला है। उन्होंने ये भी बताया कि चीनी नागरिक अब यूक्रेन की सुरक्षा सेवा की हिरासत में हैं। जेलेंस्की ने पकड़े गए चीनी नागरिकों का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। जेलेंस्की ने अगले दिन बुधवार को दावा किया था कि वे रूस में बंदी बनाए गए यूक्रेनी सैनिकों के बदले दो युद्धबंदियों को देने को तैयार हैं। जेलेंस्की के दावे को चीन ने खारिज कर दिया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बुधवार को कहा कि इस दावे में कोई सच्चाई नहीं है। चीनी सरकार ने हमेशा अपने नागरिकों को जंग वाले इलाके से दूर रहने और किसी भी तरह से ऐसी लड़ाई में शामिल होने से बचने को कहा है। लिन जियान ने कहा कि चीन, यूक्रेन के साथ बातचीत करके इस मामले से जुड़ी पूरी जानकारी हासिल कर रहा है। चीन खुद को युद्ध में तटस्थ बताता है और कहता है कि वह न तो हथियार देता है और न ही सैनिक भेजता है। रूस ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, अमेरिका ने कहा कि यह जानकारी चौंका देने वाली है।

यूएस स्टेट डिपार्मेंट की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि चीन, रूस का मददगार देश है जो जंग को बढ़ावा दे रहा है। रूस पहले भी चीन को ड्रोन पार्ट्स और माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स देता रहा है, लेकिन सैनिकों की मौजूदगी हैरान करने वाली है। रूस-यूक्रेन जंग में विदेशी सैनिकों की मौजूदगी के दावे पहले भी किए जाते रहे हैं। इससे पहले दक्षिण कोरिया ने दावा किया था कि उत्तर कोरिया के 10 हजार सैनिक रूस की तरफ से यूक्रेन में जंग लड़ रहे हैं।

म्यांमार का नक्शा बदलने जा रहा बांग्लादेश का ये मिलिट्री बेस

रखाइन पर होगा अराकान आर्मी का कब्जा, अमेरिका ने बनाया प्लान

ढाका/नेपीडॉ, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। म्यांमार में चार साल से जारी गृहयुद्ध में अब बांग्लादेश की भूमिका बढ़ती जा रही है। नॉर्थ ईस्ट न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस समय अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारियों की तीन सदस्यीय टीम ढाका में है, जहां पर म्यांमार के रखाइन राज्य को लेकर चर्चा हो रही है। इस चर्चा में बंगाल की खाड़ी के किनारे बसा एक छोटा सा गांव मुख्य केंद्र में बना हुआ है। ये गांव है सिलखाली, जहां बांग्लादेश की सेना तोपखाने, मुख्य रूप से तुर्की निर्मित फील्ड गन और एंटी-टैंक गाइडेड हथियारों के अलावा मोर्टार और छोटे हथियारों के लिए एक फील्ड फायरिंग रेंज संचालित करती है। अब इस गांव का इस्तेमाल म्यांमार के रखाइन में जारी संघर्ष में किए जाने की योजना बन रही है। इस गांव से

सीमा पार आपूर्ति पहुंचाई जाएगी, जो नफ नदी के बीच से होकर गुजरती है। सिलखाली, टेकनाफ से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में हैं। सिलखाली को इस साल फरवरी की शुरुआत में रखाइन में विद्रोहियों के गठबंधन को आपूर्ति के लिए प्रस्तावित स्थल के रूप में पहचाना गया था। अब बांग्लादेश के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने इस जगह का दौरा किया है।

इसी साल फरवरी के अंत में बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमान ने एक मारे गए बांग्लादेशी सेना के मेजर के सम्मान में मेमोरियल पट्टिका का उद्घाटन करने के बहाने आपूर्ति बेस साइट का चुपचाप दौरा किया था। नॉर्थ ईस्ट न्यूज ने स्थानीय सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया है कि प्रस्तावित सप्लाई बेस साइट बांग्लादेश सेना की सिलखाली फील्ड फायरिंग रेंज के करीब है। स्थानीय लोगों को चयनित स्थल पर प्रवेश की मनाही है। रिपोर्ट के मुताबिक, साइट पर अभी निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है, लेकिन नेपीडॉ में अमेरिकी प्रभारी सुजैन स्टीवेन्सन समेत अमेरिकी अधिकारियों के ढाका से रवाना होने के बाद यह जल्द शुरू हो सकता है। इस बीच अपुष्ट रिपोर्ट बताती हैं कि कुछ पहले ही अराकान आर्मी के कम से कम तीन शीर्ष अधिकारी गुप्त रूप से ढाका पहुंचे थे। इनमें एक चश्माधारी मेजर जनरल और एक ब्रिगेडियर और चिन नेशनल फ्रंट के दो नेता शामिल थे।

इजराइल बोला- बंधकों के रिहा होने तक गाजा में अन्न का एक दाना नहीं पहुंचने देंगे

यरूशलम, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि जब तक इजराइली बंधक नहीं लौटाए जाएंगे, गाजा में अन्न का एक दाना नहीं पहुंचने दिया जाएगा। काट्ज ने कहा कि इस मामले में इजराइल की नीति बिल्कुल साफ है।

इजराइल ने गाजा पट्टी में सभी मानवीय सहायता (खाना, पानी, दवाइयां, तेल) पर रोक लगा दी है। यह नाकाबंदी 2 मार्च 2025 को शुरू हुई थी।

इजराइल ने हमास पर बंधक बनाए गए 58 लोगों को रिहा करने का दबाव बनाने के लिए यह कदम उठाया था।

इजराइल का मानना है कि गाजा में पहुंचने वाली मदद को हमास हथिया लेता है, जिससे आम जनता तक मदद नहीं पहुंचती।

मेडिसिन्स सैंस फ्रंटियर्स (एमएसएफ) ने गाजा को "फिलिस्तीनियों के लिए सामूहिक कब्र" बताया है। मेडिकल ऐड फॉर फिलिस्तीन्स के निदेशक महमूद शलाबी ने कहा, "पिछले 18 महीनों में यह सबसे खराब स्थिति है। बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं हो रही हैं, और हमले फिर से शुरू हो गए हैं।"

गाजा हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा कि, गाजा संघर्ष शुरू होने से अब तक 51,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं। 18 मार्च को सीजफायर खत्म होने के बाद से 1,600 और मौतें हुई हैं।

ट्रम्प बोले- हार्वर्ड के टीचर मूर्ख यूनिवर्सिटी मजाक बन गई

वॉशिंगटन, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी पर निशाना साधा है। उन्होंने बुधवार को कहा है कि यह यूनिवर्सिटी एक मजाक है और यह सिर्फ वोक कर्मचारियों की भर्ती कर रहा है।

ट्रम्प ने कहा कि अब हार्वर्ड को दुनिया की सबसे बेहतर यूनिवर्सिटी या कॉलेजों की किसी भी लिस्ट में नहीं गिना जाना चाहिए। हार्वर्ड एक मजाक है जो नफरत और मूर्खता सिखाता है। इसे अब सरकारी पैसा नहीं मिलना चाहिए। ट्रम्प का यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब उन्होंने एक दिन पहले ही हार्वर्ड की 18 हजार करोड़ रुपए की फंडिंग रोकी थी और उसका टैक्स फ्री दर्जा खत्म करने की बात कही थी।

ट्रम्प ने न्यूयॉर्क और शिकागो के डेमोक्रेटिक मेयर बिल डी ब्लासियो और लोरी एलेन लाइटफुट की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा-हर कोई जानता है कि हार्वर्ड रास्ते से भटक गया है। हार्वर्ड ने न्यूयॉर्क और शिकागो के मेयर को भारी सैलरी देकर म्यूनिसिपल मैनेजमेंट और गवर्नेंस पढ़ाने के लिए नियुक्त किया है। इन दोनों कट्टरपंथी वामपंथी मूर्खों ने दो ऐसे शहर छोड़ें है, जिन्हें बुराई से उबरने में कई साल लगेंगे।

इससे पहले ट्रम्प ने सोमवार को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की 2.2 अरब डॉलर (करीब 18 हजार करोड़ रुपए) की फंडिंग रोकी थी। यह कार्रवाई इसलिए हुई क्योंकि हार्वर्ड ने व्हाइट हाउस की उन मांगों को मानने से इनकार कर दिया जिनका मकसद कैंपस में यहूदी विरोधी गतिविधियों पर सख्ती करना था।

ट्रम्प प्रशासन ने 3 अप्रैल को यूनिवर्सिटी के सामने मांग रखी थी कि यूनिवर्सिटी के गवर्नेंस, एडमिशन और हायरिंग प्रोसेस पर सरकार को नियंत्रण दिया जाए और इनमें बड़ा बदलाव किया जाए। इसके अलावा डाइवर्सिटी ऑफिस बंद करने और अंतरराष्ट्रीय छात्रों की जांच में इमिग्रेशन अफसरों की मदद करने की मांग भी रखी गई थी। हार्वर्ड ने इन मांगों को गैरकानूनी और असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद सोमवार रात को ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड को बताया कि उसकी 2 अरब डॉलर से ज्यादा की फेडरल फंडिंग रोका जा रहा है।

गाजा में जारी इजराइल-हमास जंग के खिलाफ पिछले साल अमेरिका की कई यूनिवर्सिटीज में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों में हजारों छात्रों ने हिस्सा लिया था।

इंसानों को मिल गया एलियंस का ग्रह

भारतीय वैज्ञानिक ने के2-18बी पर पाया जीवन का चौंकाने वाला सबूत, धरती से कितना अलग

लंदन, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। एलियंस के बारे में अध्ययन कर रहे वैज्ञानिकों को बड़ी सफलता मिली है। ब्रिटेन के वैज्ञानिकों को सुदूर अंतरिक्ष में मौजूद एक ग्रह पर एलियंस के होने के संकेत मिले हैं। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के शीर्ष खगोलविदों का कहना है कि उन्होंने के2-18बी नामक इस सुदूर ग्रह पर जीवन से जुड़ी गतिविधि का अब तक का सबसे अच्छा संकेत देखा है। वैज्ञानिक इस बारे में 99.7% आश्वस्त हैं। ब्रिटिश मीडिया आउटलेट द सन ने वैज्ञानिकों के हवाले से बताया है कि के2-18बी नामक एलियंस ग्रह 120 प्रकाश वर्ष दूर है और हमारी पृथ्वी के आकार का लगभग ढाई गुना बड़ा है।

खगोलविदों ने ग्रह के वायुमंडल में डीएमएस नाम अणु की पहचान की है। पृथ्वी पर इस

अणु का निर्माण हमारे समुद्र में रहने वाले छोटे शैवाल करते हैं। इन्हें मानव आंखों से नहीं देखा जा सकता है, लेकिन बड़ी संख्या में पानी पर रंगीन पैच के रूप में दिखाई देते हैं। इसी तरह का एलियन जीवन इसे के2-18बी पर पैदा कर सकता है। प्रमुख वैज्ञानिक प्रोफेसर निक्कू मधुसूदन ने कहा, 'साहित्य में ऐसा कोई तंत्र नहीं जो ये समझा सकते कि हम जो देख रहे हैं वह बिना जीवन के (संभव) है।' खगोलविदों ने अध्ययन के लिए जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप से मिले डेटा का इस्तेमाल किया। इस विशाल टेलिस्कोप को 2021 में लॉन्च किया गया था। अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों को ग्रह के वायुमंडल में दो अणुओं के फिंगरप्रिंट दिखाई दिए हैं- डाइमेथिल सल्फाइड (डीएमएस) और डाइमेथिल डाइसल्फाइड (डीएडीएस)। ये दोनों अणु केवल पृथ्वी पर जीवन के माध्यम से निर्मित होते हैं, जो आमतौर पर सूक्ष्मजीव हैं।

अध्ययन में शामिल वैज्ञानिकों का मानना है कि नतीजे इतने पुख्ता हैं कि इसकी सिर्फ 0.3% प्रतिशत संभावना है कि यह संयोग से घटित हुआ हो। संभावना है कि यह एक पानी से भरा महासागर और एक घने हाइड्रोजन युक्त वायुमंडल वाला ग्रह है।

ब्रिटेन में ट्रांसजेंडर को महिला नहीं माना जाएगा

कोर्ट ने आरक्षण देने से इनकार किया, कहा- महिला वही जो जन्म से फीमेल

लंदन, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन में अब ट्रांसजेंडर को महिला नहीं माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को महिला होने की कानूनी परिभाषा पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि जो जन्म से महिला यानी बायोलॉजिकल फीमेल है, उसे ही महिला माना जाएगा।

कोर्ट के इस फैसले से ट्रांसजेंडर अधिकारों पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। कोर्ट ने समानता अधिनियम 2010 की व्याख्या करते हुए बताया कि महिला और लिंग शब्द बायोलॉजिकल फीमेल और बायोलॉजिकल जेंडर को बताते हैं। पांच जजों की बैंच ने सर्वसम्मिति से यह फैसला दिया। बैंच में शामिल जज पैट्रिक हॉज ने कहा कि यह एक्ट ट्रांसजेंडर लोगों को उनके साथ जेंडर के आधार

पर होने वाले भेदभाव से संरक्षण देता है। 2018 में स्कॉटलैंड की सरकार ने एक कानून बनाया, जिसमें सार्वजनिक संस्थाओं में 50% महिलाओं की भागीदारी जरूरी थी। इस कानून में ट्रांसजेंडर महिलाओं (जिनके पास जेंडर रिकग्निशन सर्टिफिकेट या जीआरसी है) को भी 'महिला' माना गया। फॉर वुमन स्कॉटलैंड नाम के समूह ने इसका विरोध किया और कहा कि यह कानून 'महिला' की परिभाषा को गलत तरीके से बदल रहा है। 2022 में स्कॉटिश कोर्ट में यह मामला हारने के बाद, यह सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।

5 जजों ने एकमत से कहा कि इक्विलिटी एक्ट में 'महिला' और 'सेक्स' का मतलब जन्म से महिला और प्राकृतिक सेक्स है। ट्रांसजेंडर महिलाएं, भले ही उनके पास जीआरसी हो, लेकिन कानूनी रूप से वे 'महिला' की कैटगरी में नहीं आएंगी। कोर्ट ने कहा कि अगर ट्रांसजेंडर को शामिल किया गया, तो कानून अव्यवहारिक हो जाएगा। ट्रांसजेंडर महिलाओं को अब महिलाओं के लिए बने टॉयलेट, चेंजिंग रूम, अस्पताल वार्ड, जेल, या रेप काउंसलिंग सेंटर जैसी जगहों से बाहर रखा जा सकता है।

पहले महिलाओं के टॉयलेट या चेंजिंग रूम का ट्रांसजेडर इस्तेमाल कर सकती थीं। अब उन्हें इसका इस्तेमाल करने के लिए जायज वजह देना होगा।

मादक पदार्थों के खिलाफ तुर्किये का सबसे बड़ा ऑपरेशन

इंस्ताबुल, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। तुर्की पुलिस ने गुरुवार को राजधानी अंकारा में कार्रवाई करते हुए 525 संदिग्ध ड्रग डीलरों को हिरासत में लिया है। इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि यह देश के इतिहास में 'सबसे बड़ा नारकोटिक्स ऑपरेशन' था। मंत्री के अनुसार इस अभियान में हजारों पुलिस अधिकारी, खोजी कुत्ते, ड्रोन और हेलीकॉप्टर शामिल थे और 625 से ज्यादा जगहों को निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि ये छापे छह महीने तक हर संदिग्ध की तकनीकी और शारीरिक निगरानी का नतीजा थे। आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से कई पर इंटरनेट आधारित संचार प्लेटफार्मों के माध्यम से मोहल्लों और गलियों में मादक पदार्थों की बिक्री में शामिल होने का संदेह है। मंत्री येरलिकाया ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'हमने उन जहर बेचने वालों को एक बार फिर बहुत स्पष्ट रूप से दिखा दिया है। जिस सड़क पर आप आए हैं, वह एक बंद गली है।' आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि कार्रवाई जारी रहेगी और आने वाले दिनों में और लोगों को हिरासत में लिया जाएगा।

500 दिन बाद गाजा से घर लौटे रूसी बंधक

पुतिन ने की मुलाकात, हमास का जताया आभार

मॉस्को, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। इस्राइल के साथ जारी संघर्ष के बीच हमास की तरफ से गाजा में बंधक बनाए गए तीन रूसी नागरिकों को रिहाई और उनके सही सलामत रूस वापस लौटने पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हमास को धन्यवाद कहा। साथ ही रिहा हुए लगों से मुलाकात की। बता दें कि इन तीनों रूसी नागरिकों को अक्तूबर 2023 में इस्राइल पर हमले के दौरान हमाल द्वारा बंधक बना लिया गया था, जिसके बाद करीब 500 दिन बाद 15 फरवरी 2025 को युद्धविराम समझौते के तहत इन्हें रिहाई मिली। बुधवार देर रात क्रेमलिन में

पुतिन ने रिहा हुए रूसी नागरिक अलेक्जेंडर ट्रूफानोव और उनके दो परिवारजनों से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ट्रूफानोव को फरवरी 2025 में रिहा किया गया। पुतिन ने कहा कि यह आपकी रिहाई रूस और फलस्तीनी संगठनों के साथ वर्षों से चले आ रहे भरोसे और संबंधों का नतीजा है। अब बात अगर अलेक्जेंडर ट्रूफानोव की करें तो उनकी मां एलेना ट्रूफानोवा, दादी इरिना टाटी, और मंगेतर सैपिर कोहेन को हमास ने अगवा कर लिया था। उनके परिवार के मुखिया विटाली ट्रूफानोव की हमले में मौत हो गई थी। एलेना, इरिना और सैपिर कोहेन को 53 दिन बाद बंधक अदला-बदली के जरिए रिहा किया गया। अलेक्जेंडर ट्रूफानोव को करीब 500 दिन बाद 15 फरवरी 2025 को युद्धविराम समझौते के तहत रिहाई मिली। पुतिन ने हमास के नेतृत्व और उनके राजनीतिक विंग का भी आभार जताया। साथ ही रूसी नागरिकों की रिहाई के लिए धन्यवाद दिया। इसके साथ ही पुतिन ने वादा किया कि वे बाकी बचे बंधकों की रिहाई के लिए भी प्रयास करते रहेंगे। गौरतलब है कि कई लोग जो इस्राइल में बस गए हैं, वे अब भी रूसी नागरिकता बनाए हुए हैं, और रूस ऐसे मामलों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। गौरतलब है कि 7 अक्तूबर 2023 को, जब हमास ने इस्राइल पर हमला किया था, तब 1,200 से ज्यादा लोगों की जान गई थी और 251 लोग बंधक बना लिए गए थे।

अफ्रीकी राज्य में 'बापू' की प्रतिमा का अनावरण

जोहान्सबर्ग, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीकी राज्य के एंग्लो-बोअर युद्ध संग्रहालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की बड़ी प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह एक ऐसा राज्य है जहां पर रंगभेद कानून के चलते 100 साल से ज्यादा समय तक भारतीयों पर प्रतिबंध था। पद्म भूषण पुरस्कार विजेता राम वांगी सुतार द्वारा बनाई गई कांस्य प्रतिमा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने संग्रहालय को दान की थी। प्रतिमा का अनावरण 11 अप्रैल को भारतीय उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने 1899-1902 के एंग्लो-बोअर युद्ध में भारतीयों की भागीदारी की अब तक की अनकही कहानी पर एक वृत्तचित्र और एक किताब के साथ किया। 1994 में जब नेल्सन मंडेला दक्षिण अफ्रीका के पहले लोकतांत्रिक राष्ट्रपति चुने गए थे तो पहला ऑरेंज फ्री स्टेट भारतीयों को रंगभेद कानून द्वारा प्रतिबंधित करता था। ब्लूमफोंटेन में बने युद्ध संग्रहालय में दक्षिण अफ्रीकी एंग्लो-बोअर युद्ध की याद बनाया गया है। इस युद्ध में सभी नस्लों के दक्षिण अफ्रीकी शामिल थे। इनमें श्वेत, अफ्रीकी, रंगीन और भारतीय शामिल थे।

लोकतंत्र सेनानियों को अब मिलेगी 20 हजार पेंशन

राज्यपाल ने दी 4 बिल को मंजूरी, नए कानून से क्या होगा फायदा?

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के पारित 4 विधेयकों को राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने मंजूरी प्रदान की है। राज्य सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही ये चारों विधेयक तत्काल प्रभाव से कानून बन गए हैं। इन नए कानून के तहत अब लोकतंत्र सेनानियों को 20 हजार रुपए पेंशन मलिगी। साथ कुलपति अब कुलगुरु के नाम से पुकारे जाएंगे। राजस्थान में मौजूदा वक्त में 33 सरकारी विश्वविद्यालय है, जहां अब कुलपति को कुलगुरु कहा जाएगा।

इस नए कानून के तहत अब लोकतंत्र सेनानियों को 20 हजार रुपए पेंशन मलिगी। साथ ही 4,000 रुपए मेडिकल भत्ता और रोडवेज बसों में फ्री यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा उनके आश्रित को भी मिलेगी। मौजूदा वक्त में राजस्थान में 1,140 लोकतंत्र सेनानी या उनके आश्रित हैं। लोकतंत्र सेनानी की मृत्यु के बाद, उनके जीवनसाथी को आजीवन ये सुविधाएं मिलती रहेगी। राष्ट्रीय पर्वों पर आमंत्रित किया जाएगा। कांग्रेस सरकार ने 2019 में इसे बंद कर दिया था।

प्रदेश में कुलपति का अब कुलगुरु के नाम से पुकारे जाएंगे। प्रदेश में मौजूदा वक्त में 33 सरकारी विश्वविद्यालय हैं। नए कानून के तहत कुलपति को 'कुलगुरु' और प्रति-कुलपति को 'प्रति-कुलगुरु' का नाम दिया गया है।

राजस्थान में कई कानून थे, जिनकी अब उपयोगिता नहीं थी। तो इस नए कानून के तहत राजस्थान के 45 अप्रचलित और पुराने कानूनों को खत्म कर दिया गया है। खत्म किए गए कानून में जयादातर पंचायतीराज विभाग से संबंधित थे।

अब राजस्थान के नगर सुधार न्यासी और प्राधिकरणों में न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं होगी। जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर और अजमेर विकास प्राधिकरणों में न्यायाधीशों की आवश्यकता को खत्म करने वाला बिल पारित कर दिया गया है। यह बिल सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम निर्णय के बाद लाया गया। इससे प्राधिकरणों की शक्तियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और राजस्थान सरकार एक समान सेवा-शर्तें निर्धारित कर सकेगी।

पीकेसी-ईआरसीपी व यमुना जल परियोजना को पूरा करने का समय तय

एक्शन मोड में सीएम भजनलाल

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में पानी से जुड़े दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी) और यमुना जल परियोजना को पूरा करने के लिए सरकार ने समय सीमा तय कर दी है। पीकेसी-ईआरसीपी को अगले दो साल में पूरा किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को हर 15 दिन में मुख्यमंत्री कार्यालय को रिपोर्ट देनी होगी। वहीं, यमुना जल समझौते के लिए मुख्यमंत्री खुद 20 अप्रेल को पिलानी में टास्क फोर्स की मीटिंग लेंगे।

दोनों प्रोजेक्ट के लिए मिशन मोड में काम करने निर्देश

दोनों प्रोजेक्ट के लिए भूमि अवाप्ति के काम में तेजी के लिए

अलग से विशेषाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जल संसाधन विभाग, इंदिरा गांधी नहर विभाग, सिंचित क्षेत्र विकास एवं जल उपयोगिता विभाग की समीक्षा बैठक में दोनों प्रोजेक्ट के लिए मिशन मोड में काम करने निर्देश दिए।

ईसरदा परियोजना : जून तक पूरा करने के निर्देश

सीएम ने परवन वृहद् बहु-उद्देशीय सिंचाई परियोजना में बांध निर्माण कार्य एवं पाइपलाइन वितरण प्रणाली से लेकर डिग्गी एवं पंप हाउस कार्यों में गति लाने की जरूरत जताई। साथ ही धौलपुर लिफ्ट सिंचाई परियोजना एवं ईसरदा पेयजल परियोजना को जून में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपर हाई लेवल कैनाल परियोजना, पीपलखूंट हाई लेवल कैनाल परियोजना, साबरमती बेसिन के अपवर्तन जल एवं देवास तृतीय एवं चतुर्थ परियोजना की समीक्षा की।

'अधिकारी फील्ड में रहें, पेयजल शिकायतों का तुरंत निस्तारण हो'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गर्मियों में पेयजल प्रबंधन पर हिदायत दी कि अधिकारी फील्ड में रहें और प्रमुख योजनाओं को समय पर पूरा किया जाए। इसके अलावा पानी को लेकर आने वाली शिकायतों का भी तुरंत समाधान किया जाए। उन्होंने कलक्टर की सिफारिश पर जिलों में पेयजल कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि राज्य एवं जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। हर ग्राम में दो जल मित्र बनाए जाएं, वहीं नहरबंदी के दौरान प्रभावित जिलों में डिग्गियों को पूरा भरा जाए।

कांग्रेस के राज में पेंटर, दर्जी और पंचर बनाने तक सिमटा मुस्लिमों का जीवन- राधामोहन

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की प्रदेश कार्यशाला को संबोधित करते हुए अभियान के राष्ट्रीय संयोजक एवं भाजपा के राजस्थान प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 65 वर्षों तक मुस्लिम समुदाय को सिर्फ वोट बैंक समझा और उनकी सामाजिक-आर्थिक उन्नति के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में मुस्लिम समाज सिर्फ मोची, पेंटर, दर्जी, बैंड-बाजा बजाने वाला और पंचर बनाने वाला बनकर रह गया। वहीं भाजपा के मात्र 11 वर्षों के शासन में केंद्रीय नौकरियों में मुस्लिम समुदाय की भागीदारी 5 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गई है। कांग्रेस मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक मानती है, जबकि भाजपा उन्हें गर्व और स्वाभिमान के साथ 'भारतीय' के रूप में खड़ा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का बताया था, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे नकारते हुए गरीबों को प्राथमिकता दी और योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सभी को दिया। परिणामस्वरूप सरकार की विभिन्न योजनाओं में मुस्लिम समुदाय की भागीदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी

है। जिसका परिणाम है कि 15 प्रतिशत आबादी वाला मुस्लिम समाज आज पीएम आवास योजना में 31 प्रतिशत, उज्ज्वला योजना में 37 प्रतिशत, मुद्रा में 36 प्रतिशत, जन-धन योजना में 42 प्रतिशत, पीएम किसान सम्मान निधि योजना में 33 प्रतिशत और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन गारंटी योजना में 70 प्रतिशत लाभान्वित हुआ है।

डॉ. अग्रवाल ने वक्फ संपत्तियों को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कुरान कहती है कि लेन-देन लिखित में हो और गवाह हों लेकिन वक्फ संपत्तियों में ऐसा कुछ नहीं होता। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग वक्फ संपत्तियों को हड़पने में लगे हैं और इनकी कमाई को खुर्द-बुर्द कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2006 में सच्चर समिति की रिपोर्ट के अनुसार देश में 6 लाख एकड़ की 4.5 लाख वक्फ संपत्तियां थीं, जिनसे सालाना 12 हजार करोड़ रुपये की आय होनी चाहिए थी, परंतु केवल 163 करोड़ रुपये की ही आय दिखाई गई। यह रकम मजहबी और कांग्रेसी नेताओं द्वारा लूटी जा रही थी। 2025 तक वक्फ संपत्तियों की जमीन बढ़कर 37 लाख 94 हजार एकड़ हो गई है, लेकिन कमाई बढ़कर सिर्फ 166 करोड़ रुपये ही हुई है, जबकि इनसे प्रतिवर्ष 1 लाख करोड़ रुपये की आय होनी चाहिए थी।

कर्नाटक अल्पसंख्यक आयोग की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए डॉ. अग्रवाल ने कहा कि वहां की 54 हजार वक्फ संपत्तियों में से 29 हजार संपत्तियों को खुर्द-बुर्द कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे, सीके जाफर शरीफ, सीएम इब्राहिम और रहमान खान ने इन संपत्तियों पर कब्जा जमाया।

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहलोत ने उठाए सवाल

कहा- 'सरकारी अस्पतालों में दवा उपलब्ध नहीं'

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की मौजूदा स्वास्थ्य व्यवस्था पर चिंता जताते हुए सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर चिकित्सा सेवाओं की गिरती स्थिति को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया।

गहलोत ने लिखा कि कांग्रेस शासनकाल के दौरान राजस्थान को देश का सबसे बेहतरीन हेल्थ मॉडल स्टेट माना गया था। उस समय राज्य में स्वास्थ्य बीमा कवरेज का दायरा सबसे अधिक था। साथ ही नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उपजिला एवं जिला अस्पताल, मेडिकल और नर्सिंग कॉलेज खोले गए थे। बड़ी संख्या में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती भी की गई थी। उन्होंने कोविड-19 प्रबंधन और राइट टू हेल्थ कानून को कांग्रेस सरकार की बड़ी उपलब्धियों में गिनाते हुए दावा किया कि इन कदमों की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई थी।

मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए गहलोत ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में ना तो दवाएं उपलब्ध हैं और ना ही इलाज की पर्याप्त सुविधाएं। उन्होंने गर्मी के मौसम में अस्पतालों में कूलर और एसी जैसी बुनियादी सुविधाएं न होने का मुद्दा भी उठाया। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आरयूएचएस जैसे प्रमुख अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में भी एसी काम नहीं कर रहे हैं। गहलोत ने आरोप लगाया कि चिकित्सा विभाग की कई अहम योजनाओं को फ्लैगशिप स्कीमों की सूची से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने हाल में सामने आईं घटनाओं का उल्लेख करते हुए लिखा कि कहीं मरीज की जगह उसके पिता की सर्जरी कर दी गई, तो कहीं शव को सम्मानपूर्वक ले जाने के लिए एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने लिखा कि स्वास्थ्य सेवाएं राजनीति का विषय नहीं हैं, बल्कि यह पूरे प्रदेश की चिंता का विषय है।

रणथंभौर में मासूम की मौत के बाद भड़के डोटासरा

बोले- यह मौत नहीं, हत्या; ये लोग सिर्फ लूट-खसोट में लगे हैं

नसवाई माधोपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि प्रदेश की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। डोटासरा ने रणथंभौर में 7 साल के कार्तिक की बाघ के हमले में हुई मौत को उन्होंने हत्या करार दिया। डोटासरा ने अलवर में आवारा कुत्तों के आतंक, कोटा में मरीज की जगह अटेंडेंट की सर्जरी और चूरू में इलाज के लिए भटकते मरीजों का जिक्र कर स्वास्थ्य सेवाओं को भगवान भरोसे बताया। उन्होंने सवाल उठाया- आखिर कब तक सहेगा राजस्थान?

डोटासरा ने पत्रिका की खबर शेयर कर दागे सवाल

दरअसल, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने राजस्थान पत्रिका की खबर को शेयर करते हुए सवाल पूछा कि कब तक सहेगा राजस्थान? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का शासन पूरी तरह 'कोलेप्स' कर चुका है, 4 जिलों की ये सुर्खियां प्रदेश की बदहाल और चरमराई व्यवस्था की सच्चाई बता रही हैं।

रणथंभौर में 7 साल के कार्तिक की मौत नहीं, हत्या हुई है जिसकी ज़िम्मेदार सरकार है। त्रिनेत्र गणेश मंदिर के पास कई दफा बाघ को देखा गया था, स्थानीय लोगों ने वीडियो बनाकर वन विभाग को आगह किया, लेकिन बावजूद इसके सरकार सोती रहीं। नतीजतन द्वारका माली जी के कलेजे का टुकड़ा चला गया लेकिन इनको कोई परवाह नहीं।

डोटासरा ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में केंद्र से राज्य तक अलवर का बड़ा प्रतिनिधित्व है, लेकिन हालात बद से बद्तर हैं। हर जगह आवारा कुत्तों का आतंक हैं, लेकिन कोई सुनने और देखने वाला नहीं है। माननीयों.. ढाई साल का मासूम किस पीड़ा से गुजर रहा है उसके माता-पिता से पूछो।

स्वास्थ्य सेवाओं का सिस्टम भगवान भरोसे- डोटासरा

उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में स्वास्थ्य सेवाओं का सिस्टम तो भगवान भरोसे है। कोटा में मरीज़ की जगह अटेंडेंट की सर्जरी कर दी, तो चूरू में करंट लगने के बाद महिला को कंधे पर लेकर पति अस्पताल में घूमता रहा, लेकिन कोई देखने वाला नहीं था।

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राजस्थान की जनता ने बड़ी उम्मीद से भाजपा को सत्ता सौंपी थी, लेकिन ये लोग सिर्फ लूट-खसोट और कुर्सी के लालच में एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हैं। जनता से इन्हें कोई सरोकार नहीं है।

भीषण लू की चपेट में राजस्थान

आईएमडी ने 4 जिलों में दिया रेड अलर्ट, अंधड़ की चेतावनी

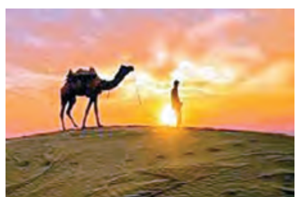

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। मौसम विभाग के मानचित्र पर राजस्थान पूरी तरह से लाल दिखाया जा रहा है। आज प्रदेश के 23 शहरों में जबरदस्त लू की चेतावनी है, इनमें जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर और बीकानेर में सबसे ज्यादा हालात खराब है। इसलिए यहां मौसम विभाग की तरफ से लू का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के 8 शहरों मे आज तेज आंधी की चेतावनी भी दी गई है। भारत सरकार के मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 18 अप्रैल तक राजस्थान व 17 अप्रैल तक गुजरात में लू की स्थिति बनी रहेगी।

इसी बीच मौसम विभाग ने 18 व 19 अप्रैल को देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में कई जगहों पर भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के अनुसार 16 अप्रैल से हिमालय के पश्चिमी हिस्से में एक तीव्र विक्षोभ सक्रिय हुआ है, जिसका सबसे ज्यादा असर 18 व 19 अप्रैल को होगा। इसके असर से मैदानी इलाकों में गरज के साथ बिजली गिरने और बारिश की संभावना है।

आज एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के चलते प्रदेश के 8 जिलों में आंधी और बूंदाबांदी की चेतावनी भी है।। मौसम विभाग का कहना है कि इस विक्षोभ के प्रभाव से अलवर, बांसवाड़ा, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झुंझुनू और करौली में तेज आंधी चल सकती और हल्की बूंदाबांदी भी होने की संभावना है।

वहीं अजमेर, बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, झालवाड़, जयपुर, झुंझुनू, कोटा, प्रतापगढ़, सीकर, चूरू, जालौर, नागौर, पाली, हनुमानगढ़ और गंगानगर में हीट वेव्स का अलर्ट जारी किया गया है। इनमें नागौर, पाली, जालौर और चित्तौड़गढ़ में ऑरेंज तथा बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर और बीकानेर में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

उदयपुर में घर में लगी भीषण आग

मां-बाप की आंखों के सामने ही जिंदा जलकर कोयला बन गए दो बच्चे

उदयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर जिले में बीती रात हृदय विदारक घटना में दो मासूम जिंदा जल गए। दुकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग में माता-पिता भी झुलस गए। घटना पाटिया थाना इलाके में कनबई गांव में हुई जिससे गांव में गमगीन माहौल है। घटना के बाद झुलसे माता-पिता को डूंगरपुर अस्पताल रेफर किया गया। जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

शॉर्ट सर्किट से दुकान में लगी आग

पुलिस के अनुसार कनबई पुलिस चौकी के सामने प्रभुलाल गमेती का मकान है। जिसमें वह चाय की दुकान भी चलाता था। शॉर्ट सर्किट से अचानक चाय की दुकान में आग लग गई। कुछ ही देर में लपटें पूरे घर में फैल गई। घर में प्रभुलाल गमेती और पत्नी पुष्पादेवी, पुत्री जिनल (13) व पुत्र सिद्धार्थ (6) आग की लपटों में घिर गए। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। ग्रामीण भी बड़ी संख्या में जुट गए। उन्होंने आग बुझाने का प्रयास किया। बिजली की सप्लाई भी बंद कराई। तब तक मासूम जिनल और सिद्धार्थ जिंदा जल गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रभुलाल और पुष्पादेवी भी झुलसे।

दोनों को तत्काल 108 एम्बुलेंस से डूंगरपुर के लिए रवाना किया गया। हादसे के बाद पाटिया गांव में हड़कंप मच गया । नयागांव उपखण्ड अधिकारी, पहाडा थाना पुलिस समेत कई प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे।

अग्निशमन वाहनों का टोटा

ग्रामीणों ने बताया कि आग बुझाने के लिए लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। खेरवाडा, ऋषभदेव, सेमारी, नयागांव उपखण्ड़ क्षेत्र होने के बाद भी आसपास अग्निशमन की गाड़ी नहीं है। इस कारण आगजनी की घटनाओं पर तत्काल अंकुश नहीं लग पा रहा है। कनबई बस स्टैंड के समीप हुए हादसे में भी दमकल की कमी खली।

कार-वैन में भिड़ंत के बाद लगी भीषण आग, चालक जिंदा जला

हाईवे पर मची अफरातफरी

भीलवाड़ा, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में गुरूवार दोपहर भीषण हादसे से हड़कंप मच गया। कोटा-चित्तौड़गढ़ राजमार्ग पर लाडपुरा के पास एक तेज रफ्तार कार और वैन की भिड़ंत हो गई। भिडंत के बाद वैन में आग लग गई और वैन हाईवे से उतरकर खाई में पलट गई। वहीं वैन क्षतिग्रस्त होने पर उसमें फंसे चालक की जीवन की डोर आग की लपटों में घिर कर टूट गई। वैन चालक के जिंदा जलने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

भीलवाड़ा जिले में लाडपुरा के निकट हाईवे पर हादसे में वैन में लगी विकराल आग की लपटें काफी दूर तक दिखाई दी। वाहनों की भिड़ंत से हुए तेज धमाके की आवास सुनकर आस पास रहने वाले ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े। वैन में आग से घिरा वाहन चालक मौके पर मौजूद ग्रामीणों से चिल्लाकर बचाने की गुहार लगाता रहा लेकिन वैन में लगी भीषण आग के कारण कोई भी चालक तक पहुंचने की हिम्मत नहीं जुटा सका। आखिरकार वैन चालक के चिल्लाने की आवाज भी खामोश हो गई।

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने पहले तो अपने स्तर पर आगे पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन बेकाबू होती आग के आगे वे भी बेबस नजर आए। स्थानीय लोगों ने मांडलगढ़ में दमकल को सूचना दी। दमकल ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया लेकिन तब तक आग की लपटों में घिरी वैन कबाड़ में तब्दील हो चुकी थी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से जिंदा जले वैन चालक का शव बाहर निकाला। घटना के दौरान हाईवे पर अफरातफरी मच गई और यातायात जाम हो गया।

नाबालिग लड़की के साथ 60 साल के बुजुर्ग ने की आत्महत्या, मची सनसनी

बीकानेर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बीकानेर जिले के नोखा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी नारायणराम जाट और पड़ोस में रहने वाली नाबालिग लड़की ने एक साथ आत्महत्या कर ली। यह चौंकाने वाली घटना नोखा के जोरावरपुरा क्षेत्र, गट्टाणी स्कूल के पीछे स्थित एक मकान में घटित हुई। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी मची हुई है। पुलिस को सूचना मिली कि नारायणराम के घर में दो शव फंदे से लटके हुए हैं। नोखा थानाधिकारी अमित कुमार स्वामी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया। इसके बाद दोनों शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। बता दें, मौके से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, लेकिन पुलिस ने फिलहाल जानकारी को सार्वजनिक नहीं किया है। अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम संबंधों से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

नायब तहसीलदार पर फायरिंग करने वाले तीन आरोपी हिरासत में

अलवर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अरावली विहार थाना पुलिस ने थाने में घुसकर नायब तहसीलदार और उनके साथियों पर जानलेवा हमला करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभी इनकी पहचान उजागर नहीं की है। यह वारदात 12 अप्रैल की रात की थी, जब नायब तहसीलदार अपने परिचित नीरज शर्मा और संजय सैनी के साथ कटी घाटी से शहर की तरफ आ रहे थे। तभी रास्ते में एक स्कॉर्पियो ने उनकी कार को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान उनकी गाड़ी में टक्कर मारी गई। इस विवाद के बाद आरोपी थाने आए। यहां पुलिस के सामने भी विवाद नहीं रुका। थाने पहुंचने के बाद भी आरोपी नहीं रुके और वहां हमला कर दिया।

सहायक पुलिस उप निरीक्षक ओम प्रकाश चौधरी के अनुसार, जांच में सामने आया कि तीनों आरोपी—निखिल प्रताप राजपूत (निवासी कसौदा गांव), जहीर खान (निवासी धाडोली गांव) और सचिन शर्मा (निवासी बख्तल की चौकी) शराब के नशे में थे। यह विवाद ओवरटेक किये जाने को लेकर हुआ था। बाद में इसने हिंसक रूप ले लिया। नशे में आरोपियों ने खतरनाक कदम उठाया। नायब तहसीलदार पर फायरिंग कर दी।फायरिंग के दौरान नायब तहसीलदार ने पुलिस थाने में घुस कर इन बदमाशों से अपनी जान बचाई। पुलिस के अनुसार इस घटना के बाद ये बदमाश वहां से भाग खड़े हुए। अब पुलिस ने इन तीनों को गिरफ्तार कर लिया है।

जमीन का जबरन एग्रीमेंट कराकर वसूली करने वाले आरोपी की परेड निकाली

निलंबित कांस्टेबल अब भी फरार

उदयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र में जबरदस्ती जमीन का एग्रीमेंट कराकर 35 लाख 50 हजार रुपए की अवैध वसूली के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि नाई थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर दिलीपनाथ व उसके साथियों ने मिलकर सुनियोजित षड्यंत्र के तहत पीड़ित को जबरन उसके घर के बाहर से उठाकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसे बडगांव तहसील कार्यालय ले जाकर जमीन का एग्रीमेंट करवाया और लगातार पीड़ित को धमकाते हुए 35.50 लाख रुपए ऐंठ लिए।

इस मामले मे सुखेर थाने में दिलीपनाथ सहित अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था, जिसकी जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा के निर्देशन में डिप्टी सूर्यवीर सिंह राठौड़ को सौंपी गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अम्बामाता थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर नरेश पालीवाल को गिरफ्तार किया है। इससे पहले इसी प्रकरण में सुखेर थाना के हिस्ट्रीशीटर नरेश वैष्णव को भी गिरफ्तार किया जा चुका है, जो फिलहाल न्यायिक अभिरक्षा में है। मामले में मुख्य आरोपी दिलीपनाथ सहित कई अन्य नामजद आरोपी वीरेंद्र सिंह (निलंबित पुलिस कांस्टेबल), गजेंद्र चौधरी, देवेंद्र उर्फ डेविड, शंकर सिंह, पीटू कलाल, नारायण दास और अन्य साथियों की तलाश जारी है।

दोस्ती के लिए मना किया तो युवक ने चलाई गोली

जयपुर, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के रामनगरिया थाना क्षेत्र में एक युवक ने युवती से जबरन दोस्ती करने के दबाव में असफल होने पर उस पर देसी कट्टे से फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली युवती के हाथ को छूकर निकल गई और वह गंभीर रूप से घायल होने से बच गई। पुलिस ने इस मामले में गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रामनगरिया थाने के थानाधिकारी चंद्रभान ने बताया कि पीड़िता 24 वर्षीय युवती मूल रूप से खेड़ली, अलवर की निवासी है और फिलहाल जयपुर के जगतपुरा इलाके में एसकेआईटी कॉलेज के पास एक किराए के मकान में रह रही है। पीड़िता के अनुसार आरोपी युवक विनोद मीणा, जो उसका दूर का रिश्तेदार है, लंबे समय से उसे फोन व मैसेज कर दोस्ती के लिए दबाव बना रहा था।

जूपल्ली ने यूरोपीय संघ द्वारा वित्तपोषित पर्यटन हितधारकों की कार्यशाला का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने गुरुवार को यहां राष्ट्रीय पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन संस्थान द्वारा क्रियान्वित यूरोपीय वित्तपोषित परियोजना एस आईपीएएस का उद्घाटन किया।

उन्होंने परियोजना की वेबसाइट भी लॉन्च की। इस अवसर पर, मंत्री ने लातविया के विडज़ेमे यूनिवर्सिटी ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज के प्रतिनिधियों, प्रोफेसर अगिता, प्रोफेसर दुराते ज़ारा ब्रासिल, पुर्तगाल के इंस्टीट्यूटो पोलिटेक्निको डी सेतुबल, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर संपदा कुमार स्वैन और कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ.जी. महेंद्र तथा अन्य संघ सदस्यों को सम्मानित किया। कार्यशाला की शुरूआत एनआईटीएचएम के छात्रों द्वारा एक जीवंत पारंपरिक नृत्य प्रदर्शन के साथ हुई, जिसके बाद टीजीटीडीसी के प्रबंध निदेशक एन. प्रकाश रेड्डी, एनआईटीएचएम के निदेशक जेंडेगे हनुमंत कोंडिबा और भारत, लातविया और पुर्तगाल भर में एसआईपीएएस परियोजना संघ के प्रमुख प्रतिनिधियों सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर, तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. बालाकिस्ता रेड्डी ने शिक्षा पाठ्यक्रम में सुधार के लिए राज्य के दृष्टिकोण को साझा किया। डॉ.पी. श्रयंबकम ने एसआईपीएएस पहल का अवलोकन प्रदान किया, जिसमें कौशल-संचालित, उद्योग-प्रासंगिक पाठ्यक्रम बनाने के अपने मिशन पर प्रकाश डाला गया। कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ.जी. महेंद्र रेड्डी ने परियोजना के व्यापक दायरे के बारे में विस्तार से बताया, जो तीन देशों में फैला हुआ है और इसमें छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सात केंद्रित कार्य पैकेज शामिल हैं।

मुख्य भाषण देते हुए, ज़ेंडेज हनुमंत कोंडिबा ने व्यावहारिक, प्रौद्योगिकी-उन्मुख सीखने के अनुभवों को सक्षम करने के लिए शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया। पांडिचेरी विश्वविद्यालय के एसआईपीएएस परियोजना प्रबंधक प्रोफेसर संपदा स्वैन ने अन्य शैक्षणिक विशेषज्ञों के साथ मिलकर परियोजना के स्थिरता, हितधारक जुड़ाव और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक मानकों के साथ सरेखण पर ध्यान केंद्रित किया। टीजीटीडीसी के प्रबंध निदेशक एन. प्रकाश रेड्डी ने कुशल जनशक्ति के महत्व के बारे में बैठक को जानकारी दी और यूरोपीय परियोजना को लागू करने की पहल करने के लिए एनआईटीएचएम के निदेशक ज़ेंडेज हनुमंत कोंडिबा को बधाई दी। परियोजना से नए पाठ्यक्रम प्रदान करने की उम्मीद है जिसमें आतिथ्य के छात्रों को चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए तैयार करने के लिए एआर/वीआर तकनीक का उपयोग शामिल है। कार्यशाला में ताज समूह, ग्रीन पार्क, रेडिसन ब्लू आदि जैसे प्रमुख होटलों और ट्रैवल एजेंसियों और टूर ऑपरेटरों के विभागाध्यक्षों और महाप्रबंधकों ने भाग लिया। ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील और तेलंगाना के चेयरमैन नागेश पम्पति उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे।

केसीआर कृष्णा जल में तेलंगाना के हिस्से की सुरक्षा के लिए कार्य योजना की घोषणा करेंगे : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता जी जगदीश रेड्डी ने घोषणा की कि बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव जल्द ही कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना के उचित हिस्से की रक्षा के लिए कार्रवाई की घोषणा करेंगे। उन्होंने कृष्णा नदी के जल में तेलंगाना के उचित हिस्से की रक्षा करने में कांग्रेस सरकार की पूर्ण विफलता के मद्देनजर राज्य के हितों की रक्षा के लिए एक और बड़ी लड़ाई के लिए जनता से तैयार रहने का आग्रह किया। कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) के नवीनतम आंकड़ों का हवाला देते हुए, जगदीश रेड्डी ने कहा कि आंध्र प्रदेश ने नदी के 74 प्रतिशत पानी का उपयोग कर लिया है, जबकि तेलंगाना के पास 24 प्रतिशत से भी कम पानी बचा है। उन्होंने कहा कि बीआरएस लंबे समय से चेतावनी दे रहा है। अब, केआरएमबी ने हमारे डर की पुष्टि की है। यह कांग्रेस सरकार द्वारा तेलंगाना के साथ विश्वासघात है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनके कैबिनेट मंत्री लोगों से माफ़ी मांगें। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश द्वारा 65 टीएमसी पानी उठाने के बावजूद कृष्णा बेसिन जिलों से तेलंगाना के मंत्री चुप हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मंत्री किसानों को बचाने के बजाय कमीशनखोरी और दिल्ली में लॉबिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। पूर्व मंत्री ने बताया कि बीआरएस शासन के तहत तेलंगाना ने कृष्णा नदी के 38 प्रतिशत से अधिक पानी का उपयोग किया था। उन्होंने चेतावनी दी कि लगातार लापरवाही से राज्य के अधिकारों का और अधिक हनन होगा।

फिर से खोला जाएगा तरनाका जंक्शन

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तरनाका जंक्शन, जिसे पहले बंद कर दिया गया था, अब परीक्षण के आधार पर एक पखवाड़े के लिए उस्मानिया विश्वविद्यालय से लालपेट की ओर और इसके विपरीत वाहनों की आवाजाही के लिए फिर से खोला जाएगा। ट्रायल रन 18 अप्रैल से 2 मई के बीच आयोजित किया जाएगा। उस्मानिया विश्वविद्यालय से आने वाले यातायात को सीधे लालापेट की ओर जाने और हब्सीगुडा की ओर दाहिनी ओर मुड़ने की अनुमति दी जाएगी, जबकि लालापेट से आने वाले यातायात को सीधे उस्मानिया विश्वविद्यालय की ओर जाने और मेट्टूगुडा की ओर दाहिनी ओर मुड़ने की अनुमति दी जाएगी।

जिला कलेक्टर ने 'भू-भारती 2025' पर किसानों को जागरूक किया

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी रूप से प्रस्तुत किया गया नया आरओआर अधिनियम, 'भू-भारती 2025' भूमि विवादों के समाधान में बहुत योगदान देगा।

वे गुरुवार को भू-भारती अधिनियम और इसके पहलुओं के बारे में एक कार्यक्रम के दौरान किसानों को जागरूक कर रहे थे। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकार ने बिना किसी भूमि विवाद के किसानों की भूमि पर पूर्ण स्वामित्व अधिकार प्रदान करने के लिए कई नए तत्वों को शामिल करते हुए यह नया आरओआर कानून लाया है और धरनी के स्थान पर एक नई भू-भारती प्रणाली लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि भू-भारती 2025 अधिनियम में 23 धाराएं और 18 प्रावधान हैं। यह कहा गया कि सरकार भविष्य में आधार की तरह भूमि सर्वेक्षण कराएगी और माप तथा सीमाओं जैसे व्यापक विवरण के साथ 'भूधर' योजना बनाएगी। कहा गया कि यह कानून भूमि अभिलेखों में त्रुटियों को सुधारने का अवसर प्रदान करता है, तथा भूमि पंजीकरण और म्यूटेशन से पहले भूमि सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए तथा नक्शा तैयार किया जाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि यह कानून वर्तमान में लंबित सरल स्वामित्व विलेखों के समाधान में तेजी लाएगा तथा विरासत में मिली भूमि का म्यूटेशन समय सीमा के भीतर पूरा करके तथा अधिकारों के हस्तांतरण को आधिकारिक रूप से पंजीकृत करके प्रणाली अधिक प्रतिबद्धता के साथ काम करेगी। उन्होंने कहा कि दो स्तरीय अपील प्रणाली किसानों को भूमि संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए उचित अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि मकान, भूखंड, आबादी और गैर-कृषि भूमि के अधिकार अभिलेखों के साथ प्रणाली को व्यापक रूप से विकसित करने के अलावा, भविष्य में गरीब किसानों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। कहा गया कि यह अधिनियम गांव के राजस्व अभिलेखों को वैज्ञानिक तरीके से बनाए रखते हुए धोखाधड़ी से अर्जित सरकारी भूमि के स्वामित्व को रद्द करने की शक्ति प्रदान करता है और भू-भारती किसानों की समस्याओं का स्थायी समाधान है। उन्होंने कहा कि एक मई से ग्राम प्रशासन अधिकारियों की नियुक्ति होने से भूमि संबंधी समस्याएं आसान हो जाएंगी।

वन अधिकारियों ने पिंजरे में तेंदुए को फंसाया

संगारेड्डी, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वन अधिकारियों ने पटनचेरू के आईसीआरआईएसएटी परिसर में एक तेंदुए को पकड़ा। परिसर में तेंदुए की गतिविधि को देखने के बाद आईसीआरआईएसएटी के अधिकारियों ने जंगली जानवर को पकड़ने के लिए वन अधिकारियों की मदद ली। वन अधिकारियों ने बुधवार रात को दो बकरियों को चारा के रूप में जाल में फंसाया। दिलचस्प बात यह है कि यह उपाय 24 घंटे से भी कम समय में कारगर साबित हुआ, क्योंकि वन अधिकारियों ने तेंदुए को पिंजरे में फंसा हुआ पाया। वन अधिकारी आज तेंदुए को जंगल के भीतर छोड़ने की तैयारी कर रहे थे। आईसीआरआईएसएटी के कर्मचारी, जो परिसर में तेंदुए की गतिविधि को देखकर पिछले कुछ दिनों से डर में जी रहे थे, अब राहत महसूस कर रहे हैं।

भीड़ कम करने के लिए विशेष ग्रीष्मकालीन ट्रेनें

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीष्म ऋतु के दौरान यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) चर्लापल्ली और दानापुर के बीच विशेष ट्रेन सेवाएं जारी रखेगा। तदनुसार, चर्लापल्ली-दानापुर (07419) सेवा 19 से 26 अप्रैल के बीच और दानापुर-चर्लापल्ली (07420) सेवा 21 से 28 अप्रैल के बीच चलेगी। इन विशेष रेलगाड़ियों में प्रथम एसी, द्वितीय एसी, तृतीय एसी, स्लीपर श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे।

उस्मानिया जनरल अस्पताल में डॉक्टरों ने किया कमाल

गंभीर हेपाटो-पल्मोनरी सिंड्रोम के साथ मार्फन सिंड्रोम का इलाज किया

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मार्फन सिंड्रोम एक आनुवंशिक विकार है जो शरीर के संयोजी ऊतक को प्रभावित करता है, जिसके परिणामस्वरूप हृदय, कंकाल और नेत्र प्रणाली (आंख) में असामान्यताएं होती हैं। मार्फन सिंड्रोम वाले व्यक्ति अक्सर लंबे अंग, जोड़ों की अति-गतिशीलता, कंकाल संबंधी असामान्यताएं, नेत्र संबंधी समस्याएं (लेंस का डिस्लोकेशन, ग्लूकोमा, रेटिनल डिटेचमेंट और महाधमनी धमनीविस्फार सहित हृदय संबंधी जटिलताएं) जैसी विशेषताओं के साथ उपस्थित होते हैं।

हेपेटो-पल्मोनरी सिंड्रोम (एचपीएस) यकृत रोग की एक गंभीर जटिलता है जो फुफ्फुसीय वाहिकाओं के फैलाव के कारण असामान्य फुफ्फुसीय गैस विनिमय की ओर ले जाता है। एक अभूतपूर्व चिकित्सा मील के पत्थर में, हैदराबाद के उस्मानिया जनरल अस्पताल ने दुनिया में पहली बार मार्फन सिंड्रोम और बहुत गंभीर एचपीएस वाले एक रोगी का यकृत प्रत्यारोपण के साथ सफलतापूर्वक इलाज किया गया है। मार्फन सिंड्रोम, जिसका पहली बार 1896 में एंटोनी मार्फन द्वारा वर्णन किया गया था, एफबीएन1 जीन में उत्परिवर्तन के कारण होता है यकृत रोग, हाइपोक्सिमिया और इंट्रापल्मोनरी वैस्कुलर फैलाव के लक्षण। एचपीएस वाले मरीजों को अक्सर सांस की गंभीर तकलीफ और कम ऑक्सीजन के स्तर का अनुभव होता है, जो जीवन की गुणवत्ता और समग्र अस्तित्व को काफी हद तक खराब कर सकता है। एक मरीज, 14 वर्षीय लड़का (जी निखिल रेड्डी पुत्र जी मनमाधा रेड्डी) गोकावरम, मछलीपट्टनम, कृष्णा जिला, एपी का निवासी, बचपन में मार्फन सिंड्रोम का निदान किया गया था। चिकित्सा प्रबंधन के बावजूद, उसे गंभीर यकृत रोग हो गया, जो अंततः बहुत गंभीर हेपेटोपल्मोनरी सिंड्रोम में बदल गया। रोगी की हालत इस हद तक बिगड़ गई कि उसे गंभीर हाइपोक्सिमिया और श्वसन संकट का अनुभव हो रहा था, जिससे उसकी दैनिक गतिविधियों और जीवन की समग्र गुणवत्ता पर काफी असर पड़ रहा था। डेढ़ साल की उम्र में, उसे बाईं आंख में आंख की समस्या हो गई और बाद में मोतियाबिंद हो गया और बाईं आंख की दृष्टि चली गई। सात वर्ष की आयु में, आंख की समस्या (स्थिसिस बल्बी) के लिए सर्जरी के मूल्यांकन के दौरान उनमें सायनोसिस (नाखूनों, हथेलियों, जीभ का नीला पड़ना) पाया गया, उन्होंने 2डी ईसीएचओ, सीटी स्कैन चेस्ट किया और आनुवंशिक असामान्यता का संदेह किया। 12 वर्ष की आयु में, टॉन्सिलेक्टोमी के मूल्यांकन के दौरान उनमें पीलिया का निदान किया गया और सीएमसी वेल्लोर को रेफर किया गया। सीएमसी वेल्लोर ने लिवर बायोप्सी की और 'हेपेटो पल्मोनरी सिंड्रोम के साथ क्रोनिक लिवर रोग' का निदान किया और लिवर प्रत्यारोपण के लिए ओजीएच को रेफर किया। मरीज को गंभीर सांस फूलने की शिकायत के साथ भर्ती कराया गया था, कमरे की हवा में ऑक्सीजन संतृप्ति 68% (एबीजी; पीएओ2: 46) और सामान्य कमजोरी थी।

जांच करने पर, वह बहुत पतला और लंबा था। कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी, एनेस्थिसियोलॉजी, रेडियोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभागों से मिलकर बनी एक बहु-विषयक टीम ने मरीज की स्थिति का मूल्यांकन किया और लिवर प्रत्यारोपण के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया। सर्जरी के दिन, मरीज को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया था, और 7 मार्च को लिविंग डोनर लिवर प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया गया। उनकी मां (जी स्वाति) ने अपने हिस्से का लिवर दान किया। सर्जिकल टीम को मरीज के अंतर्निहित मार्फन सिंड्रोम के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें ऊतकों की नाजुकता और हृदय संबंधी जटिलताओं का खतरा बढ़ गया। हालांकि, प्रक्रिया महत्वपूर्ण जटिलताओं के बिना पूरी हो गई, और मरीज को पोस्टऑपरेटिव देखभाल के लिए गहन देखभाल इकाई में स्थानांतरित कर दिया गया। डॉक्टरों की टीम प्रोफेसर डॉ. सीएच मधुसूदन (एसजीई/एचओडी), डॉ. वासिफ अली, डॉ. सुदर्शन रेड्डी, डॉ. अभिमन्यु सिंह (एचओडी/एनेस्थीसिया), प्रोफेसर चंद्र शकर (एनेस्थीसिया), डॉ. माधवी, डॉ. रघु, डॉ. लक्ष्मी नारायण, डॉ. एन सुनील, डॉ. उमा देवी, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. नदीम, डॉ. विजय पवन, डॉ. रूपा, डॉ. साई सुधा, डॉ. नाला किशोर, डॉ. शंकर सर्जरी में शामिल थे।

एचसीए में व्यापक बदलाव का सुझाव

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। क्रिकेट सत्र 2024-25 के लिए लीग मैचों के आयोजन की कवायद करने के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त एकल सदस्यीय पर्यवेक्षी समिति के न्यायमूर्ति पी नवीन राव ने एचसीए लीग संरचना में व्यापक बदलाव का सुझाव दिया और कुछ महत्वपूर्ण सिफारिशें भी कीं।

न्यायमूर्ति राव ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि एचसीए ने कुछ ऐसे फैसले लिए जो सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त एक सदस्यीय समिति न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की सिफारिशों का भी उल्लंघन करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं सुझाव दूंगा कि हैदराबाद और रंगा रेड्डी जिलों के अलावा सभी जिलों के लिए अलग-अलग लीग मैच आयोजित किए जाने चाहिए और दो सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों को ए-लीग में शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि क्रिकेट सीजन मई में टी-20 लीग के साथ शुरू होना चाहिए। इन्हें सुबह 7 से 11 बजे के बीच और अगर उपलब्ध हो तो फ्लडलाइट्स में आयोजित किया जा सकता है। एचसीए संशोधित प्रारूपों के संचालन पर विचार कर सकता है। न्यायमूर्ति राव ने महसूस किया कि मौजूदा लीग संरचना के कारण एक ही डिवीजन में विभिन्न कौशल स्तरों वाली टीमों का मिश्रण हो गया है। उन्होंने कहा कि यह असमानता प्रतिस्पर्धा की गुणवत्ता को कम करती है, जिससे अक्सर मैच एकतरफा हो जाते हैं और व्यक्तिगत प्रदर्शन में असमानता आ जाती है।

उन्होंने कहा कि घटिया अंपायरिंग के कारण मैच के दौरान विवाद और व्यवधान पैदा हुए, जिससे परिणाम प्रभावित हुए और लीग प्रणाली की विश्वसनीयता और अखंडता पर भी असर पड़ा।

संस्थागत टीमों के बारे में न्यायमूर्ति राव ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक जैसी बहुत कम टीमों को छोड़कर, उनमें से अधिकांश के पास फील्डिंग के लिए पर्याप्त कर्मचारी नहीं थे और इस तरह, कम से कम सात खिलाड़ियों के कर्मचारी होने के नियम का अक्सर उल्लंघन किया जा रहा था।

भू-भारती के माध्यम से भूमि संबंधी मुद्दों का त्वरित समाधान : जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि सरकार द्वारा शुरू किए गए भू-भारती के महत्वाकांक्षी नए आरओआर अधिनियम के माध्यम से भूमि संबंधी मुद्दों को शीघ्र हल करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

गुरुवार को जिले के अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) एम. ने जिले के वानकीडी मंडल केंद्र में रैतु वेदिका में भू-भारती द्वारा आयोजित जागरूकता संगोष्ठी को संबोधित किया। अवसर पर आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव भी उपस्थित थे। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि सरकार द्वारा लाए गए नए आरओआर एक्ट के माध्यम से अधिकार एवं भूमि संबंधी मुद्दों का शीघ्र समाधान हो सकेगा। उन्होंने कहा कि भू-भारती अधिनियम से किसानों को बहुत लाभ होगा और यह कानून सच्चे भू-स्वामी को न्याय दिलाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने धरणी के स्थान पर भूभारती अधिनियम लाया है, अधिकार अभिलेखों में त्रुटियों को सुधारने का अवसर है, तथा भूमि संबंधी मुद्दों को सुलझाने के लिए अपील प्रणाली भी है। उन्होंने बताया कि तहसीलदार द्वारा जारी आदेश के विरूद्ध राजस्व मंडल अधिकारी के समक्ष अपील की जा सकेगी तथा राजस्व मंडल अधिकारी द्वारा जारी आदेश के विरूद्ध कलेक्टर के समक्ष अपील करने की सुविधा शुरू की गई है।

नर्स की आत्महत्या के मामले में व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सरूरनगर पुलिस ने इस सप्ताह की शुरूआत में दिलसुखनगर में 27 वर्षीय नर्स मल्लेश्वरी की आत्महत्या के सिलसिले में बुधवार को 30 वर्षीय जन रेड्डी को गिरफ्तार किया। नलगोंडा निवासी संदिग्ध और पुंजागुट्टा के एक अस्पताल में स्टाफ नर्स के तौर पर काम करने वाली पीड़िता पिछले कुछ सालों से रिलेशनशिप में थे। जन रेड्डी ने कथित तौर पर शादी का वादा करके महिला को शारीरिक संबंध बनाने के लिए राजी किया। पुलिस ने बताया कि बाद में संदिग्ध ने उससे यह कहते हुए किनारा करना शुरू कर दिया कि वह उससे शादी नहीं कर सकता क्योंकि वह समाज में निचली जाति से है। इसके बाद उसने दूसरी महिला से शादी कर ली। इससे परेशान होकर उसने सोमवार को अपने छात्रावास के कमरे में अज्ञात जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी।

केबल चोरी करने के आरोप में नौ गिरफ्तार

संगारेड्डी, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी पुलिस ने बुधवार को नौ लोगों को गिरफ्तार किया, जो संगारेड्डी और सदाशिवपेट कस्बों के आसपास रियल एस्टेट उपक्रमों से कथित तौर पर एल्यूमीनियम बिजली के तार चुरा रहे थे। पुलिस ने उनके पास से 2.2 लाख रुपये कीमत का 778 किलो एल्युमिनियम तार जब्त किया है, जिसे उन्होंने कथित तौर पर 11 अलग-अलग उपक्रमों से चुराया था। पुलिस ने उनके पास से एक ऑटो ट्रॉली और नौ मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। आरोपियों को संगारेड्डी कोर्ट में पेश किया गया। उन्हें रिमांड पर भेज दिया गया है।

टीजीएसआरटीसी का "ट्रांस विजिबिलिटी डे" पर पोस्टर अभियान शुरू

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक स्थानों पर ट्रांसजेंडर समावेशन की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया, जब तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने प्रमुख एनजीओ के साथ मिलकर जागरूकता अभियान के पोस्टर लॉन्च किए।

इस पहल में तेलंगाना के सभी बस डिपो और स्टेशनों पर शैक्षिक पोस्टर लगाए जाएंगे। टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वी.सी. सज्जनार ने ट्रांस विजिबिलिटी डे पर पोस्टर अभियान शुरू किया, जिसमें निगम की समावेशी सार्वजनिक परिवहन वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया। इस पहल का नेतृत्व क्वियर बंधु पैरेंट्स एसोसिएशन की संस्थापक और एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति की मां मुंकुंदा माला और हैदराबाद आर्चडायोसिस सोशल सर्विस सोसाइटी (एचएएसएसएस) के कार्यकारी निदेशक रेव. फादर एंथनी मदनु ने किया, जो एचएएसएसएस के अध्यक्ष कार्डिनल पूला एंथनी के मार्गदर्शन में काम कर रहे हैं। ट्रांसजेंडर अधिकारों की वकालत और आजीविका समर्थन के लिए समर्पित इन संगठनों ने टीजीएसआरटीसी के समक्ष समावेशिता कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा, जिसने अधिक स्वीकार्य माहौल को बढ़ावा देने के अवसर को अपनाया। उद्घाटन के दौरान टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने कहा, सार्वजनिक स्थान सभी के हैं, चाहे उनकी लिंग पहचान कुछ भी हो। इन पोस्टरों के माध्यम से, हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि करते हैं कि ट्रांसजेंडर व्यक्ति हमारी परिवहन सेवाओं का उपयोग करते समय सुरक्षा और सम्मान का अनुभव करें।

टीजीएसआरटीसी नेटवर्क में रणनीतिक रूप से रखी गई सूचनात्मक सामग्री का उद्देश्य लोगों को ट्रांसजेंडर अधिकारों के बारे में शिक्षित करना और सम्मानजनक बातचीत को प्रोत्साहित करना है, जिससे ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए अधिक स्वागत योग्य वातावरण तैयार हो सके। फादर एंथनी मदनु और मुंकुंडा माला ने संयुक्त रूप से कहा, यह दृश्यता अभियान सार्वजनिक शिक्षा और स्वीकृति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम अपने समुदाय में सभी के लिए सार्वजनिक परिवहन को सुलभ और आरामदायक बनाने के लिए टीजीएसआरटीसीके सक्रिय दृष्टिकोण की सराहना करते हैं।

केटीआर ने की कांचा गच्चीबावली भूमि घोटाले की स्वतंत्र जांच की मांग

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांचा गच्चीबावली भूमि मामले में कांग्रेस सरकार द्वारा वित्तीय अनियमितताओं और पर्यावरण मानदंडों के उल्लंघन की स्वतंत्र जांच की मांग की। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के सुझावों का हवाला देते हुए उन्होंने एक कार्यरत न्यायाधीश या सीबीआई, सीवीसी, सेबी, एसएफआईओ और आरबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों के नेतृत्व में उच्च स्तरीय जांच की मांग की। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों को छात्रों और पर्यावरणविदों की जीत बताते हुए, रामा राव ने न्यायिक प्रणाली में जनता का विश्वास बहाल करने के लिए न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ की प्रशंसा की।

गुरुवार को तेलंगाना भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए रामा राव ने बताया कि सीईसी ने स्वतंत्र जांच की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले कांग्रेस सरकार पर तेलंगाना में आरआर (राहुल-रेवंत) कर लगाने का आरोप लगाया था, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, तो वह भी इस पर्यावरणीय और वित्तीय पाप में भागीदार बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर महीने के अंत तक कोई जवाब नहीं आता है तो हम इस मामले को केंद्रीय एजेंसियों और लोगों के सामने ले जाएंगे। उन्होंने मोदी से पूछा कि हैदराबाद विश्वविद्यालय में बुलडोजर चलाने पर टिप्पणी करने में आपको कोई हिचकिचाहट नहीं थी। लेकिन आप कोई कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर आत्मसम्मान की कमी का आरोप भी लगाया।

प्रदूषित जलापूर्ति की शिकायत पर काम शुरू

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय जामबाग मंडल के लोगों ने स्थानीय पत्थर की मस्जिद कमान तथा अन्य आस-पास के इलाकों में प्रदूषित जलापूर्ति की शिकायत की थी। लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए आज पार्षद राकेश जायसवाल एवं डॉ. सुरेख की पहल पर जलकल विभाग ने सुचारु रूप से जल प्रदाय करने के लिए काम शुरू कर दिया है। राकेश जायसवाल ने बताया कि बीते दिनों में निकले जुलूस की वजह से काम कुछ समय के लिए बाधित हो गया था। उन्होंने जलकल तथा सीवरेज बोर्ड के उच्च अधिकारियों के साथ इलाकों का दौरा किया तथा प्रभावित इलाकों में बाधित तथा प्रदूषित जलापूर्ति का वास्तविक समाधान ढूंढ़कर निष्कर्ष निकाला। जायसवाल ने बताया कि मंडल के लोग पिछले डेढ़ साल से स्वच्छ पेयजल की समस्या से जूझ रहे थे। आज शुरू किए गए काम के पूरा होने के बाद जामबाग मंडल के प्रभावित इलाकों में आगे से ऐसी कोई समस्या नहीं आएगी। सीजीएम प्रभु, जीएम जॉन शरीफ, डीजीएम दिलीप कुला शेखर, हिंदी नगर मैनेजर साई मिलिक सुल्तान बाजार प्रबंधक इंस्पेक्टर मुरली का सहयोग सराहनीय रहा। इस सुधार के बाद लोगों की समस्याएं हमेशा के लिए समाप्त हो जाएंगी।

प्यार का झांसा देकर महिला को परेशान करने के आरोप में युवक पर केस

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने बुधवार को एक लोकप्रिय सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म पर प्यार के बहाने एक महिला को परेशान करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। करीब एक साल पहले 18 वर्षीय युवती की दोस्ती सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म के जरिए निजी कर्मचारी सुमंत कुमार (20) से हुई थी। तब से दोनों की दोस्ती जारी है।पुलिस ने बताया कि हाल ही में सुमंत ने उसके सामने प्रेम प्रस्ताव रखा था, लेकिन उसने उसे अस्वीकार कर दिया। इस बात से नाराज होकर उसने उसे परेशान करना शुरू कर दिया और उसे तथा उसके परिवार को जान से मारने की धमकियां देने लगा। उत्पीड़न को और आगे नहीं बढ़ा पाने पर उसने शिकायत दर्ज कराई। जुबली हिल्स पुलिस जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गंभीर के कमेंट्स लीक होने के बाद बड़ी कार्रवाई

बीजीटी में हार के बाद बीसीसीआई ने तीन कोचिंग स्टाफ को दिखाया बाहर का रास्ता

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में टीम इंडिया की 1-3 से हार और ड्रेसिंग रूम की बातें लीक होने पर तीन कोचिंग स्टाफ को हटा दिया है। इसमें सहायक कोच अभिषेक नायर के अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई शामिल हैं। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नायर की जगह किसी को नियुक्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि बल्लेबाजी कोच के तौर पर सितांशु कोटक पहले ही टीम इंडिया के साथ जुड़े हुए हैं। वहीं, दिलीप का काम सहायक कोच रेयान टेन डेस्काटे देखेंगे।

एड्रियन ली रू लेंगे ट्रेनर सोहम देसाई की जगह

ट्रेनर सोहम देसाई की जगह एड्रियन ली रू लेंगे, जो अभी आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ जुड़े हुए हैं। वे 2008 से 2019 तक केकेआर टीम के साथ भी थे। उन्होंने 2002 से 2003 तक टीम इंडिया के साथ भी काम किया। उनका बीसीसीआई के

साथ कॉन्ट्रैक्ट हो गया है।

दिलीप और सोहम को भारतीय टीम के साथ तीन साल से ज्यादा समय हो गया था। जबकि, अभिषेक नायर 8 महीने पहले ही टीम के साथ जुड़े थे।

बीजीटी के दौरान गंभीर की ड्रेसिंग रूम में कही बात लीक हो गई थी

बीजीटी के दौरान मेलबर्न टेस्ट में हार के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने ड्रेसिंग रूम में लौटने के तुरंत बाद पूरी टीम से कहा कि अब बहुत हो गया। गंभीर ने खिलाड़ियों के गलत शॉट सिलेक्शन पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि नेचुरल गेम खेलने का बहाना बनाने वाले खिलाड़ियों को सिचुएशन के हिसाब से खेलना होगा।

गंभीर की यह बात लीक हो गई थी। उसके बाद गंभीर ने कहा था कि प्लेयर्स और कोच के बीच की बातचीत ड्रेसिंग रूम तक ही सीमित रहनी चाहिए। इसे बाहर नहीं आना चाहिए। गंभीर ने ड्रेसिंग रूम में तनाव की खबरों का भी खंडन किया था और कहा कि ये केवल रिपोर्ट हैं, इसमें सच्चाई नहीं।

बीजीटी: भारत पहला टेस्ट जीता, एक ड्रॉ और तीन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहे

भारत बॉर्डर गावस्कर सीरीज 3-1 से हारा था। इस सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला गया था। भारत ने 295 रन से इस मैच को जीता था। उसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वापसी की और एडिलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट में भारत को 10 विकेट से हराया। वहीं, बिस्ब्रेन में खेला गया तीसरा मुकाबला ड्रॉ रहा। मेलबर्न में खेले गए चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 184 रनों से हराया। सिडनी में खेला गया आखिरी मुकाबला भी ऑस्ट्रेलिया 6 विकेट से जीता।

भारत के दो मुख्य बल्लेबाज रोहित और कोहली का खराब प्रदर्शन

भारत के दो टॉप बैटर रोहित शर्मा और विराट कोहली टीम की सबसे बड़ी कमजोरी साबित हुए। BGT में कोहली ने 9 पारियों में एक नाबाद शतक सहित 190 रन बनाए। जबकि, रोहित से 5 पारियों में मात्र 31 रन बन सके। भारतीय टीम सीरीज की 9 इनिंग में 6 बार 200 का आंकड़ा पार न कर सकी।

सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का हुआ ऐलान, 18 खिलाड़ियों को मिली जगह, टेस फ्लिंटॉफ ने सबको चौंकाया

खेल डेस्क, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। बीसीसीआई की ओर से भारतीय खिलाड़ियों के नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट के ऐलान में तो अभी वक्त है. लेकिन उधर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2025-26 के लिए अपनी महिला क्रिकेटरों के सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का भी ऐलान कर दिया है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में 18 खिलाड़ियों को जगह दी है. इतना ही नही उसके कुछ बड़े फैसलों की झलक भी खिलाड़ियों की नई सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट लिस्ट में देखने को मिली है.

6 बार की वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बड़ा फैसला करते हुए महिला क्रिकेटरों के नई सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट लिस्ट से अलग-अलग फॉर्मेट को मिलाकर 6 बार की वर्ल्ड चैंपियन रही खिलाड़ी जेस जोनासेन को बाहर कर दिया है. इसमें दो राय नहीं कि बाएं हाथ की ये स्पिनर ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की मजबूत स्तंभ हैं. बावजूद इसके बोर्ड ने सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से दूर रखा है.

जो नहीं खेली एक भी मैच, उसे भी कॉन्ट्रेक्ट

हालांकि, जोनासेन के बाहर होने के अलावा जिन एक नए नाम की एंट्री ने सबको चौंकाया है, वो बॉलिंग ऑलराउंडर टेस फ्लिंटॉफ का है. 22 साल की इस खिलाड़ी ने अभी तक ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू नहीं किया है, बावजूद इसके उसे कॉन्ट्रेक्ट लिस्ट में जगह मिली है. मतलब साफ है कि वो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के फ्यूचर प्लान का हिस्सा जरूर हैं. ऑस्ट्रेलियन सेलेक्टर शॉन फ्लेगर ने भी कहा फ्लिंटॉफ जोश से लबरेज खिलाड़ी हैं और हम जल्दी ही उन्हें ऑस्ट्रेलिया की जर्सी में खेलते देख सकते हैं.

डेब्यू के 4 महीनों में ही इस खिलाड़ी को कॉन्ट्रेक्ट

टेस फ्लिंटॉफ के अलावा जॉर्जिया वॉल को भी सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में जगह मिली है. उन्हें भी डेब्यू किए ज्यादा समय नहीं हो रहा. पिछले साल दिसंबर में ही जॉर्जिया ने इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा है. इतने कम समय में ही जॉर्जिया वनडे में ऑस्ट्रेलिया के लिए शतक ठोक चुकी हैं. वहीं मार्च में ICC प्लेयर ऑफ द मंथ बनी है.

ऑस्ट्रेलिया की इन महिला क्रिकेटरों को मिला सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट

डर्सी ब्राउन, टेस फ्लिंटॉफ , एश्ले गार्डनर , किम गार्थ, हीथर ग्राहम, ग्रेस हैरिस, एलिस हीली, अलाना किंग, लिचफील्ड, ताहिला मैक्ग्रा, सोफी मॉलीन्योक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगान शूट, सदरलैंड, ताएला व्लैम्निक, जॉर्जिया वॉल, जॉर्जिया वेयरहम.

नीरज चोपड़ा की दमदार वापसी

84.52 मीटर दूर भाला फेंक कर दक्षिण अफ्रीका में जीता टूर्नामेंट

खेल डेस्क, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पॉट इनविटेशनल ट्रैक प्रतियोगिता जीतकर अपने सत्र की शानदार शुरुआत की है। नीरज ने बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर छह खिलाड़ियों के बीच चले मुकाबले में शीर्ष स्थान हासिल किया।

भारतीय स्टार नीरज दक्षिण अफ्रीका के 25 वर्षीय डौव स्मिट से आगे रहे, जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर का था। नीरज का प्रदर्शन हालांकि उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर से कम था, जबकि स्मिट अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 83.29 मीटर के करीब पहुंच गए। इस प्रतियोगिता में सिर्फ दो खिलाड़ियों नीरज और स्मिट ने ही 80 मीटर की दूरी पार की। दक्षिण अफ्रीका के एक अन्य खिलाड़ी डंकन रॉबर्टसन 71.22 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नीरज अपने नए कोच चेक गणराज्य के जान जेलेज्नी की निगरानी में पोटचेफस्ट्रूम में अभ्यास कर रहे हैं। जेलेज्नी तीन बार के ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक हैं। भारत का यह 27 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल लंबे समय तक अपने कोच रहे जर्मनी के क्लॉस बार्टोनिट्ज से अलग हो गए थे। वह 16 मई को दोहा डायमंड लीग में एलीट प्रतियोगिताओं में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। नीरज ने 2020 टोक्यो (स्वर्ण) और 2024 पेरिस (रजत) ओलंपिक खेलों में लगातार दो पदक जीते। नीरज का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। वह पिछले लंबे समय से 90 मीटर का आंकड़ा छूने का प्रयास कर रहे हैं। जेलेज्नी के मार्गदर्शन में नीरज अपनी कामयाबी को एक अलग स्तर पर ले जाने की कोशिश करेंगे। 1992, 1996 और 2000 के ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता जेलेज्नी के नाम अब तक के शीर्ष दस सर्वश्रेष्ठ थ्रो में से पांच थ्रो हैं। 1996 में जर्मनी में 98.48 मीटर के थ्रो के साथ उन्होंने विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। उन्होंने चार मौकों पर विश्व रिकॉर्ड तोड़ा।

खेल निकायों के मामलों की गहन जांच

आयोग गठित करने पर विचार कर रहा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को देश में खेल संघों के मामलों की गहन जांच के लिए जांच आयोग गठित करने का संकेत दिया और कहा कि खेल गतिविधियों के अलावा उनमें हर तरह की चीजें हो रही हैं। दो राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह बात कही। दो कबड्डी खिलाड़ियों ने पहले एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) और इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन के मामलों की सीबीआई जांच के लिए विचार मांगे थे।

पीठ ने कहा, 'हम कबड्डी संघों के मामलों की गहन जांच के लिए जांच आयोग गठित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि इन निकायों में खेल गतिविधियों के अलावा भी कई तरह की चीजें हो रही हैं। इसके बाद हम जांच आयोग का दायरा अन्य खेल संघों तक बढ़ाने का इरादा रखते हैं।' केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता केएम नटराज ने कहा कि पीठ के चार फरवरी के आदेश के अनुसार खिलाड़ियों को ईरान में टूर्नामेंट के लिए भेजा गया था, जहां उन्होंने जीत हासिल की और स्वर्ण पदक जीता। नटराज ने कहा कि जहां तक सीबीआई जांच का सवाल है, इसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है।

उन्होंने इस पर काम करने के लिए दो और सप्ताह मांगे, जिसके बाद पीठ ने कहा कि वह देश के सभी राज्य और अंतरराष्ट्रीय खेल संघों के मामलों की जांच करेगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें भंग कर देगी। शीर्ष अदालत ने खेल संघों के कामकाज और जरूरी जांच पर सुझाव देने के लिए कई पूर्व खिलाड़ियों और मौजूदा खिलाड़ियों के हस्तक्षेप के आवेदनों को स्वीकार कर लिया और सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की।

शीर्ष अदालत ने छह फरवरी को एकेएफआई के प्रशासक और पूर्व न्यायाधीश एस पी गर्ग को ईरान में 20 फरवरी से शुरू होने वाले एक खेल आयोजन में खिलाड़ियों की भागीदारी की अनुमति देने के लिए अपने निर्वाचित शासी निकाय को प्रभार सौंपने के लिए कहा। शीर्ष अदालत प्रियंका और पूजा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्हें एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप में भेजने के लिए एकेएफआई को निर्देश देने की मांग की गई थी। इससे पहले न्यायालय ने केंद्र को खेल संघों, खास तौर पर भारतीय कबड्डी महासंघ की मान्यता को लेकर विवाद के समाधान के लिए कूटनीतिक माध्यमों की तलाश करने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने कहा, 'सीबीआई के निदेशक खेल महासंघ के मामलों में इंटरपोल जैसी अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों की सहायता से प्रभावी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय जांच के लिए जांच तंत्र का सुझाव देंगे।'

न्यायालय ने यह भी जानना चाहा कि कबड्डी खिलाड़ियों और अन्य खिलाड़ियों को ईरान में एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं। पिछले साल जुलाई में अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने एकेएफआई की मान्यता समाप्त कर दी थी, जिससे कबड्डी टीमों को कई वैश्विक आयोजनों में भाग लेने से रोक दिया गया था।

शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर करने वाली महिला खिलाड़ियों ने केंद्र को एकेएफआई की मान्यता बहाल करने के लिए कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की। अर्जुन पुरस्कार विजेता दो पूर्व खिलाड़ियों ने भी मामले में हस्तक्षेप किया है और अपने वकील वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन के माध्यम से न्यायालय को एकेएफआई के मामलों से अवगत कराया है।

केवीएस क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता 2025, बॉक्सिंग चैंपियनशिप

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता एक ऐसा मंच है, जहाँ युवा एथलीट अपनी प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हैं। प्रतिस्पर्धा करते समय, वे टीम वर्क, अनुशासन और दृढ़ता जैसे मूल्यवान जीवन कौशल सीखते हैं। यह प्रतियोगिता प्रतिभागियों को अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने, चुनौतियों पर विजय पाने और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करती है।

केंद्रीय विद्यालय क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता के तहत मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 गोलकोंडा द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम आर्टिलरी सेंटर हैदराबाद में आयोजित किया गया था। श्री सुरेश कटोच, प्रिंसिपल पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 गोलकोंडा, आधिकारिक मुक्केबाज श्री दीपक, मुक्केबाज श्री संदीप, श्री अभिषेक चौधरी (खेल प्रभारी) श्री नरहरि लाल (खेल प्रशिक्षक) और अन्य लोग इस कार्यक्रम के गवाह बने। मुक्केबाजी चैंपियनशिप में कुल 37 छात्रों ने भाग लिया, जिसमें 26 लड़के और 11 लड़कियाँ शामिल थीं। कुल 9 मुकाबले हुए। टी वेंकट चरण (यू17, 48-50 किग्रा, लड़के) केवी वाल्टेयर, वद्याधि अलेक्या (यू17, 38-42 किग्रा, लड़कियां) केवी नौसेनबाध नंबर 2; शेख मीरा हसन आलम (यू 17, 60-63 किग्रा, लड़के) केवी नौसेनबाम नंबर 1; सैयदा आयशा (यू19, 75-81 किग्रा, लड़कियां), केवी पिकेट; एस लोहित (यू 14, 48-50 किग्रा, लड़के), केवी नौसेनबाघ नंबर 1: शेख रेयान मिस्बाह (यू14, 44-46 किग्रा, लड़के), केवी मिर्यालगुडाः मड्डाला लक्ष्मण (यू17, 42-46 किग्रा, लड़के), केवी नौसेनाबाग नंबर 1 ने नेशनल के लिए क्वालीफाई किया।

मुनाफ पटेल पर लगाया भारी भरकम जुर्माना

नई दिल्लीस, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। अंपायर से तीखी बहस के बाद बीसीसीआई ने दिल्ली कैपिटल्स के कोच मुनाफ पटेल पर तगड़ा जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया है। मुनाफ पटेल ने अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार कर लिया है, जिससे सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हुई थी कोच गंभीर और चयनकर्ता अगरकर से बहस : रोहित शर्मा

मुंबई, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट से बाहर रहने का उनका फैसला सर्वसम्मति से नहीं लिया गया था और इसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के साथ उनकी 'बहस' हुई थी. बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान एडिलेड, ब्रिसबेन और मेलबर्न में खेलने वाले कप्तान लगातार पांच पारियों में विफल रहे थे. मेलबर्न में खेले गए श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच में टीम ने शुभमन गिल को बाहर बैठाने का फैसला किया था.

रोहित ने 'बियॉन्ड23 क्रिकेट पॉडकास्ट' के दौरान ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क से कहा, '' हम किसी तरह गिल को अंतिम एकादश में रखना चाहते थे, वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है. वह पिछले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाया था. मैं ऐसा ही हूं... ठीक है, अगर मैं गेंद को अच्छी तरह से नहीं मार पा रहा हूं, तो यह अभी है. चीजें पांच दिन बाद, दस दिन बाद बदल सकती हैं.'' उन्होंने कहा, '' मैंने कोच और चयनकर्ता से बात की और वे इस पर सहमत भी हुए, असहमत भी हुए. इस मुद्दे पर हमारी बहस भी हुई थी.''

निर्णय लेने पर सफलता की गारंटी नहीं होती- रोहित

टीम को प्राथमिकता देने वाले अपने नेतृत्व दृष्टिकोण के लिए मशहूर भारतीय कप्तान का तर्क सरल था. रोहित ने कहा, ''आप टीम को प्राथमिकता देने की कोशिश करते हैं, आप बस देखते हैं कि टीम की क्या जरूरत है और उसके अनुसार निर्णय लेते हैं. कभी-कभी यह काम करेगा, कभी-कभी नहीं. ऐसा ही होता है. आप जो भी निर्णय लेने की कोशिश करते हैं, उसमें आपको सफलता की गारंटी नहीं होती.''

इस महान बल्लेबाज ने खुद को बाहर करने के निर्णय पर पहुंचने के लिए तार्किक तर्क भी दिया. उन्होंने कहा, ''मैंने (एडिलेड में) अच्छा नहीं खेला था. मैंने सोचा कि मुझे पारी का आगाज करना चाहिये था. मैं जो करता हूं और वहां असफल होना पसंद करूंगा. यही मेरी जगह है, यही मेरी स्थिति है. मैं वहां जाकर बल्लेबाजी करना पसंद करूंगा, चाहे मुझे सफलता मिले या नहीं, यह एक अलग बात है. लेकिन मैं टीम के लिए अपनी स्वाभाविक जगह पर खेलूंगा.''

ब्रिस्बेन में चीजों को बदलने की कोशिश की- रोहित

रोहित ने सोचा कि उन्हें ब्रिस्बेन में एक और मैच में मध्यक्रम में बल्लेबाजी जारी रखनी चाहिए. उन्होंने कहा, ''मध्यक्रम में एक मैच में निराशा के बाद मैंने ज्यादा चिंता किये बिना सोचा कि इसे एक और मैच में जारी रखते हैं. हम ब्रिस्बेन में चीजों को बदलने की कोशिश कर सकते हैं. वह मुकाबला ड्रॉ पर छूटा. जब हम मेलबर्न पहुंचे तो हमने अपना मन बदल लिया. मैं पारी की शुरुआत करने के लिए वापस चला गया.''

रोहित ने स्वीकार किया कि उन्हें खुद को बाहर करना पड़ा क्योंकि एक ही समय पर टीम के कई खिलाफ फॉर्म में नहीं थे . इसमें स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भी शामिल थे. पर्थ में पहले टेस्ट में अपने शतक को छोड़कर कोहली पूरी श्रृंखला में संघर्ष करते रहे. रोहित ने कहा, '' श्रृंखला के आखिरी टेस्ट मे मुझे खुद के साथ ईमानदार होना पड़ा. मैं गेंद को अच्छी तरह से नहीं मार पा रहा था. मैं खुद को सिर्फ टीम में इसलिए वहां नहीं रखना चाहता था क्योंकि हमने दूसरे खिलाड़ियों को बाहर कर दिया था जो संघर्ष कर रहे थे.''

पीएसएल के बीच आसमान से गिरे ओले ने डराया, पाकिस्तानी क्रिकेटर ने कहा -ऐसा पहले नहीं देखा

इस्लामाबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में पीएसएल 10 के मुकाबले खेले जा रहे हैं. लेकिन, उसके रोमांच के बीच आसमान से गिरी चीज से खौफ का माहौल है. पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर ने तो ये तक कह दिया है कि इससे पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा. पीएसएल के मुकाबला पाकिस्तान के 4 शहरों- लाहौर, रावलपिंडी, कराची और मुल्तान- के क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे हैं. भारत में चल रहे आईपीएल के बीच ही पाकिस्तान सुपर लीग के 10वें सीजन की

शुरुआत हुई है.

इस्लामाबाद में भयंकर गिरे ओले

हालांकि, पाकिस्तान के जिन शहरों में पीएसएल के मुकाबले खेले जा रहे हैं, वहां आसमान से गिरी उस चीज को लेकर ना तो कोई खतरा है और ना ही डर. हम जिस चीज के गिरने की बात कर रहे हैं वो ओले है, जो भारी मात्रा में इस्लामाबाद में गिरे हैं. बेशक, इस्लामाबाद में पाकिस्तान सुपर लीग के मुकाबले नहीं खेले जा रहे मगर ओलों के गिरने का जो मंजर दिखा है, वो बड़ा भयानक रहा है. पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल के मुताबिक उन्होंने इस्लामाबाद में ऐसा नजारा पहले नहीं देखा. वीडियो में आप देख सकते हैं कि घर के गेट पर ओलों का ढेर लगा है, जिसे उमर गुल हटाते दिख रहे हैं. ओलों के ढेर से उस डरावने नजारे का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं, जिसकी ओर उमर गुल इशारा कर रहे हैं.

बहरहाल, पाकिस्तान में चल रहे पीएसएल की बात करें तो पहले 7 मुकाबलों के बाद इस्लामाबाद यूनाइटेड की टीम टॉप पर है. उसने अब तक खेले अपने सभी 3 मैच जीते हैं. वहीं लाहौर कंलदर्स ने भी 3 मैच में से 2 जीतकर दूसरे स्थान पर कब्जा जमा रखा है. क्वेटा ग्लैडिएटर्स और कराची किंग्स का हाल लगभग एक जैसा है. दोनों ने 2-2 मैच खेलने के बाद 1-1 जीते हैं और उनके 2-2 अंक हैं. बस रन रेट के चलते पॉइंट्स टेबल में ग्लैडिएटर्स नंबर 3 पर है जबकि कराची किंग्स नंबर 4 पर. पीएसएल 10 की पॉइंट्स टेबल में मुल्तान सुल्तांस और पेशावर जाल्मी सबसे नीचे की दो टीमें हैं.

पीएसएल 2025 में लगातार दूसरी हार पर बौखलाए रिजवान

इस्लामाबाद, 17 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग 2025 में मोहम्मद रिजवान की टीम मुल्तान सुल्तान्स को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। बीती रात मुल्तान सुल्तान्स का सामना शादाब खान की इस्लामाबाद यूनाइटेड के साथ हुआ, इस मैच में मुल्तान सुल्तान्स को 47 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद कप्तान मोहम्मद रिजवान ने अपनी प्लेइंग इलेवन पर ही सवाल खड़ा कर दिया।

हार के बाद बौखलाए रिजवान

पीएसएल 2025 में मिली लगातार दूसरी हार के बाद मुल्तान सुल्तान्स के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने कहा "उन्होंने हमारी उम्मीदों से ज्यादा रन बनाए। गेंद थोड़ी ग्रिप कर रही थी। हमने 50-50 के मौके नहीं भुनाए। उन्हें लय और गति मिल गई। हम अभी भी अपनी बेहतरीन प्लेइंग इलेवन की तलाश कर रहे हैं। हम महत्वपूर्ण क्षणों को कैप्चर नहीं कर पाए। अभी भी शुरुआती दिन हैं, बल्ले और गेंद दोनों से चीजें हमारे अनुकूल नहीं रही हैं। हमें सुधार की उम्मीद है।" रिजवान का मानना है कि अभी तक मुल्तान सुल्तान्स को इस सीजन अच्छे तालमेल वाली प्लेइंग इलेवन नहीं मिला पाई है, जिसके चलते टीम हार रही है।

मारुबेनी कॉर्प ने फ्यूचर सिटी में अगली पीढ़ी का औद्योगिक पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव रखा

टोक्यो/हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जापान की आधिकारिक यात्रा के पहले दिन, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में मारुबेनी कॉरपोरेशन के वरिष्ठ नेतृत्व से मुलाकात की, जो ऊर्जा, परिवहन, रियल एस्टेट, औद्योगिक इंफ्रा, धातु, चिकित्सा सेवाओं, व्यापार आदि में रुचि रखने वाला एक प्रमुख जापानी औद्योगिक समूह है। चर्चा के बाद, मारुबेनी कॉर्प ने फ्यूचर सिटी में एक अत्याधुनिक अगली पीढ़ी का औद्योगिक पार्क स्थापित करने में अपनी रुचि व्यक्त की और दोनों पक्षों ने एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए और उसका आदान-प्रदान किया। मारुबेनी ने इस संबंध में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसके अनुसार तेलंगाना सरकार के साथ एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए और उसका आदान-प्रदान किया गया। प्रस्तावित प्रारंभिक निवेश के साथ 100 करोड़ रुपये। 1,000 करोड़ रुपये की लागत से, फ्यूचर सिटी में चरणबद्ध तरीके से 600 एकड़ में एक विश्व स्तरीय, अगली पीढ़ी का औद्योगिक पार्क विकसित किया जाएगा।

औद्योगिक पार्क जापानी कंपनियों और अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों को हैदराबाद में अपने विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए समर्पित होगा और 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के बड़े निवेश को आकर्षित करेगा। मारुबेनी औद्योगिक पार्क इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन फार्मा, प्रेसिजन इंजीनियरिंग, एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जो काफी हद तक उन्नत विनिर्माण में विदेशी निवेश को आकर्षित करने और कुशल रोजगार के अवसर पैदा करने के तेलंगाना के उद्देश्य से जुड़े हुए हैं। तेलंगाना अपनी प्रगतिशील नीतियों, मजबूत बुनियादी ढांचे और नवाचार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के कारण एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में उभरा है। राज्य वैश्विक नेताओं को आकर्षित करता है, जो विनिर्माण के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत करता है। इस अवसर पर बोलते हुए और हैदराबाद में विकसित किए जा रहे फ्यूचर सिटी में मारुबेनी का स्वागत करते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा, मारुबेनी औद्योगिक पार्क प्रस्तावित 'फ्यूचर सिटी' में विकसित होने वाले अपनी तरह के पहले पार्कों में से एक होगा। इससे 30,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन होने, आजीविका को समृद्ध करने और तेलंगाना में कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने की उम्मीद है। तेलंगाना में व्यापार करने में मारुबेनी को विश्व स्तरीय अनुभव सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत समर्थन का वादा करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, हम फ्यूचर सिटी के लिए एक प्रमुख निवेशक के रूप में मारुबेनी को पाकर प्रसन्न हैं, भारत का पहला शहर जिसे नेट ज़ीरो सिटी के रूप में डिज़ाइन किया जा रहा है।

हम हैदराबाद में मारुबेनी का स्वागत करते हैं और सदियों से भारत और जापान की दोस्ती को देखते हुए, मुझे यकीन है कि जब आप तेलंगाना आएंगे तो आप खुद को घर जैसा महसूस करेंगे। जापान में मुख्यमंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए, मारुबेनी के कार्यकारी अधिकारी और सीओओ, नेक्स्ट जेनरेशन बिजनेस, दाई सकाकुरा ने कहा, हम तेलंगाना और हैदराबाद के लिए सीएम रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण को सुनकर बहुत खुश हैं, और वहां संभावनाओं को तलाशने वाले शुरूआती लोगों में से एक बनना चाहते हैं। मारुबेनी 410 से अधिक समूह कंपनियों के माध्यम से 65 देशों में वैश्विक स्तर पर काम करती है और जीवनशैली, खाद्य और कृषि व्यवसाय, धातु और खान, ऊर्जा और रसायन, बिजली और बुनियादी ढांचा, वित्त पट्टे और रियल एस्टेट, एयरोस्पेस और गतिशीलता आदि क्षेत्रों में अग्रणी है। इसके वैश्विक स्तर पर 50,000 से अधिक कर्मचारी हैं।

तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में सोनी मुख्यालय का दौरा किया

टोक्यो/हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को यहां सोनी कॉरपोरेशन के मुख्यालय का दौरा किया। सोनी कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को सोनी में कई नई पहलों का प्रदर्शन किया और नए उत्पादों सहित उनके कामकाज के बारे में विस्तार से बताया। प्रतिनिधिमंडल ने कंपनी की एनीमेशन सहायक कंपनी क्रंचरोल पर भी विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने एनीमेशन, वीएफएक्स और गेमिंग क्षेत्रों में हैदराबाद की ताकत के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने एक आधुनिक फिल्म सिटी की स्थापना पर अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जिसमें एंड-टू-एंड प्रोडक्शन की क्षमता होगी।

भाजपा की प्रतिशोधात्मक राजनीति अस्वीकार्य है : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अपनी विफलताओं से लोगों का ध्यान हटाने के लिए प्रतिशोधात्मक राजनीति करने का आरोप लगाया। गुरुवार को हैदराबाद में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय के सामने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए, मंत्री ने नेशनल हेराल्ड मामले से संबंधित आरोपपत्र में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को शामिल किए जाने की निंदा की। उन्होंने 12 साल पुराने मामले को पुनर्जीवित करने के पीछे के मकसद पर सवाल उठाया और सुझाव दिया कि यह बढ़ती मुद्रास्फीति, वैश्विक बाजारों में रुपये के गिरते मूल्य और बढ़ती बेरोजगारी जैसे राष्ट्रीय मुद्दों के खिलाफ आवाज उठाने वाली कांग्रेस पार्टी को चुप कराने का एक जानबूझकर किया गया कदम है। श्रीधर बाबू ने आरोप लगाया कि गांधी परिवार के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा बदले की कार्रवाई के जरिए कांग्रेस पार्टी का मनोबल गिराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी से अपनी प्रतिशोधी राजनीति को छोड़ने और इसके बजाय लोगों के सामने आने वाली वास्तविक चुनौतियों का समाधान करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। श्रीधर बाबू ने कहा कि चाहे जितने भी मामले दर्ज किए जाएं, कांग्रेस पार्टी अडिग संकल्प के साथ लोगों की ओर से लड़ती रहेगी।

कांग्रेस नेताओं ने ईडी कार्यालय पर धरना दिया

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को हैदराबाद में प्रवर्तन निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। वे नेशनल हेराल्ड मामले से संबंधित आरोप पत्र में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के प्रमुख नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को शामिल किए जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। यह विरोध प्रदर्शन तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका नेतृत्व इसके अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने किया था, जो देश भर में प्रदर्शन करने के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश के अनुसार था।

एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमकर, एआईसीसी सचिव विश्वनाथन, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, जुपल्ली कृष्ण राव, तुम्मला नागेश्वर राव, कोंडा सुरेखा और श्रीधर बाबू, सांसद अंजन कुमार यादव, एमएलसी बालमूर वेंकट नरसिंह राव, विधायक शंकरैया और राज टैगोर, निगम अध्यक्ष, नेता और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। एआईसीसी प्रतिनिधि मीनाक्षी नटराजन ने टिप्पणी की कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सूचित किया है कि कांग्रेस पार्टी आगामी गुजरात विधानसभा चुनावों में भाजपा को हराने का इरादा रखती है। उन्होंने कहा, तब से मोदी प्रशासन ने नोटिस जारी करके प्रतिशोधात्मक राजनीतिक रणनीति अपनाई है। नतीजतन, देश में वर्तमान में अशांति का अनुभव हो रहा है। नटराजन ने दावा किया कि हाल ही में कुंभ मेले के दौरान जाति आधारित भेदभाव के सबूत मिले थे। उन्होंने बताया कि किस तरह से अस्थाई घरों में रहने वाले गरीब व्यक्तियों के साथ बुरा व्यवहार किया जाता है, जो अक्सर भाजपा शासित राज्यों में कचरा निपटान स्थलों के पास स्थित होते हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेता इन व्यक्तियों को हिंदू भी नहीं मानते। मीनाक्षी नटराजन ने कहा, जो लोग राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा सरकार की अनियमितताओं को उजागर करते हैं, उन्हें प्रवर्तन निदेशालय की जांच और अन्य पूछताछ के माध्यम से उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, नेशनल हेराल्ड एक गैर लाभकारी संस्था के रूप में काम करता है। अगर कोई वित्तीय आदान-प्रदान नहीं है, तो मनी लॉन्ड्रिंग कैसे हो सकती है? संगठन के नियमों के बाहर लेनदेन नहीं होना चाहिए। एआईसीसी सचिव विश्वनाथ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर देश में सामाजिक अशांति भड़काने और देश के भीतर विभाजन पैदा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अगर समन की जरूरत है तो नरेंद्र मोदी के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण और राजनाथ सिंह को भी समन भेजा जाना चाहिए। भाजपा के नेता घोटालों और भ्रष्ट आचरण में लिप्त हैं। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू, दामोदर राजा नरसिम्हा और अन्य अधिकारियों ने भी विरोध प्रदर्शन के दौरान सभा को संबोधित किया।

मतदान एवं मतगणना अधिकारी प्रभावी ढंग से अपनी जिम्मेदारी निभाएं : अनुराग जयंती

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी अनुराग जयंती ने मतदान एवं मतगणना अधिकारियों को चुनाव प्रबंधन की अपनी जिम्मेदारी प्रभावी ढंग से निभाने और किसी भी तरह की गलती न करने की सलाह दी है। हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनाव प्रक्रिया के तहत गुरुवार सुबह जीएचएमसी मुख्यालय में कमांड कंट्रोल रूम में मतदान पीठासीन अधिकारियों, सहायक पीठासीन अधिकारियों, माइक्रो ऑब्जर्वर और ओपीओ के लिए चुनाव प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा चरण आयोजित किया गया। दोपहर में मतगणना पर्यवेक्षकों, मतगणना सहायकों और माइक्रो ऑब्जर्वर के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का पहला चरण आयोजित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए चुनाव रिटर्निंग अधिकारी अनुराग जयंती ने सलाह दी कि मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया से संबंधित नियमों और विनियमों के बारे में पूरी जानकारी प्रदान की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि उन्हें अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से पालन करना चाहिए ताकि चुनाव पारदर्शी और स्वस्थ वातावरण में सुचारू रूप से हो सकें। उन्होंने कहा कि हालांकि मतदान और मतगणना प्रक्रिया सरल है, लेकिन उन्हें लापरवाह नहीं होना चाहिए और बिना किसी गलती के अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से पालन करना चाहिए। उन्होंने मतदान प्रक्रिया की शुरूआत से लेकर मतदान के अंत तक अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मतपत्र का हिसाब, पेपर सील, मतपेटी खोलना, सील करना आदि विषयों पर उन्हें पूरी तरह प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतगणना प्रक्रिया को नियमानुसार पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाना चाहिए तथा मतगणना कर्मचारियों को बिना किसी गलती के काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सभी को अपने कर्तव्यों का पालन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मतगणना प्रक्रिया में सभी बातों को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए। प्रशिक्षण के तहत मास्टर ट्रेनरों ने मतदान अधिकारियों को मतदान केंद्र पर की जाने वाली व्यवस्थाओं, मतदान सामग्री, मतपत्र की क्रम संख्या की जांच, चुनाव नियम व कानून, मतपेटियों की सीलिंग प्रक्रिया, संबंधित प्रपत्र भरने, पीठासीन अधिकारी की शक्तियां व कर्तव्य, मतदान अधिकारियों के कर्तव्य आदि के बारे में विस्तार से बताया। इसी प्रकार मतगणना प्रक्रिया के दौरान किए जाने वाले कर्तव्यों व नियमों के बारे में भी मतगणना अधिकारियों को विस्तार से बताया गया।

दो युवकों के परिवारों को नौकरियां उपलब्ध कराने के निर्देश

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएमडीसी के अध्यक्ष आई अनिल कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को दुबई में मारे गए तेलंगाना के दो लोगों के परिवार के सदस्यों को आउटसोर्सिंग नौकरियां प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

एक बयान में टीजीएमडीसी के अध्यक्ष ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ने जापान से इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी है और अधिकारियों को शवों को जल्द से जल्द लाने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। दुबई में सोन मंडल निवासी ए प्रेमसागर, निर्मल और दमनपेट गांव, जगित्याल निवासी स्वर्गम श्रीनिवास की हत्या कर दी गई।

उन्होंने बताया कि एनआरआई सलाहकार समिति के अध्यक्ष बी विनोद कुमार, धर्मपुरी विधायक ए लक्ष्मण कुमार, पूर्व एमएलसी टी जीवन रेड्डी ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी।

प्रजावाणी सत्र 22 को होगा

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 18 अप्रैल को होने वाला प्रजावाणी सत्र गुड फ्राइडे के कारण स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सभी याचिकाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे इस बदलाव पर ध्यान दें और 18 अप्रैल के बजाय 22 अप्रैल को प्रजावाणी कार्यक्रम में भाग लें।

रेल मंत्रालय आयोजित कर रहा है रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) सभी भारतीयों के लिए हिंदी में रेल यात्रा वृत्तांत प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है।

दमरे के अनुसार जिसमें राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिए जाने का प्रावधान है। प्रथम पुरस्कार (एक) 10 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार (एक), द्वितीय पुरस्कार 8 हजार रुपये, तृतीय पुरस्कार (एक) 6 हजार रुपये, प्रेरणा पुरस्कार (पांच) 4 हजार रुपये प्रत्येक है। रेल यात्रा वृत्तांत हिंदी भाषा में होना चाहिए और मौलिक होना चाहिए तथा न्यूनतम 3000 शब्दों एवं अधिकतम 3500 शब्दों तक होना चाहिए। यह डबल स्पेस में टाइप किया हुआ, चारों तरफ कम-से-कम एक इंच का हाशिया छोड़ा हुआ हो और पृष्ठ संख्या अंकित हो। शब्दों की कुल संख्या लिखी होनी चाहिए। वृत्तांत के प्रारंभ में एक अलग कागज में बड़े अक्षरों में नाम, पदनाम, आयु, कार्यालय/निवास का पता, मातृभाषा, मोबाइल नं., ई-मेल, वृत्तांत के शब्दों की संख्या आदि का उल्लेख किया जाना चाहिए। इस योजना में भाग लेने के इच्छुक केंद्रीय अथवा राज्य सरकार की सेवा में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके विरूद्ध किसी भी प्रकार का सर्तकता/अनुशासन एवं अपील नियम से संबंधित मामला लंबित या विचाराधीन नहीं है।

जो आवेदक सरकारी सेवा में नहीं हैं, उन्हें इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके खिलाफ न तो किसी प्रकार का आपराधिक मामला चल रहा है और नहीं वे किसी प्रकार की सजा भुगत रहे हैं। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को घोषणा पत्र में यह भी उल्लेख करना होगा कि संबंधित रेल यात्रा वृत्तांत मेरी मौलिक रचना है, इसे किसी अन्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत नहीं किया गया है। प्रतिभागी अपनी प्रविष्टि दो प्रतियों में 31 जुलाई तक सहायक निदेशक, हिंदी (प्रशिक्षण), कमरा न.-316, कॉफमो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आईटीओ, नई दिल्ली 110002 को भिजवा दें।

वृत्तांत की एकल प्रति प्राप्त होने पर प्रविष्टि रद्द कर दी जाएगी। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियों पर मंत्रालय द्वारा विचार नहीं किया जाएगा।

वक्फ संशोधन से गरीब मुसलमानों को फायदा होगा : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि भाजपा ने पहले वक्फ अधिनियम में संशोधन करने का वादा किया था और गरीब मुसलमानों को फायदा पहुंचाने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक हाल ही में संसद सत्र में पेश किया गया और इसे कानून बना दिया गया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में वक्फ सुधार जनजागरण अभियान कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस विधेयक का मसौदा तैयार करने के लिए अगस्त 2024 में एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया था और कहा कि समिति ने लगभग 25 राज्यों का दौरा किया और एक करोड़ से अधिक बुद्धिजीवियों और लोगों की राय एकत्र की और कहा कि समिति द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और संसद में 21 घंटे तक चर्चा हुई। सांसद असदुद्दीन ओवैसी और कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि वक्फ संशोधन अधिनियम किसी भी समुदाय के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा, जैसा कि पहले वादा किया गया था, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद हमने जम्मू-कश्मीर में बाबा साहब अंबेडकर संविधान को लागू किया। शांति कायम हुई है। हम देश के गरीब मुसलमानों के हित में वक्फ संशोधन अधिनियम लेकर आए। ब्रिटिश शासन के दौरान लाए गए वक्फ अधिनियम को 1954 में फिर से लागू किया गया।

1995 में इसमें और बदलाव किए गए। हालांकि, 2013 में यूपीए सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए लोगों को गुमराह करके वक्फ अधिनियम में बदलाव किए। वक्फ बोर्ड की शक्तियों को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया गया और जमीनों के एकतरफा अधिग्रहण की संभावना को अनुमति दी गई। रेलवे और रक्षा विभागों के बाद, देश में सबसे ज्यादा जमीन बैंक वक्फ बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में है। लेकिन उन जमीनों से होने वाली आय से गरीब मुसलमानों को कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड ने सिर्फ मजलिस पार्टी के नेताओं, धार्मिक नेताओं, जमीन हड़पने वालों और रियल एस्टेट कंपनियों को फायदा पहुंचाया। 2006 में वक्फ संपत्तियों का आकार 4.9 लाख एकड़ था, लेकिन आय केवल 160 करोड़ रुपये थी। 2013 में यह केवल 166 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। जमीनों के मूल्य में वृद्धि होने के बावजूद वक्फ बोर्ड की आय क्यों नहीं बढ़ी, इसका जवाब दिया जाना चाहिए। केंद्र सरकार के अनुमान के अनुसार, अगर वक्फ संपत्तियों का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो हर साल 12,000 करोड़ रुपये की आय हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस आय का उपयोग गरीब मुसलमानों के लिए करने का वादा किया गया है। रेड्डी ने कहा कि अतीत में कुछ राजनीतिक और धार्मिक नेता वक्फ की जमीनों पर नियंत्रण रखते थे और उन्होंने लालची तरीके से मुनाफे के लिए इसका इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि अब से वक्फ के रूप में दावा की जाने वाली सभी सरकारी संपत्तियों का जिला कलेक्टर की देखरेख में निरीक्षण और सर्वेक्षण करना होगा और उनके अधिकारों की पुष्टि करनी होगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेता वक्फ अधिनियम को लेकर धर्मों के बीच संघर्ष भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में वक्फ बोर्ड के तहत 77,000 एकड़ जमीन और 35,000 संपत्तियां हैं और उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी और असदुद्दीन ओवैसी को अपनी आय का ब्योरा देना चाहिए और दोनों नेताओं से यह बताने की मांग करनी चाहिए कि उन्होंने गरीब मुसलमानों की कितनी मदद की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के मुस्लिम नेताओं और मजलिस के नेताओं ने वक्फ संपत्तियों का इस्तेमाल अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए किया हर साल और जियो-टैगिंग के माध्यम से निगरानी की जाती है।

अनुबंध व्याख्याताओं ने गांधी भवन में किया धरना प्रदर्शन

हैदराबाद, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यरत अनुबंध व्याख्याताओं ने आज अपने भविष्य को लेकर चिंता जताते हुए कांग्रेस पार्टी के राज्य मुख्यालय गांधी भवन का घेराव किया।

12 विश्वविद्यालयों में करीब 1400 अनुबंध शिक्षक कार्यरत हैं। उन्होंने अपने नियमितीकरण की मांग को लेकर अखिल विश्वविद्यालय अनुबंध शिक्षक जेएसी समन्वयक डॉ. समरला विजयेंद्र रेड्डी के नेतृत्व में धरना आयोजित किया है। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. विजयेंद्र रेड्डी ने खेद व्यक्त किया कि राज्य सरकार उन्हें नियमित करने के अपने पिछले वादे को भूल गई है। उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सत्ता में आए करीब एक साल हो गया है, लेकिन इस मुद्दे पर कोई विचार नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति में अनुबंध शिक्षक बेहद अनिश्चितता में हैं और अपने परिवार का भरण-पोषण करने में असमर्थ होने की विकट स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय भी उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिसके कारण उन्हें सड़क पर उतरना पड़ रहा है और धरना देना पड़ रहा है।

टीटीडी गोशाला में जाने से रोकने पर वाईएसआरसीपी नाराज

गायों की मौत के लिए सरकार को ठहराया था जिम्मेदार

करुणाकर रेड्डी

तिरुपति, 17 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की गोशाला में गायों की मौत का मामला गर्माया हुआ। गुरुवार को वाईएसआरसीपी कांग्रेस नेताओं ने गोशाला में जाने से रोकने के विरोध में प्रदर्शन किया। नेताओं ने आरोप लगाया कि उपेक्षा के कारण गायों की मौत हो रही है। पिछले दिनों नेताओं ने गायों की मौत के लिए टीटीडी और टीडीपी सरकार को जिम्मेदार ठहराया था।

प्रदर्शन कर रहे नेताओं को जब पुलिस ने गोशाला में प्रवेश करने से रोका तो टीटीडी के पूर्व अध्यक्ष भूमना करुणाकर रेड्डी सड़क पर लेटकर विरोध जताया। उनके साथ तिरुपति के सांसद एम गुरुमूर्ति और अन्य कार्यकर्ताओं ने भी नारेबाजी और प्रदर्शन किया। वाईएसआरसीपी ने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेतृत्व वाली सरकार पर मंदिर ट्रस्ट द्वारा संचालित तिरुमाला गोशाला में कुप्रबंधन के सबूतों को दबाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। भूमना ने कहा कि सरकार ने हमारा प्रवेश रोक दिया क्योंकि उन्हें सच्चाई का डर है। उन्होंने अधिकारियों को गोशाला का निरीक्षण करने और रखरखाव के मानकों को साबित करने की चुनौती दी। वाईएसआरसीपी ने कहा कि उनके नेताओं को गैरकानूनी तरीके से रोका गया। यह कायरतापूर्ण कृत्य है। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट पर गायों की खराब देखभाल का आरोप लगाया।

टीटीडी के भूतपूर्व अध्यक्ष भूमना करुणाकर रेड्डी ने आरोप लगाया कि टीटीडी द्वारा प्रबंधित गोशाला में एक भयानक घटना घटी है। पिछले तीन महीनों में 100 देशी गायों की मौत हो चुकी है। बिना कोई उचित कारण बताए टीटीडी अधिकारी झूठा दावा कर रहे हैं कि कोई मौत नहीं हुई है। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट की पशु देखभाल की स्वतंत्र जांच की मांग की।

वाईएसआरसीपी नेता आरके रोजा ने भी हालात की निंदा की। साथ ही तिरुमाला में शराब, मारिजुआना और दुर्व्यवहार पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं मंदिर की पवित्रता और प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाती हैं। पार्टी ने टीटीडी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ ही पवित्र मंदिर परिसर में हुई मौतों और बिगड़ती स्थिति के लिए गिरफ्तारी और जवाबदेही की मांग की।

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन करता है टीटीडी : तिरुमाला की पहाड़ियों पर स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड (टीटीडी) करता है। इससे पहले तिरुपति के प्रसिद्ध लड्डू प्रसादम में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल पर जमकर विवाद हुआ था। बाद में मंदिर प्रशासन ने कहा था कि प्रसाद की पवित्रता बहाल कर ली गई है। टीटीडी ने बयान जारी कर बताया था कि अब प्रसाद पूरी तरह से पवित्र और बेदाग है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.